

A

Ableev, Daniel

Sansabienne 180 (Bd. 27)

Achleitner, Friedrich

ein paar »bajuvaria« 17 (Bd. 17)

Acquaroni, Rosana

Der Schiffbare Garten 120 (Bd. 12)

Ein ums andre Mal 120 (Bd. 12)

In jedem Herzen 121 (Bd. 12)

Adloff, Gerd

Geschichte 151 (Bd. 27)

Adolph, Monica

Ach wir 26 (Bd. 26)

Anstatt 98 (Bd. 7)

Der Rhythmus der Schwellen 88 (Bd. 9)

Des Sammlers Müdigkeit 115 (Bd. 6)

Die Rolle der Dinge 99 (Bd. 9)

Ein Anarchist 112 (Bd. 8)

Fischbeingeklapper 29 (Bd. 6)

Kriegslied 54 (Bd. 5)

Verhältnismäßig 46 (Bd. 7), 95 (Bd. 25)

Adonis

Die Kunst des Gedichts 53 (Bd. 13)

Aebli, Kurt

Ein bunter Verlierer 130 (Bd. 16)

Ein gewisser Kopf 129 (Bd. 16)

Eine schmale trockene Stunde 130 (Bd. 16)

Agard, John

mischling 116 (Bd. 11)

Ahrens, Henning

All Right 50 (Bd. 20)

Legenden 38 (Bd. 16)

Moving 50 (Bd. 23)

Aigner, Christoph W.

Beziehung 23 (Bd. 15)

Die Katze der Verdrängung 119 (Bd. 20)

Die Versuchung des Schreibers 198 (Bd. 27)

Vom Schwimmen im Glück 118 (Bd. 19)

Zufluchtsort Gegenrede 13 (Bd. 24)

Alexander, Elisabeth

Glück 61 (Bd. 1)

Allemann, Urs

hackepasta 72 (Bd. 27)

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| häppi schramm..... | 210 (Bd. 27) |
| wenn ich so eins wär..... | 133 (Bd. 26) |
| Althoff, Werner | |
| Schnell, schnell | 143 (Bd. 18) |
| Altmann, Andreas | |
| grenz wald | 23 (Bd. 20) |
| schneefarben..... | 118 (Bd. 23), 341 (Bd. 25) |
| unten durch..... | 103 (Bd. 17) |
| zwei hunde | 57 (Bd. 21) |
| Ames, Konstantin | |
| /1 26.04.0 | |
| € 2,40 | 154 (Bd. 27) |
| eune zitung, links, mitte rechts unten: luxusgütern nach Nordkorea | 23 (Bd. 26) |
| Amichai, Yehuda | |
| Eine Art Heilsgeschichte | 131 (Bd. 9) |
| Gott voll Erbarmen..... | 132 (Bd. 9) |
| Amling, Martin | |
| bald verschneit | 104 (Bd. 19) |
| Ammons, A.R. | |
| Shot Glass | 129 (Bd. 19) |
| Anders, Richard | |
| Der lange Schrecken..... | 102 (Bd. 9) |
| Der Sprung im Teller | 105 (Bd. 1) |
| Der Unterschied | 35 (Bd. 3) |
| Kinderkrankheit | 97 (Bd. 1) |
| Luftfalle | 108 (Bd. 8) |
| Nächtliche Gesprächspause | 63 (Bd. 5) |
| Photoalbum..... | 115 (Bd. 1) |
| Schmetterlinge | 41 (Bd. 6) |
| Vorgarten | 40 (Bd. 2) |
| Zimmerdecke | 75 (Bd. 11) |
| Anderson, Sascha | |
| der dreißigste februar | 89 (Bd. 6) |
| Eins Ums Andere | 66 (Bd. 23) |
| Hinter Ilmenau | 44 (Bd. 15) |
| mondfinsternis | 117 (Bd. 6) |
| Rechnungen..... | 29 (Bd. 14) |
| sonett für ans..... | 71 (Bd. 3) |
| Verrätselungen | 29 (Bd. 14) |
| Voraus gesetzt | 66 (Bd. 23) |
| Andrassy, Antje | |
| Nachtrag..... | 55 (Bd. 23) |
| Angelmi, Michael | |
| im Louvre (1-3)..... | 158 (Bd. 23) |

Lyrikregister 1979–2009

Ani, Friedrich

| | |
|---|----------------------------|
| Abschied vom Dichter | 94 (Bd. 11) |
| An manchen Tagen..... | 81 (Bd. 26) |
| Bob, Steve, Holder & Link | 70 (Bd. 22) |
| Der Erfinder | 108 (Bd. 15), 211 (Bd. 25) |
| einer den man nicht hört..... | 93 (Bd. 9) |
| Fragment, ein Leben | 71 (Bd. 23) |
| Gebrechlicher Dichter, göttlich, auf dem Weg zum Friedhof | 83 (Bd. 12) |
| Im Flur riecht es nach Wäsche..... | 18 (Bd. 20), 291 (Bd. 25) |
| Schwalben über der großen Stadt Rom | 46 (Bd. 24) |
| Seltne Vögel | 53 (Bd. 21) |
| So bin ich groß geworden von Wondratschek revisited | 44 (Bd. 21) |

Antoni, Gerhard

| | |
|--------------------|--------------|
| Jim Morrison | 176 (Bd. 26) |
|--------------------|--------------|

Antpöhler, Hajo

| | |
|--|-------------|
| Amsterdam, 8. Oktober 74 | 178 (Bd. 1) |
| Bildnis eines bürgerlichen Intellektuellen | 22 (Bd. 3) |
| Ende März | 19 (Bd. 1) |
| Gespräch | 48 (Bd. 1) |
| J. E..... | 118 (Bd. 1) |
| Lionel Hampton live April 1978 | 41 (Bd. 2) |
| Sonnabendabendläuten oder An Trakl denken..... | 62 (Bd. 3) |

Arajdi, Naim

| | |
|---------------------------------------|-------------|
| Über das Schlachten von Kindern | 132 (Bd. 9) |
|---------------------------------------|-------------|

Arendt, Erich

| | |
|--------------------------|------------------------|
| Aix en Provence | 57 (Bd. 3) |
| Der Hohlraum | 85 (Bd. 4) |
| Die Arena | 103 (Bd. 1) |
| Gebirg | 77 (Bd. 1) |
| Gift ins schlafende..... | 161 (Bd. 1) |
| Lied | 87 (Bd. 4) |
| Nike..... | 159 (Bd. 1) |
| Spätbegegnung | 31 (Bd. 3), 21 (Bd. 4) |

Arlati, Renato P.

| | |
|---------------|--------------|
| Schatten..... | 128 (Bd. 16) |
| Treppe..... | 128 (Bd. 16) |

Artmann, H.C.

| | |
|---|-------------|
| Eine Lektion in Poesie wird vorbereitet | 14 (Bd. 17) |
|---|-------------|

Ashbery, John

| | |
|-----------------------------|---------------------------|
| The Problem of Anxiety..... | 106 (Bd. 18) |
| Was ist Dichtung..... | 23 (Bd. 13), 179 (Bd. 25) |

Askan, Katrin

| | |
|---------------------|--------------|
| Alte Rechnung | 125 (Bd. 18) |
|---------------------|--------------|

Astel, Arnfrid

| | |
|---|---------------------------|
| Diós Bálanos – Juglans – Jovis Glans | 69 (Bd. 18) |
| Grabschrift..... | 44 (Bd. 14) |
| Sonnenfinsternis | 67 (Bd. 18) |
| Vor den Vätern sterben die Söhne | 44 (Bd. 14) |
| Atxaga, Bernardo | |
| Was ich sehe | 117 (Bd. 12) |
| Axt, Renate | |
| Berührungen | 74 (Bd. 1) |
| Irgendwann hat es angefangen | 73 (Bd. 1) |
| Krakau | 137 (Bd. 1) |
| Lebenslauf..... | 106 (Bd. 1) |
| Nachts | 59 (Bd. 1) |
| Nah | 62 (Bd. 1) |
| Águila, Pablo del | |
| Andere Orte | 105 (Bd. 12) |
| Fragment | 105 (Bd. 12) |
| Stein und Weg..... | 106 (Bd. 12) |
| B | |
| Bächler, Wolfgang | |
| Abgelagerte Himmel..... | 33 (Bd. 3), 41 (Bd. 25) |
| Der Kamera gegenüber | 119 (Bd. 1) |
| Die Nacht im Palazzo | 46 (Bd. 2) |
| Sinai..... | 18 (Bd. 4) |
| Balla, Zsófia | |
| «Verweile doch!» | 39 (Bd. 17) |
| Bartsch, Wilhelm | |
| Altes Lied an Schorschens Kiosk | 13 (Bd. 20) |
| Coleoptera | 50 (Bd. 10) |
| Das Brockengespenst..... | 51 (Bd. 20) |
| Das Denkmal auf der Reichsburg Kyffhausen | 47 (Bd. 11) |
| Der letzte Walzer..... | 83 (Bd. 7) |
| Der Pottwal..... | 126 (Bd. 19) |
| Die alte Marke Wanderer | 53 (Bd. 26) |
| Die Leichenwäscherin ist tot..... | 76 (Bd. 5), 67 (Bd. 25) |
| Ein Alleszermalmer, sagte Moses Mendelsohn..... | 49 (Bd. 10), 139 (Bd. 25) |
| Einer..... | 31 (Bd. 5) |
| Hallischer Spielplatz | 18 (Bd. 10) |
| Hüges Krebsgang | 188 (Bd. 26) |
| Kaderakte Anna B..... | 15 (Bd. 2), 27 (Bd. 25) |
| Lenz..... | 50 (Bd. 4) |
| Sie kommen sie gehen | 79 (Bd. 21) |
| Tango Berlin..... | 95 (Bd. 6) |
| Thuringia Kallipygia..... | 100 (Bd. 24) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| Verlorene Erde | 65 (Bd. 11) |
| Wandern in Virginia | 81 (Bd. 16) |
| Weitere Grabende Skelette | 15 (Bd. 18) |
| Wolfgangsee | 200 (Bd. 27) |
| Zeitsprung | 127 (Bd. 19) |
| Basse, Michael | |
| Aus der vorgeschichte II | 98 (Bd. 21) |
| Befund | 81 (Bd. 19) |
| Campo dei fiori | 100 (Bd. 16) |
| Bastrop, Anke | |
| Wir streben | 45 (Bd. 27) |
| Becker, Jürgen | |
| Ansichtskarten | 50 (Bd. 5) |
| Aus dem Journal der Wiederholungen | 13 (Bd. 13) |
| Beispielsweise am Wannsee | 49 (Bd. 3) |
| Das englische Fenster | 97 (Bd. 8) |
| Das englische Fenster (2) | 68 (Bd. 9) |
| Der Stand der Vorarbeiten | 61 (Bd. 20), 292 (Bd. 25) |
| Die Ansicht von Delft | 61 (Bd. 16) |
| Die winzige Nachtschrift | 51 (Bd. 5) |
| Döberitzer Heide | 15 (Bd. 15) |
| Ein Fremder kommt und kennt die Ortsgeschichte nicht | 15 (Bd. 4) |
| Gedicht mit Wörtern | 25 (Bd. 11) |
| Holländische Malerei, 1622 | 61 (Bd. 16), 225 (Bd. 25) |
| Im Park und später | 45 (Bd. 3) |
| Man geht nicht | 88 (Bd. 24) |
| Man sieht sich | 87 (Bd. 24) |
| Möglichkeiten für Bilder | 55 (Bd. 14) |
| Momente mit Huchel | 90 (Bd. 17) |
| Reisefilm; Wiederholungen | 57 (Bd. 11) |
| Reiseland | 90 (Bd. 16) |
| Spuren der Geschichte | 55 (Bd. 14) |
| Unbekannte Pilze | 96 (Bd. 23) |
| Vorläufige Windstille | 36 (Bd. 10) |
| Was es ist | 104 (Bd. 15) |
| Wiederholtes Konzept | 89 (Bd. 17), 239 (Bd. 25) |
| Wochenvorschau | 52 (Bd. 5) |
| Zwei Fenster | 16 (Bd. 6) |
| Behlert, Karsten | |
| auf habenseite | 51 (Bd. 4) |
| Behrens-Hangeler, Herbert | |
| Fahrbare Häuser | 122 (Bd. 22) |
| Beidermühlen, Johannes | |
| Haltestelle. Alte Industrien | 44 (Bd. 26) |

Lyrikregister 1979–2009

Bekker, Gerrit

| | |
|---------------------------------------|-------------------------|
| »Imheim« (Zeichnung) | 97 (Bd. 3) |
| »Vor der Heimstadt« (Zeichnung)..... | 85 (Bd. 3) |
| »wannwargewesen« (Zeichnung)..... | 9 (Bd. 3) |
| »weißwas« (Zeichnung)..... | 19 (Bd. 3) |
| An der Bille | 80 (Bd. 2) |
| bay holport..... | 104 (Bd. 6) |
| der Maid..... | 81 (Bd. 2) |
| dichter | 20 (Bd. 4), 11 (Bd. 25) |
| Du bit mein Nora..... | 79 (Bd. 1) |
| durchs Land..... | 71 (Bd. 18) |
| erdt Mal zu dann | 54 (Bd. 3) |
| for cris..... | 82 (Bd. 2) |
| Frau Ku | 44 (Bd. 3) |
| glasurit | 82 (Bd. 3) |
| Hinterher | 80 (Bd. 2), 28 (Bd. 25) |
| Ich bin das Kind | 97 (Bd. 1) |
| Jetzt bin ich läufig zweundörti | 64 (Bd. 1) |
| Lutschtig is überland..... | 36 (Bd. 3) |
| Maios | 34 (Bd. 7) |
| Morgenaber | 79 (Bd. 2) |
| na = und | 53 (Bd. 4) |
| Nach Siegen-Süd rechts ab | 54 (Bd. 7) |
| Orndlisch brüllen | 79 (Bd. 2) |
| Prosit Hein – nimm noch ein | 53 (Bd. 4) |
| Schichtwechsel, Demitrios davor | 66 (Bd. 3) |
| Schiffersage | 81 (Bd. 2) |
| sich ums Wetter kümmern | 70 (Bd. 18) |
| Tante Hanna | 76 (Bd. 1) |
| Welcher Tumult ist da Leiter | 53 (Bd. 3) |

Bellman, Carl Michael

| | |
|--|-------------|
| Fredmans Epistel Nr. 27, seine letzten Gedanken beinhaltend..... | 25 (Bd. 16) |
|--|-------------|

Benn, Gottfried

| | |
|--------------------------|-------------|
| Menschen getroffen | 72 (Bd. 10) |
|--------------------------|-------------|

Berg, Wolfgang

| | |
|------------------|------------|
| Mahlzeit | 55 (Bd. 5) |
| Onkel Moole..... | 63 (Bd. 4) |
| Pastorale..... | 22 (Bd. 2) |
| Schnee..... | 48 (Bd. 3) |
| Wohnung..... | 23 (Bd. 3) |

Bernhof, Reinhard

| | |
|------------------------|-------------|
| Der Angeschwemmte..... | 44 (Bd. 15) |
|------------------------|-------------|

Bernlef, J.

| | |
|------------------|-------------|
| Paul Celan | 114 (Bd. 5) |
|------------------|-------------|

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|-----------------------------------|----------------------------|
| Winterwege | 113 (Bd. 5) |
| Bernstein, Charles | |
| A Defence of Poetry | 27 (Bd. 13) |
| Reimragout | 87 (Bd. 12) |
| Berry, James | |
| Freiheit im alten Stil | 118 (Bd. 11) |
| Beten, Klara | |
| luftweben, wieder | 59 (Bd. 27) |
| Betz, Martin | |
| Heim | 92 (Bd. 12) |
| Reigen | 92 (Bd. 12) |
| Sommertag | 93 (Bd. 12) |
| Winterlied | 93 (Bd. 12) |
| Beyer, Marcel | |
| Alphabet Oberlippe | 172 (Bd. 26) |
| Behandeltes Holz | 47 (Bd. 20) |
| Blondes Gedicht | 34 (Bd. 11) |
| Brief | 128 (Bd. 12) |
| Der letzte Schlurf | 110 (Bd. 20), 295 (Bd. 25) |
| Fehler im Filz | 72 (Bd. 19) |
| Fremde Lippen sauberlecken | 33 (Bd. 9) |
| Gedichte, Blicke, Bälge | 171 (Bd. 23) |
| Herbst des Todes | 90 (Bd. 14) |
| Hochmoor | 93 (Bd. 17), 240 (Bd. 25) |
| I danced with a Zombie | 35 (Bd. 9) |
| Ich muß | 168 (Bd. 26) |
| Ich sah die Schatten kommen | 22 (Bd. 19) |
| Kleine Percussionslehre | 23 (Bd. 10) |
| Liebhaber Sermon Liebhaber | 109 (Bd. 8) |
| Memoiren | 46 (Bd. 20) |
| Most | 99 (Bd. 23), 342 (Bd. 25) |
| Nachbemerkung | 235 (Bd. 25) |
| Olympia, Spätfilm | 94 (Bd. 17) |
| Schlafendes Gespräch | 29 (Bd. 8) |
| Timide, timide | 30 (Bd. 26) |
| Verklärter Herbst | 90 (Bd. 14), 193 (Bd. 25) |
| Wespe, komm | 11 (Bd. 24) |
| Bisinger, Gerald | |
| Auch in Genua | 22 (Bd. 17) |
| Jetzt etwas zu sagen | 25 (Bd. 17) |
| Knoblauchsuppe | 43 (Bd. 18) |
| Spricht leise | 24 (Bd. 17) |
| Blech, Juliane | |
| fremd | 109 (Bd. 23) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| Hungrig | 64 (Bd. 21) |
| innen | 14 (Bd. 24) |
| schach | 14 (Bd. 22) |
| Bleutge, Nico | |
| brennesselschatten | 124 (Bd. 26) |
| honigwarme pupillen | 115 (Bd. 23), 345 (Bd. 25) |
| leichter Sommer | 60 (Bd. 21) |
| Bodden, Ilona | |
| Wieland | 36 (Bd. 2) |
| Böhme, Thomas | |
| Bienendienst | 78 (Bd. 15) |
| Den Tee mit Erde vermischt | 76 (Bd. 20) |
| die cola-trinker | 12 (Bd. 7) |
| Die Geheimnisse der Kinematographie oder Die Perspektive der L.R. | 22 (Bd. 23) |
| Im Juli beginnt die Saison | 69 (Bd. 19) |
| Immer sind es Friseure..... | 39 (Bd. 16) |
| Keine ersten Sätze mehr | 128 (Bd. 21) |
| mediterran | 12 (Bd. 7) |
| Niedrige Häuser | 61 (Bd. 22) |
| So viele Inseln..... | 75 (Bd. 19) |
| Traumpfade | 129 (Bd. 26) |
| Voll von Tunneln | 52 (Bd. 18) |
| Wolfgang Hilbig ist tot | 202 (Bd. 27) |
| Böhmer, Paulus | |
| Eben noch..... | 60 (Bd. 15) |
| Es ist kein falsches | 53 (Bd. 9) |
| MarieMarie | 25 (Bd. 24) |
| Unterwegs | 97 (Bd. 22) |
| Zwiemagen | 49 (Bd. 6) |
| Bohocki, Adrijana | |
| Ein Jogger | 184 (Bd. 27) |
| Bolaender, Gerhard | |
| Am Rand der Erschöpfung | 33 (Bd. 6) |
| Delfter Blau | 68 (Bd. 11) |
| Der Nachbar, Berlin..... | 65 (Bd. 7) |
| Der Schatten des Körpers | 72 (Bd. 8) |
| Die dampfenden Hälse | 88 (Bd. 7) |
| Hakenschlagen | 72 (Bd. 8) |
| Im Wechsel..... | 83 (Bd. 9) |
| Böning, Horst | |
| Himmlische Empfehlung..... | 70 (Bd. 3) |
| Bonné, Mirko | |
| Blitzchen | 78 (Bd. 23) |
| Chemnitz..... | 161 (Bd. 26) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|----------------------------|
| Sommerwind..... | 104 (Bd. 23) |
| Boos, Manfred | |
| föhn | 52 (Bd. 2) |
| Borchers, Elisabeth | |
| Alles ist immer schon viele Jahre her | 23 (Bd. 19), 359 (Bd. 25) |
| Die vielen Bücher | 20 (Bd. 6) |
| Eines Tages | 103 (Bd. 15), 212 (Bd. 25) |
| Mondscheinsonate | 87 (Bd. 20) |
| Reminiszenz | 52 (Bd. 8) |
| Sils Maria | 119 (Bd. 20) |
| Sonntagmorgen, 1. Juli 2001. Zehn Uhr sieben ab Como..... | 90 (Bd. 21), 159 (Bd. 23) |
| Später Nachmittag | 73 (Bd. 8) |
| Verlassen..... | 24 (Bd. 19) |
| Wenn der Vater | 106 (Bd. 26) |
| Wohnungen | 123 (Bd. 15) |
| Zuversicht..... | 84 (Bd. 8), 109 (Bd. 25) |
| Born, Nicolas | |
| Frühlingsgedicht | 54 (Bd. 3), 42 (Bd. 25) |
| Lieber R. | 21 (Bd. 3) |
| Borowiak, Simon | |
| Frühling – Im Übergangsmantel zu singen | 94 (Bd. 12) |
| Herbst – In Verwesung | 95 (Bd. 12), 171 (Bd. 25) |
| Sommer – Sommer-Melancholie | 94 (Bd. 12) |
| Winter – Stadtwinter..... | 97 (Bd. 12) |
| Bossert, Rolf | |
| Foto. Ausbruch eines Gewitters | 42 (Bd. 6), 81 (Bd. 25) |
| Heimweg..... | 61 (Bd. 4), 55(Bd. 25) |
| Lied..... | 62 (Bd. 4) |
| Bossong, Nora | |
| Auszug | 56 (Bd. 21) |
| Dörppflaumen..... | 25 (Bd. 21) |
| Rattenfänger | 11 (Bd. 22) |
| Rolandslied | 105 (Bd. 26) |
| Standort | 115 (Bd. 24), 360 (Bd. 25) |
| Überläufer | 129 (Bd. 27) |
| Böttcher, Bas | |
| Das Privileg..... | 145 (Bd. 24) |
| Zweite Einlassung: Ausgesprochen wirksam!..... | 159 (Bd. 22) |
| Bragi, Einar | |
| Bei der Quelle | 135 (Bd. 8) |
| Herbstvorstellung | 135 (Bd. 8) |
| Braun, Volker | |
| Andres Wachtlied..... | 24 (Bd. 18) |
| Das gebremste Leben..... | 28 (Bd. 4) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| Das Gleichgewicht | 94 (Bd. 22) |
| Das innerste Afrika..... | 26 (Bd. 4) |
| Der Drachensegler..... | 53 (Bd. 7) |
| Der Frieden..... | 30 (Bd. 4) |
| Der Totenhügel | 127 (Bd. 17) |
| Die dunklen Orte | 70 (Bd. 7) |
| Die Erde wird rot..... | 59 (Bd. 14) |
| Die sächsische Flut 2002 | 69 (Bd. 21), 312 (Bd. 25) |
| Die verhinderte Lesung auf dem Vilm..... | 123 (Bd. 21) |
| Ende Oktober im August | 42 (Bd. 11), 155 (Bd. 25) |
| Kein Weltbewusstsein..... | 199 (Bd. 25) |
| Marlboro is Red. Red is Marlboro..... | 59 (Bd. 14) |
| Material XIII: Benjamin in den Pyrenäen..... | 85 (Bd. 7) |
| Material XVI: Strafkolonie..... | 106 (Bd. 16) |
| Shakespeare-Shuttle..... | 31 (Bd. 20) |
| Tagtraum..... | 38 (Bd. 7), 96 (Bd. 25) |
| Totentänze | 110 (Bd. 19) |
| Braun / Buselmeier, Michael / Michael | |
| Nur wenige erreichen Malta | 147 (Bd. 14) |
| Breidenich, Markus | |
| Cold Play..... | 44 (Bd. 27) |
| Breier, Christel | |
| Paßt die Welt drunter | 72 (Bd. 12) |
| Stern | 72 (Bd. 12) |
| Tod der Mutter | 72 (Bd. 12) |
| Bremen, Sybille von | |
| Kinderszenen | 108 (Bd. 10) |
| Brendel, Alfred | |
| Als die künstlichen Menschen | 59 (Bd. 17) |
| Immergrün | 139 (Bd. 18) |
| Möchten Sie nicht..... | 103 (Bd. 16) |
| Ode | 140 (Bd. 18) |
| Ohröffel..... | 29 (Bd. 19) |
| Plötzlich ist es einfach geworden | 113 (Bd. 23) |
| Trompe-l'œil | 103 (Bd. 22) |
| Wir wollen nun | 72 (Bd. 20) |
| Zwischen den Klaviertasten..... | 110 (Bd. 20) |
| Brenner, Steffen | |
| fermats letzter tango | 99 (Bd. 20) |
| Bresemann, Tom | |
| stellt angestellte aus | 91 (Bd. 27) |
| Breytenbach, Breyten | |
| Dichtung ist | 51 (Bd. 13) |
| Brischke, Lars-Arvid | |

| | |
|--|--------------|
| elternhaus, elektrotechnisch..... | 67 (Bd. 23) |
| nebel schwaben überm dinkelacker | 158 (Bd. 26) |
| totentanz j.w.m..... | 149 (Bd. 27) |
| Brôcan, Jürgen | |
| («All that Glory in the Heavens to Glean») | 29 (Bd. 22) |
| Affinität zu Plätzten, zu Stellen..... | 130 (Bd. 24) |
| Der alte Bahndamm | 58 (Bd. 21) |
| Die Decke..... | 213 (Bd. 27) |
| Ein Morgen Einsamkeit..... | 77 (Bd. 23) |
| Im richtigen Augenblick..... | 97 (Bd. 20) |
| Brockes, Barthold Hinrich | |
| Neue Erd-Beschreibung | 75 (Bd. 10) |
| Brodsky, Joseph | |
| Infinitiv | 83 (Bd. 13) |
| Brügger, Ulrike | |
| Das lyrische Ich | 153 (Bd. 23) |
| Die Bedingung | 77 (Bd. 27) |
| sommerkollektion..... | 76 (Bd. 27) |
| Brunner, Helwig | |
| Der Hase | 58 (Bd. 21) |
| Gedicht, offen/dicht | 146 (Bd. 24) |
| Versäumnis, Wort & Bild | 148 (Bd. 23) |
| Buchacker, Winand | |
| Auferstehung | 165 (Bd. 1) |
| Buchwald, Christoph | |
| 2 Anmerkungen zur Poetologie..... | 147 (Bd. 8) |
| 3 abschließende Notizen..... | 131 (Bd. 7) |
| Abschließende Notizen | 109 (Bd. 3) |
| Abschließende Notizen I | 111 (Bd. 2) |
| Alle Jahre wieder..... | 148 (Bd. 14) |
| Anmerkung | 129 (Bd. 11) |
| Auch Ventile sind Präzisionsinstrumente | 142 (Bd. 22) |
| Auswahl & Co | 126 (Bd. 20) |
| Dank. Abspann..... | 142 (Bd. 10) |
| Der 25. Band - Ein Zwiegespräch..... | 371 (Bd. 25) |
| Drei Nachbemerkungen | 150 (Bd. 21) |
| Editorische Anmerkung | 160 (Bd. 9) |
| Editorische Notiz..... | 114 (Bd. 13) |
| Editorische Notiz..... | 149 (Bd. 15) |
| Fundstücke & Fragen..... | 230 (Bd. 27) |
| II Editorisches Düdellütt! | 146 (Bd. 18) |
| II. Die Qual der Wahl ist nicht die Wahl der Qual..... | 198 (Bd. 26) |
| II. Lauter Fragen | 186 (Bd. 24) |
| II. Viererlei | 188 (Bd. 23) |

| | |
|---|--------------------------|
| Nachbemerkung zu den Rand-Notizen..... | 147 (Bd. 19) |
| Neun Nachbemerkungen | 135 (Bd. 16) |
| Vierte Einlassung: Neun Handreichungen zum Umgang mit Gedichten | 174 (Bd. 22) |
| Buchwald / Erb, Christoph / Elke | |
| Jahrbuch-Arbeitsphasen | 130 (Bd. 6) |
| Buchwald / Hartung, Christoph / Harald | |
| Nachwort..... | 197 (Bd. 1) |
| Buchwald / Krechel, Christoph / Ursula | |
| Abschließende Notizen | 128 (Bd. 5) |
| Buchwald / Laschen, Christoph / Gregor | |
| Abschließende Notizen | 134 (Bd. 4) |
| Buchwald / Schrott, Christoph / Raoul | |
| Editorische Notiz..... | 149 (Bd. 17) |
| Bulla, Hans Georg | |
| büro am see..... | 24 (Bd. 1) |
| Elbufer, Notiz | 61 (Bd. 11) |
| Nachtgarten | 63 (Bd. 16) |
| zunehmende dunkelheit..... | 139 (Bd. 1) |
| Buselmeier, Michael | |
| »Auf, auf, Lenau!« | 112 (Bd. 4) |
| Abschied von einem Genossen | 103 (Bd. 10) |
| Abschied von Günter Steffens | 43 (Bd. 7) |
| An einige Besucher des Akademischen Lesesaals..... | 68 (Bd. 2), 29 (Bd. 25) |
| Auf dem Küchenboden | 30 (Bd. 18) |
| Aus der Hand | 63 (Bd. 24) |
| Brief | 101 (Bd. 3), 129 (Bd. 7) |
| Briefe, Notizen..... | 120 (Bd. 5) |
| Bring mir den Kopf | 143 (Bd. 1) |
| Dante deutsch: Die Läuterung..... | 156 (Bd. 27) |
| Der Koffer, die Blüten | 37 (Bd. 3) |
| Der Rest | 47 (Bd. 8) |
| Die Fische von Ferrara..... | 48 (Bd. 6) |
| Die Helden gehen vorzeitig | 17 (Bd. 16) |
| Die Sprache der Vögel | 206 (Bd. 25) |
| Entwurf für ein Monument | 77 (Bd. 15) |
| Erzählte Geschichte | 35 (Bd. 21) |
| Grabungen | 91 (Bd. 17) |
| Hotel de Cluny | 45 (Bd. 1) |
| Kriegsgrube | 10 (Bd. 20) |
| Küchengedicht | 175 (Bd. 1) |
| Laurins Garten | 88 (Bd. 5) |
| Lied des Leichenwäschers auf dem Judenfriedhof | 106 (Bd. 9) |
| Mitte des Lebens | 44 (Bd. 7) |
| Mitten im Wein | 56 (Bd. 3) |

| | |
|--|---------------------------|
| NadelWortTod | 46 (Bd. 8) |
| Niederer Fläming | 137 (Bd. 23) |
| Nigeria | 22 (Bd. 26) |
| Perugia | 80 (Bd. 11) |
| Rebhuhnstunde | 38 (Bd. 3), 43 (Bd. 25) |
| Rhododendron..... | 81 (Bd. 9) |
| Stromboli..... | 30 (Bd. 12) |
| Wachgeträumt..... | 111 (Bd. 4) |
| White Priest | 82 (Bd. 19) |
| Buselmeier / Braun, Michael / Michael | |
| Nur wenige erreichen Malta | 147 (Bd. 14) |
| C | |
| Campert, Remco | |
| Immer Stalingrad..... | 117 (Bd. 5) |
| Irgendwo Stalingrad | 116 (Bd. 5) |
| Poesie ist ein Akt..... | 88 (Bd. 13), 180 (Bd. 25) |
| Canelo, Pureza | |
| Die langsamten Stunden..... | 110 (Bd. 12) |
| Herein der Mond und schreibe..... | 58 (Bd. 13) |
| Ich sehe was, was du nicht siehst | 108 (Bd. 12) |
| Carmi, T. | |
| Am Stein der Verluste..... | 134 (Bd. 9) |
| Im Azma'ut Park | 135 (Bd. 9) |
| Carpelan, Bo | |
| Als ich jünger war | 94 (Bd. 13), 181 (Bd. 25) |
| Castro, Luisa | |
| Der Esel | 122 (Bd. 12) |
| Cerrato, Laura | |
| Wörter im Spiegel (39) | 134 (Bd. 14) |
| Wörter im Spiegel (41) | 134 (Bd. 14) |
| Wörter im Spiegel (6) | 133 (Bd. 14) |
| Chalfi, Rahel | |
| Wetterfahne-im-Hirn-Blues..... | 137 (Bd. 9) |
| Wie das wartende Feld..... | 136 (Bd. 9) |
| Cheng, Gu | |
| Biographisches ferngeschrieben..... | 124 (Bd. 10) |
| Weidengefäß..... | 123 (Bd. 10) |
| Christa, Heike | |
| preisbachtal | 82 (Bd. 23) |
| Christensen, Inger | |
| Die Bühne – Konnexitäten | 62 (Bd. 13) |
| irgendwo werde ich | 110 (Bd. 7) |
| Clarke, Gillian | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| Der Windpark | 109 (Bd. 11) |
| Nachbarn | 110 (Bd. 11) |
| Claudius, Matthias | |
| Der Mensch | 67 (Bd. 10) |
| Claus, Carlfriedrich | |
| Antikontemplative Meditation | 94 (Bd. 6) |
| Aspekt der Wachheit..... | 55 (Bd. 6) |
| Asrael..... | 127 (Bd. 22) |
| Dichter | 71 (Bd. 13), 182 (Bd. 25) |
| Entstehung einer Denklandschaft | 102 (Bd. 7), 97 (Bd. 25) |
| Erwachendes Sensorium der Nacht | 108 (Bd. 5) |
| in der rinde | 131 (Bd. 22) |
| Kara-te Blickbewegungen; 3..... | 104 (Bd. 7) |
| l m | 132 (Bd. 22) |
| melos | 130 (Bd. 22) |
| nebel | 129 (Bd. 22) |
| Nicola Tesla..... | 75 (Bd. 6) |
| Notiz des Todes..... | 105 (Bd. 4) |
| Rschärk | 126 (Bd. 22) |
| Skizze | 128 (Bd. 22) |
| Zeichen; ihr operativer Sinn | 103 (Bd. 7) |
| Cófreces, Javier | |
| Der Fluß Luján I-II | 141 (Bd. 14) |
| Cojocaru, Mara-Daria | |
| Fetiña in der Wunderkammer | 15 (Bd. 27) |
| Collins, Billy | |
| Dharma | 107 (Bd. 18) |
| Costa Vallés, Magdalena | |
| Poem 8 | 122 (Bd. 12) |
| Cotton, Ann | |
| Sestine..... | 171 (Bd. 26) |
| Crauss, | |
| oszla..... | 92 (Bd. 27) |
| Curnow, Allen | |
| Er brach ein Wort | 79 (Bd. 13) |
| Cusanit, Kenah | |
| es lohnt sich nicht, mutter..... | 131 (Bd. 27) |
| noch behalten..... | 130 (Bd. 27) |
| Czechowski, Heinz | |
| Augustusweg | 21 (Bd. 21) |
| Brief an Laurencia Voltaires | 76 (Bd. 6) |
| Das Verschwinden..... | 89 (Bd. 22) |
| Der Mensch als Schöpfer seiner selbst .. | 50 (Bd. 21) |
| Der schöne Tag | 88 (Bd. 6) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|----------------------------|
| Die Nachwelt | 93 (Bd. 19), 276 (Bd. 25) |
| Die Steppe | 26 (Bd. 6) |
| Die Vergessenen | 179 (Bd. 26) |
| Die Wewelsburg | 23 (Bd. 21) |
| Eichelborn | 90 (Bd. 22) |
| Elbwiesen | 68 (Bd. 18) |
| Engel | 105 (Bd. 8) |
| Ferner Osten | 71 (Bd. 6) |
| Fiktion | 89 (Bd. 7) |
| Gartenszene | 19 (Bd. 21) |
| Gedichte kommen oder kommen nicht | 90 (Bd. 7) |
| Industrieviertel P | 124 (Bd. 9) |
| Inspiration | 73 (Bd. 6) |
| Kleine Poetologie | 110 (Bd. 8) |
| Lautlos | 121 (Bd. 15) |
| Neruda | 21 (Bd. 24) |
| Schöne Aussicht in Zscheiplitz | 25 (Bd. 19) |
| Spätsommer | 74 (Bd. 11) |
| Zu Mickel | 73 (Bd. 24) |
| Zuendgelebt Zuendgenarrt | 111 (Bd. 9) |
| Czernin, Franz Josef | |
| auf der schwelle 1 (erde, sonett) | 133 (Bd. 17), 241 (Bd. 25) |
| auf der schwelle 2 (erde, sonett) | 134 (Bd. 17) |
| da dies ist schal mir | 20 (Bd. 15) |
| mein aug mit dem verschwimmt | 18 (Bd. 15), 213 (Bd. 25) |
| wie ich ins wasser greife tief | 19 (Bd. 15) |
| wolken, weiden | 63 (Bd. 18) |
| Zeignis | 103 (Bd. 5) |
| D | |
| Dahl, Edwin Wolfram | |
| Sisyphos | 81 (Bd. 1), 12 (Bd. 25) |
| Touristik Praha | 51 (Bd. 1) |
| Dang, Ding | |
| Oktober | 128 (Bd. 10) |
| Unzeitgemäße Liebe | 129 (Bd. 10) |
| Danz, Daniela | |
| Gabriel zu Maria | 18 (Bd. 24) |
| Westbank 1 | 152 (Bd. 27) |
| Dao, Bei | |
| Die Geschichte eines Morgens | 120 (Bd. 10) |
| Februar | 17 (Bd. 13) |
| Prag | 119 (Bd. 10) |
| Sammlung | 120 (Bd. 10) |

| | |
|---|--------------|
| Davies, Hilary | |
| Tattoo im Gefangenengelager | 111 (Bd. 11) |
| Davis, Olena Kalytiak | |
| Six Apologies, Lord..... | 133 (Bd. 19) |
| Deckert, Renatus | |
| 13. August | 79 (Bd. 24) |
| Abgang..... | 27 (Bd. 24) |
| Winterreise | 142 (Bd. 23) |
| Degenhardt, Franz Josef | |
| Denkbar ist aber auch immer noch | 64 (Bd. 2) |
| Deguy, Michel | |
| Gedicht für einen Dichter | 74 (Bd. 13) |
| Delius, Friedrich Christian | |
| Abschied von Willy | 52 (Bd. 14) |
| Besuch der Vorfahren | 157 (Bd. 1) |
| Chinesisch essen | 166 (Bd. 1) |
| Den Spieß herum!..... | 53 (Bd. 14) |
| Fünfter Gang Ojj-Beek..... | 24 (Bd. 3) |
| Legende vom Bartholomäus | 70 (Bd. 2) |
| Mann im Flughafen | 70 (Bd. 5) |
| Marianne H. 1945..... | 67 (Bd. 3) |
| Rush Lake Motel, Schwerkraft des Augenblicks..... | 19 (Bd. 13) |
| Stromausfall..... | 165 (Bd. 1) |
| Südlich von Wolfsburg | 21 (Bd. 1) |
| Demuth, Volker | |
| Tübingen, Gehirne..... | 38 (Bd. 22) |
| Deppert , Fritz | |
| Briefe, Notizen..... | 120 (Bd. 5) |
| Herbstsympathisant | 26 (Bd. 1) |
| Lektorenbeschimpfung..... | 130 (Bd. 7) |
| Nachlaßgedanken | 175 (Bd. 1) |
| Sentimentale Geschenke | 82 (Bd. 1) |
| Derschau, Christoph | |
| Apfelwein süß gespritzt..... | 55 (Bd. 2) |
| Detering, Heinrich | |
| Schneekugel..... | 82 (Bd. 21) |
| Dietrich, Wolfgang | |
| Abendlied | 127 (Bd. 4) |
| Gott, heb den hellen Himmelshelm vom Kopf..... | 124 (Bd. 4) |
| Rede an Gott als ein fliegendes Schwein..... | 130 (Bd. 4) |
| Wenn sich dann erhebt..... | 79 (Bd. 6) |
| Disch, Tom | |
| What Else Is There | 108 (Bd. 18) |
| Dittberner, Hugo | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|-------------------------|
| Aufzeichnungen | 26 (Bd. 9) |
| Das Muster | 33 (Bd. 6) |
| Der Genosse | 35 (Bd. 7) |
| Dialogschleife | 52 (Bd. 20) |
| Doktor Williams | 82 (Bd. 12) |
| Ein Bild | 104 (Bd. 5) |
| Ein Georg | 33 (Bd. 10) |
| Im Frühtau | 208 (Bd. 27) |
| Kladdentag | 48 (Bd. 15) |
| Mit dem Rücken studieren | 40 (Bd. 4) |
| Nachricht | 78 (Bd. 22) |
| Nicht an den Namen | 35 (Bd. 19) |
| Ohne seinen Ranzen | 72 (Bd. 17) |
| Sommer | 87 (Bd. 16) |
| Domaścyna, Róża | |
| Dein Ich ist fremd, hat kein Gesicht | 75 (Bd. 14) |
| Eine person sehen | 120 (Bd. 19) |
| Ich kenne keine fremde sprache | 71 (Bd. 27) |
| ich streute mir brot aufs salz | 43 (Bd. 24) |
| Poemus Orfeusz | 105 (Bd. 20) |
| singstimme im sellerie | 49 (Bd. 18) |
| stärkst dir die knochen mit salz | 71 (Bd. 22) |
| Was tun | 123 (Bd. 23) |
| Zaungucker | 74 (Bd. 14) |
| Zirkulare | 121 (Bd. 19) |
| Donhauser, Michael | |
| Der Morgen | 14 (Bd. 7), 98 (Bd. 25) |
| Der Schrank | 15 (Bd. 7) |
| Dor, Moshe | |
| Du hast recht, weißt du | 139 (Bd. 9) |
| Tasmanien | 138 (Bd. 9) |
| Döring, Stefan | |
| »faulheit, bleichheit, liederlichkeit« | 64 (Bd. 6) |
| der idealisierte wilde | 37 (Bd. 5), 68 (Bd. 25) |
| die bauten hielten nicht | 99 (Bd. 6) |
| erfühlung | 38 (Bd. 6) |
| ich fühlle mich in grenzen wohl | 73 (Bd. 3) |
| postkarte | 83 (Bd. 26) |
| von der hand in den hund | 28 (Bd. 5) |
| zum schreiben | 183 (Bd. 26) |
| Dorn, Anne | |
| ... traf dich der Blitz | 63 (Bd. 26) |
| Blutsverwandtschaft | 19 (Bd. 20) |
| Bouillabaisse | 85 (Bd. 21) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| Brautzug..... | 126 (Bd. 18) |
| Furcht und Trost..... | 124 (Bd. 17) |
| Hannas Fest | 52 (Bd. 24) |
| hohe Zeit | 119 (Bd. 22) |
| Im Traum | 105 (Bd. 16) |
| Partitur eines südlichen Februarartages..... | 41 (Bd. 27) |
| Plötzlich | 103 (Bd. 23) |
| Rauhnächte | 51 (Bd. 18) |
| Schritt vor Schritt | 24 (Bd. 19), 275 (Bd. 25) |
| Dove, Richard | |
| »Schillers Ästhetische Schriften«..... | 69 (Bd. 22) |
| Beim öffnen von Byrons gruft | 140 (Bd. 21) |
| Draesner, Ulrike | |
| bin mein eigener zoo..... | 41 (Bd. 18) |
| Das Herz – ein Parasit..... | 95 (Bd. 14) |
| formation fontanelle | 42 (Bd. 22) |
| fruchtbarkeitsmarabout, storchbesät | 155 (Bd. 23) |
| hiddenseen, südstrand, die kämpfenden vögel | 101 (Bd. 17) |
| op | 119 (Bd. 19) |
| pflanzstätte | 94 (Bd. 14) |
| unruh..... | 17 (Bd. 27) |
| verwandlung | 71 (Bd. 20) |
| von grammistik | 62 (Bd. 21) |
| weißt du denn | 18 (Bd. 27) |
| Wonsense-Gedicht 1 | 94 (Bd. 26) |
| Wonsense-Gedicht 2..... | 95 (Bd. 26) |
| Drawert, Kurt | |
| Geld & Gedichte | 106 (Bd. 20) |
| Leicht..... | 105 (Bd. 19) |
| Naturgedicht | 85 (Bd. 23) |
| Nichts Besonderes | 76 (Bd. 8) |
| Polen in Briefen – und wie geht es in Deutschland? | 62 (Bd. 17) |
| Subjekt 1 & 2 | 118 (Bd. 20) |
| Terzinen, am Ende unentschlossen..... | 46 (Bd. 9) |
| Vom Ende der Poesie | 162 (Bd. 23) |
| Vom Gehen, und vom Zurückbleiben..... | 36 (Bd. 8) |
| Was passiert morgen?..... | 11 (Bd. 19) |
| Dückers, Tanja | |
| Hin und Her (Tod des Schwiegervaters) | 134 (Bd. 27) |
| Dugdale, Norman | |
| Weihnachten daheim | 123 (Bd. 11) |
| Duhamel, Denise | |
| The Difference Between Pepsi and Pope..... | 109 (Bd. 18) |
| Duo, Duo | |

| | |
|--|----------------------------|
| Die einfältige Tochter | 127 (Bd. 10) |
| September | 127 (Bd. 10) |
| Dürren, Andreas van | |
| 8. März, 1987..... | 42 (Bd. 7) |
| Brief..... | 144 (Bd. 8) |
| Der Abgeschiedene..... | 73 (Bd. 8) |
| Die Erscheinungen | 72 (Bd. 4) |
| Herbst 1826 | 109 (Bd. 5) |
| Studie für zwei Figuren..... | 111 (Bd. 6) |
| Wenn man aufhört zu zählen | 64 (Bd. 4) |
| Dürrson, Werner | |
| C + M + B | 103 (Bd. 19) |
| Nepomuk..... | 92 (Bd. 9) |
| E | |
| Eckart, Gabriele | |
| Adieu Land..... | 64 (Bd. 8) |
| Die Bilder verlöschen | 60 (Bd. 9) |
| Ich gehe an der Unstrut | 64 (Bd. 7) |
| In Oregon | 64 (Bd. 8) |
| Kreis Gadebusch | 64 (Bd. 7) |
| Noch einmal zu Hause | 108 (Bd. 6) |
| Was über mich hinwegkriecht im Sand..... | 101 (Bd. 22), 325 (Bd. 25) |
| Ecker, Christopher | |
| hat es über | 144 (Bd. 18), 257 (Bd. 25) |
| Edgar, Christopher | |
| Birthday | 131 (Bd. 19) |
| EGGEBRECHT, Jürgen | |
| Alter..... | 94 (Bd. 1) |
| Nachts | 99 (Bd. 1) |
| Sanfte Begierde..... | 41 (Bd. 2) |
| Schauhaus..... | 40 (Bd. 2) |
| Wandteppich..... | 55 (Bd. 1) |
| Egger, Oswald | |
| (2 von 153) Mutterwutblumen | 96 (Bd. 17) |
| (Stumm) | 60 (Bd. 20) |
| Areale Areale..... | 60 (Bd. 18) |
| Illyrische Lieder und Kolonien | 122 (Bd. 24) |
| Land, Striche, Schnitte | 63 (Bd. 16) |
| Sana'a..... | 38 (Bd. 19), 79 (Bd. 19) |
| Selbstrasur | 184 (Bd. 26) |
| Unfuge («Moissonneuse»)..... | 146 (Bd. 21) |
| Ehrensperger, Serge | |
| Es wird eine Zeit kommen..... | 68 (Bd. 17) |

Eich, Clemens

| | |
|------------------------|--------------|
| Die Verlängerung | 105 (Bd. 17) |
| Georgien..... | 107 (Bd. 17) |
| Tag Weg Wind..... | 106 (Bd. 17) |

Eichwald, Michaela

| | |
|-------------------------|--------------|
| Ode an die Hummeln..... | 126 (Bd. 26) |
|-------------------------|--------------|

Eigner, Gerd-Peter

| | |
|----------------------|-------------|
| Schiefe Haltung..... | 119 (Bd. 6) |
| Weltende | 92 (Bd. 5) |

Einhorn, Hinnerk

| | |
|-----------------------------------|---------------------------|
| Adams heile Welt | 24 (Bd. 26) |
| Es war ein heller Sommertag | 82 (Bd. 22) |
| Ich hab mein Lehen | 81 (Bd. 22) |
| Krüpelsee-Idyll | 104 (Bd. 10) |
| Lebenslauf, möbliert..... | 44 (Bd. 18), 258 (Bd. 25) |

Eisendle, Helmut

| | |
|------------------------|------------|
| Alles von mir | 99 (Bd. 3) |
| Die Lust am Text | 99 (Bd. 2) |

Ekier, Jakub

| | |
|---|--------------|
| Einmal..... | 104 (Bd. 18) |
| Reisender..... | 104 (Bd. 18) |
| Stunden mit dem Fenster zur Wiese | 104 (Bd. 18) |

Eliasson, Gyrdir

| | |
|-----------------|-------------|
| Erfahrung | 139 (Bd. 8) |
| Espresso | 140 (Bd. 8) |
| Scheving..... | 138 (Bd. 8) |
| Warnung..... | 139 (Bd. 8) |

Elze, Carl-Christian

| | |
|------------------|--------------|
| es ist | 14 (Bd. 26) |
| hölle..... | 187 (Bd. 27) |
| spaziergang..... | 39 (Bd. 27) |

Endler, Adolf

| | |
|---------------------------------|--------------|
| Advent am Teutoburger Wald..... | 48 (Bd. 4) |
| Altersweisheiten..... | 16 (Bd. 20) |
| Beendete Station / Blues | 14 (Bd. 16) |
| Blitzschnell..... | 126 (Bd. 23) |
| Briefe, Notizen..... | 120 (Bd. 5) |
| Chamber Music..... | 29 (Bd. 26) |
| Chanson Zwo..... | 19 (Bd. 6) |
| Das Kreuzchen..... | 135 (Bd. 21) |
| Das rettende Auch | 124 (Bd. 18) |
| Die Expedition | 115 (Bd. 16) |
| Ein Dialog | 25 (Bd. 10) |
| Ein Marschliedel | 100 (Bd. 6) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Es geschah in Berlin | 79 (Bd. 3), 44 (Bd. 25) |
| Ferner; Näher | 133 (Bd. 18) |
| Fundgegenstände | 72 (Bd. 3) |
| Fünf Haikus | 42 (Bd. 12) |
| Geständnis | 26 (Bd. 5), 69 (Bd. 25) |
| Im Pamir (II) | 77 (Bd. 8) |
| Im Pamir (V) | 78 (Bd. 8), 110 (Bd. 25) |
| Immer wieder was Neues | 32 (Bd. 7) |
| In die Radler-Robe des Ohms gekleidet | 26 (Bd. 5) |
| In diesem Sommer | 30 (Bd. 10) |
| Memoire | 96 (Bd. 11), 156 (Bd. 25) |
| Nachdenken über die Lesergemeinde | 146 (Bd. 8) |
| Oh ihr grübelnden unterirdischen Paradiesvögelein | 24 (Bd. 10) |
| Rand-Notizen | 145 (Bd. 19) |
| Reklame für Adolf Endler | 82 (Bd. 12) |
| René Char folgend | 27 (Bd. 26) |
| Resumé | 9 (Bd. 16), 226 (Bd. 25) |
| Schlimmes Auge | 28 (Bd. 26) |
| Suchanzeige | 24 (Bd. 10) |
| Wiedererweckung | 37 (Bd. 11) |
| Winterreise | 71 (Bd. 4) |
| Zwei Epigraphe/Nach Pound | 115 (Bd. 20) |
| Engel, Peter | |
| Die Sprache der Yagan | 26 (Bd. 2) |
| Historischer Moment | 161 (Bd. 27) |
| Offenbarungseid | 177 (Bd. 26) |
| Schwankende Antennen | 48 (Bd. 23) |
| Tagebuchseite aus dem Januar 80 | 33 (Bd. 2) |
| Enzensberger, Hans Magnus | |
| Abgesehen davon | 17 (Bd. 4) |
| Alte Revolution | 19 (Bd. 14) |
| Altes Medium | 30 (Bd. 13) |
| Der enttäuschte Revolutionär | 20 (Bd. 14) |
| Die Dreieinhalbjährige | 14 (Bd. 3) |
| Vor dem Techno und danach | 87 (Bd. 19) |
| Enzensperger, Manfred | |
| in den orten | 80 (Bd. 21) |
| oostende again | 159 (Bd. 26) |
| Erb, Elke | |
| Abschied | 43 (Bd. 21) |
| Ach dieses Blatt | 17 (Bd. 7) |
| ansage | 37 (Bd. 6) |
| Beginnen | 68 (Bd. 3) |
| Berlin, Randzonen | 31 (Bd. 6) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Branchen-Fernsprech-Flug | 127 (Bd. 9) |
| Briefe, Notizen | 120 (Bd. 5) |
| Bürgersinn | 41 (Bd. 4) |
| Cornelis van der Geest (Kopf und Kragen)..... | 172 (Bd. 27) |
| Das Gefühl des Gewinns | 22 (Bd. 13) |
| Das Thema startet. Zum Thema Gesellschaft – Isoldes stechender Blick..... | 66 (Bd. 5) |
| Dem Freund hinters Ohr..... | 106 (Bd. 8) |
| Ein gebratenes Reh imaginär | 35 (Bd. 12) |
| Einseitig | 38 (Bd. 18) |
| Erwachsenheit..... | 33 (Bd. 7) |
| Fern im März | 72 (Bd. 19) |
| Fluchtpunkt..... | 70 (Bd. 4) |
| Freunde hin, Freunde her | 115 (Bd. 8) |
| Gedanken im Fluge..... | 16 (Bd. 7) |
| Gruß..... | 43 (Bd. 6) |
| Handeln lies als: | 50 (Bd. 16) |
| In zwanzig Jahren..... | 102 (Bd. 15) |
| Kornblume, Mutterkorn, Klatschmohn | 82 (Bd. 11) |
| Kunstblume | 14 (Bd. 2) |
| Ladies betreffend..... | 80 (Bd. 27) |
| Leib | 115 (Bd. 26) |
| Nachgeraunt..... | 44 (Bd. 8) |
| Nämlich..... | 48 (Bd. 20) |
| Nein | 104 (Bd. 22) |
| Ohne Titel | 81 (Bd. 23), 346 (Bd. 25) |
| Prometheus steinalt..... | 44 (Bd. 8) |
| Raschelndes Schlichtes | 94 (Bd. 17) |
| Schlamm | 19 (Bd. 4) |
| Sequenz..... | 128 (Bd. 26) |
| Sie hat braune Augen..... | 115 (Bd. 4) |
| Sklavensprache | 50 (Bd. 2) |
| Sommer in Berlin | 71 (Bd. 2) |
| Ständchen | 41 (Bd. 9) |
| Über das Wiederlesen des Lyrik-Jahrbuchs 1986..... | 92 (Bd. 25) |
| Über den Winter | 93 (Bd. 11) |
| Unschuld, du Licht meiner Augen!..... | 36 (Bd. 12) |
| Voraussetzung..... | 55 (Bd. 19) |
| Waldrand..... | 71 (Bd. 4) |
| Waren und exakt | 58 (Bd. 18) |
| Wie seit 30 Jahren | 47 (Bd. 20) |
| Wohnzimmer | 40 (Bd. 16), 227 (Bd. 25) |
| Zornreflex auf das Gerede vom Riß durch die Welt..... | 80 (Bd. 5), 70 (Bd. 25) |
| Erb / Buchwald, Elke / Christoph | |
| Jahrbuch-Arbeitsphasen | 130 (Bd. 6) |

Erb / Jetze / Struzyk, Elke / Franz Christoph /

Ob und in welchem Falle die seichte Beackerung des Bodens der tiefen oder 38 (Bd. 5)

Eschmann, Ernst Wilhelm

Aus den Pasolini-Gedichten..... 181 (Bd. 1)

Naturpark 75 (Bd. 4)

Exner, Richard

Grenzgang 63 (Bd. 9)

F

Fabian, Matthias

Ein psychiatrischer Spaziergang..... 100 (Bd. 1)

Falb, Daniel

als du über den schlitten 139 (Bd. 23)

Falberg, Tobias

ost..... 78 (Bd. 24)

Paragraf über Fertighäuser..... 103 (Bd. 27)

Über dem Blechwald 150 (Bd. 26)

Falkner, Gerhard

Blauer Himmel..... 64 (Bd. 18)

Die bei Pink Floyd..... 100 (Bd. 2)

Die Neubuckel-Sequenz..... 164 (Bd. 23)

die sieger 40 (Bd. 7)

Die Weltmeister 15 (Bd. 13)

gedichtbau & normalzeit 55 (Bd. 4)

halsüberkopf 44 (Bd. 2)

hungiges frühjahr 81 (Bd. 5)

In Grüningen. Nichts wie Schmerzen..... 14 (Bd. 18)

Notdienst..... 130 (Bd. 17)

Reden und Schweigen in Pankow..... 68 (Bd. 22)

schwarz/rot/gold..... 105 (Bd. 9)

sieben geliebte 40 (Bd. 9)

Sommer, so sagen alle..... 65 (Bd. 18)

über sichtbarkeit und unsichtbarkeit von sehnsucht..... 39 (Bd. 8)

wo menschen sind, ist paranoia..... 54 (Bd. 4)

zwei zu eins 91 (Bd. 9)

zweitzueins 75 (Bd. 7)

Färber, Thomas

Milder Winter 61 (Bd. 21)

Faverey, Hans

Fläche, bewohnt noch 114 (Bd. 5)

Feaver, Vicki

Anna die Javanerin 123 (Bd. 11)

Fels, Ludwig

»The Day That Lassie Went To The Moon«..... 59 (Bd. 9)

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|--------------------------|
| 1980..... | 16 (Bd. 3) |
| Ach, wirklich | 75 (Bd. 26) |
| Adlernebel | 78 (Bd. 22) |
| An die Menschen..... | 50 (Bd. 9) |
| Atemlos..... | 73 (Bd. 20) |
| Autobiographie | 105 (Bd. 10) |
| Biergedicht | 38 (Bd. 2) |
| Cabo Verde..... | 27 (Bd. 15) |
| Deutsche Gedichte..... | 137 (Bd. 21) |
| Die Insel Tcheqla Manzo | 124 (Bd. 24) |
| Die Wahrheit | 73 (Bd. 12) |
| Dieser Tag heute | 73 (Bd. 12) |
| Ein Geier im Garten..... | 97 (Bd. 5) |
| Fall herunter Himmel du | 91 (Bd. 5) |
| Fetzen Papier | 57 (Bd. 16) |
| Gestern gestorben..... | 122 (Bd. 27) |
| Guten Morgen..... | 95 (Bd. 11) |
| Guten Morgen blaues Fenster | 33 (Bd. 16) |
| Höflichkeit..... | 27 (Bd. 6) |
| Irre..... | 92 (Bd. 1) |
| Keine Kraft | 38 (Bd. 2) |
| Liebe Mutter | 70 (Bd. 6) |
| Liebesgedicht an ein paar Intellektuelle | 68 (Bd. 2) |
| Monduntergang | 75 (Bd. 3) |
| Morgen in der S-Bahn..... | 106 (Bd. 10) |
| Nun ruhet sanft, ihr Schweine und ihr Affen | 63 (Bd. 2) |
| Ode auf einen großen, alten, nackten Frauenarsch | 88 (Bd. 4) |
| Passauer Witterung..... | 65 (Bd. 8) |
| Plot | 128 (Bd. 19) |
| Rechenschaftsbericht 79..... | 109 (Bd. 1) |
| Schwur | 45 (Bd. 3), 45 (Bd. 25) |
| Sieben Wolken | 104 (Bd. 17) |
| Talking Blues..... | 42 (Bd. 21) |
| Theatergedicht..... | 71 (Bd. 1) |
| Tod und Reisen..... | 36 (Bd. 6) |
| Verrücktes Gedicht | 101 (Bd. 19) |
| Von der Erbauung des Eisbergs | 93 (Bd. 1) |
| Wohin! | 66 (Bd. 8), 111 (Bd. 25) |
| Wunschliste | 76 (Bd. 7) |
| Zehn Jahre später..... | 65 (Bd. 9) |
| Fichtner, Ingrid | |
| August..... | 125 (Bd. 26) |
| Doppelbiegung..... | 124 (Bd. 16) |
| Flexible spaces..... | 124 (Bd. 16) |

| | |
|---|---------------------------|
| I Dreamed of 50 Common Birds | 77 (Bd. 17) |
| Fiebig, Gerald | |
| frankfurt fado (munich bootleg) | 94 (Bd. 27) |
| kreuzworträtsel..... | 138 (Bd. 24) |
| odenströphen (motörhead klopstöck)..... | 86 (Bd. 26) |
| Fienhold, Wolfgang | |
| auf dem großen feldberg | 37 (Bd. 2) |
| Urlaub | 44 (Bd. 1) |
| Filips, Christian | |
| Letztes Gespräch | 114 (Bd. 23) |
| Tickerzeit | 15 (Bd. 26) |
| Fischer, Heinz | |
| Figaros Hochzeit | 68 (Bd. 1) |
| Fischer, Saskia | |
| Naßpressenpartie..... | 182 (Bd. 27) |
| Franzobel | |
| Der traurige Hector..... | 21 (Bd. 20) |
| Die Sonne..... | 85 (Bd. 20) |
| Donner | 49 (Bd. 22) |
| Halbzeit..... | 101 (Bd. 16) |
| Odysseus | 56 (Bd. 18) |
| Samstagabend | 153 (Bd. 24) |
| Vergelts Gott | 29 (Bd. 19) |
| Vorbereitung zur Kastration | 27 (Bd. 19) |
| Frei, Frederike | |
| frauenlob | 75 (Bd. 1) |
| Model Be-Er-De..... | 131 (Bd. 1) |
| wenn ich ein mann wär | 138 (Bd. 1) |
| Fried, Erich | |
| Das steinerne Haus | 18 (Bd. 14) |
| Trakl-Haus, Salzburg | 17 (Bd. 14) |
| Friedel, Swen | |
| Die Sirene..... | 30 (Bd. 23), 347 (Bd. 25) |
| Friesel, Uwe | |
| Leipzig, 13. Arbeiterfestspiele | 156 (Bd. 1) |
| Selbstgespräch | 36 (Bd. 2) |
| Frischmuth, Felicitas | |
| Auf dem Cover..... | 28 (Bd. 18) |
| Impressionen aus St. Wendel..... | 54 (Bd. 1) |
| Fritsch, Werner | |
| Im Faradaykäfig des Jetzt..... | 91 (Bd. 21) |
| Jetzt und hier: Eisvogelteich 2003 auf 2004 | 93 (Bd. 23), 348 (Bd. 25) |
| Wondreb-Variationen | 83 (Bd. 19) |
| Fritz, Walter Helmut | |

| | |
|---|--------------|
| Annette | 37 (Bd. 8) |
| Besuch | 73 (Bd. 11) |
| Die Romanfigur | 106 (Bd. 7) |
| Hans Jürgen Fröhlichs Begräbnis | 102 (Bd. 10) |
| Im Wartesaal..... | 63 (Bd. 12) |
| In der Hafenstadt..... | 65 (Bd. 7) |
| Lebenslauf..... | 96 (Bd. 9) |
| Mandelstam | 26 (Bd. 9) |
| Mit fünfzig | 35 (Bd. 2) |
| Fruth, Michael | |
| An dich zu Hause | 36 (Bd. 1) |
| Münchener U-Bahn, Traumblume | 35 (Bd. 1) |
| Requiem für einen der für sein Auto starb..... | 37 (Bd. 1) |
| Samstag..... | 83 (Bd. 1) |
| Fuchs, Ernst | |
| Nie hat | 79 (Bd. 1) |
| Scarabäus! | 125 (Bd. 1) |
| G | |
| Gabler, Claudia | |
| An den Rändern | 87 (Bd. 27) |
| Ich werde ganz verrückt..... | 86 (Bd. 27) |
| Meine ärmellosen Pullover | 11 (Bd. 26) |
| Wieso schlagen wir unsere Beine übereinander | 10 (Bd. 26) |
| Gahse, Zsuzsanna | |
| Am Berghang..... | 123 (Bd. 18) |
| Gandolfo, Ricardo Ezequiel | |
| Gewürze | 142 (Bd. 14) |
| Wochentage..... | 143 (Bd. 14) |
| Ganglbauer, Petra | |
| Noch tiefer als du | 160 (Bd. 23) |
| Ganz, Niklas | |
| Hand der Erde | 89 (Bd. 23) |
| Gaponenko, Marjana | |
| Annuschka..... | 70 (Bd. 27) |
| Gappmayr, Heinz | |
| rot | 94 (Bd. 15) |
| Garaczi, László | |
| Ansichtskarte aus Halifax..... | 32 (Bd. 17) |
| Garfs, Gudrun | |
| Nachthimmel | 97 (Bd. 20) |
| Gasseleder, Klaus | |
| Fensterbild, Soltau Mühlenweg..... | 40 (Bd. 19) |
| zu späte Erkenntnis über den möglichen Nutzen eines Gedichtbandes | 141 (Bd. 24) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Zugfahrt Schweinfurt-Würzburg im August | 133 (Bd. 23) |
| Gauch, Sigfrid | |
| Morgentod | 45 (Bd. 15) |
| Geerk, Frank | |
| Botschaft | 155 (Bd. 1) |
| Furcht vor Helden | 153 (Bd. 1) |
| Naturwissenschaft | 95 (Bd. 1) |
| Traum | 134 (Bd. 1) |
| Geerken, Hartmut | |
| ogygia. vom ende des südens | 106 (Bd. 22) |
| Geiser, Christoph | |
| der brandstifter | 130 (Bd. 1) |
| grenzgänger mit laufpaß | 102 (Bd. 1) |
| Leichtsinn | 115 (Bd. 1) |
| Geissler, Christian | |
| bloß mal angenommen | 13 (Bd. 3) |
| Das ist aber schön | 21 (Bd. 20) |
| die bewegung der wolken | 77 (Bd. 4) |
| dreh ich mich | 30 (Bd. 6) |
| es ist ein pfahl in meinem fleisch | 76 (Bd. 12) |
| ich komme regelmäßig an | 41 (Bd. 18) |
| Man weiß | 45 (Bd. 21) |
| nachbar, es reicht | 20 (Bd. 16) |
| schlachthausenmüd | 35 (Bd. 11) |
| seit tagen | 53 (Bd. 17) |
| was willst du | 53 (Bd. 17) |
| Geist, Beate | |
| Eine Stadt | 84 (Bd. 11) |
| Spin | 162 (Bd. 26) |
| Geist, Sylvia | |
| Ministerium für Liebe | 150 (Bd. 27) |
| Genschel, Mara | |
| Wolf | 68 (Bd. 27) |
| Gerlach, Harald | |
| Hinter dem breiten Rücken der Antworten | 24 (Bd. 14) |
| Wiedergänger | 24 (Bd. 14) |
| Gernhardt , Robert | |
| A: Der Weiterschreiber – ein Beruf mit Zukunft? | 135 (Bd. 15) |
| Als am 4.4.96 der Winter zurückkehrte | 26 (Bd. 15), 214 (Bd. 25) |
| Annus Mirabilis 1997 | 120 (Bd. 17) |
| Beginn der Sommerzeit 96 | 21 (Bd. 15) |
| Bugs | 137 (Bd. 15) |
| Der ICE hat eine Bremsstörung hinter Karlsruhe | 64 (Bd. 15) |
| Der letzte Gast | 123 (Bd. 14) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| Der Tag des Herrn | 48 (Bd. 18), 259 (Bd. 25) |
| Geh aus mein Herz | 58 (Bd. 24) |
| Großes Montaiseser-Mittags-Verweigerungsgedicht vom 30. Mai 2002 | 83 (Bd. 21) |
| Heia Safari..... | 45 (Bd. 16) |
| Krebsfahrerlied | 41 (Bd. 23) |
| Lied vom Lachen..... | 138 (Bd. 21) |
| Nach Norden..... | 49 (Bd. 20) |
| Sonett vom Ende des Generationenvertrags..... | 102 (Bd. 22) |
| Totengedenken..... | 61 (Bd. 24) |
| Über das Verbessern..... | 11 (Bd. 17) |
| Über den Widerstand | 12 (Bd. 17) |
| Vom Dankopfer | 123 (Bd. 19), 278 (Bd. 25) |
| Vom Wissen ums Sterben | 60 (Bd. 24) |
| Von zweierlei Schweinen..... | 86 (Bd. 23) |
| Was will uns der Mitherausgeber des Jahrbuchs der Lyrik sagen? | 123 (Bd. 12) |
| Gerok, Annette | |
| Süße..... | 113 (Bd. 9) |
| Gerz, Jochen | |
| »Die vergiftete Zunge« | 45 (Bd. 6) |
| Blau oder das wirkliche Leben # 1 | 120 (Bd. 8) |
| Das lebende Monument von Biron | 73 (Bd. 15) |
| Das neue Verlachen 1, 2..... | 93 (Bd. 10) |
| Der goldene Schnitt in Essen 1987 | 118 (Bd. 9) |
| Die Erfindung der Welt # 3 | 99 (Bd. 7) |
| Die heiligen Wörter | 99 (Bd. 5) |
| Die Zeugen. Cahors 1998 | 143 (Bd. 17) |
| Free Adam..... | 63 (Bd. 11) |
| Free Coca Cola..... | 18 (Bd. 11) |
| Free Ezra | 90 (Bd. 11) |
| Free Florence | 27 (Bd. 11) |
| Free Michael..... | 40 (Bd. 11) |
| Gelb oder das wirkliche Leben # 2 | 122 (Bd. 8) |
| Grün oder das wirkliche Leben # 3..... | 124 (Bd. 8) |
| Kann man denn sagen | 108 (Bd. 4) |
| Gimferrer, Pere | |
| Ars poetica | 103 (Bd. 12) |
| Land von Antoni Tàpies | 104 (Bd. 12) |
| Nachtwache | 103 (Bd. 12) |
| Glück, Louise | |
| Vespers | 112 (Bd. 18) |
| Glusgold, Andrej | |
| Schafe | 117 (Bd. 23) |
| Goethe, Johann Wolfgang von | |
| * * * * * | 64 (Bd. 10) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| Das Parzenlied nach Herders Abschrift..... | 73 (Bd. 10) |
| Römische Elegien..... | 68 (Bd. 10) |
| Gomringer, Nora-Eugenie | |
| Anamnesie..... | 113 (Bd. 27) |
| Hündin | 102 (Bd. 26) |
| Göritz, Matthias | |
| Aus einem alten Anzug..... | 69 (Bd. 24), 361 (Bd. 25) |
| Draußen..... | 120 (Bd. 21) |
| Pflanzenschlaf..... | 81 (Bd. 27) |
| Porträt (Genosse Schriftsteller) | 130 (Bd. 23) |
| Traumschrift, Händel..... | 47 (Bd. 24) |
| Was ist | 188 (Bd. 27) |
| Görler, Ingeborg | |
| Sozusagen..... | 72 (Bd. 17) |
| Unterrichtung..... | 74 (Bd. 4) |
| Gosse, Peter | |
| Als es ans Löffel-Abgeben ging..... | 81 (Bd. 20) |
| Als, die zu stillen..... | 91 (Bd. 10) |
| An P..... | 29 (Bd. 5) |
| An Rosenlöchern..... | 165 (Bd. 24) |
| Befürwortung der Todesstrafe..... | 31 (Bd. 19) |
| Braun | 166 (Bd. 24) |
| Capri | 79 (Bd. 20) |
| Das Altern | 102 (Bd. 22) |
| Das Dampfbad | 54 (Bd. 5), 71 (Bd. 25) |
| Das Verhältnis..... | 77 (Bd. 7) |
| Der Bild-Hauer..... | 34 (Bd. 15) |
| Die Brücke..... | 90 (Bd. 10) |
| Die Sorgue | 78 (Bd. 16) |
| Eine Antwort | 136 (Bd. 21) |
| Entfremdung..... | 55 (Bd. 17) |
| Hamlet | 113 (Bd. 6) |
| Hotel »Aeneas' landing« / Dido | 41 (Bd. 19) |
| Notiz | 30 (Bd. 11) |
| Paris (4) | 63 (Bd. 8), 112 (Bd. 25) |
| Riemenschneiders Creglinger Altar | 15 (Bd. 23) |
| Scharfeinstellung..... | 66 (Bd. 11) |
| Verzehrung | 70 (Bd. 12) |
| Zwiefach | 63 (Bd. 9) |
| Grabow, Harriet | |
| Hansiade..... | 74 (Bd. 27) |
| Graf, Roman | |
| Großvater | 25 (Bd. 23) |
| Letzter Neuntöter | 90 (Bd. 26) |

| | |
|---|---------------------------|
| über einige Folgen der Symmetrie..... | 87 (Bd. 26) |
| Gräf, Dieter M. | |
| Biervampir, Herrentoi – | 14 (Bd. 10) |
| Der die Ausgezeichnete. Nach W. Mattheuer | 95 (Bd. 21) |
| Die zweite Halbzeit der Revolte..... | 13 (Bd. 20) |
| Forderungen an den Wald von morgen | 22 (Bd. 12) |
| Gebildete Körper..... | 15 (Bd. 10) |
| Glotzt nicht so romantisch!..... | 31 (Bd. 14) |
| Kippen der Oberpfalz..... | 51 (Bd. 20) |
| Ludwixhafen..... | 31 (Bd. 14) |
| Sacco für Vanzetti | 15 (Bd. 10) |
| Granderath, Greta | |
| Prioritäten stäuben auf | 101 (Bd. 27) |
| Greßmann, Uwe | |
| Die Sage vom Vogel Frühling..... | 12 (Bd. 11) |
| Moderne Landschaft | 14 (Bd. 11) |
| Reich des Todes | 15 (Bd. 11) |
| Vor dem Einschlafen | 15 (Bd. 11) |
| Greve, Ludwig | |
| Mein Vater..... | 37 (Bd. 14), 194 (Bd. 25) |
| Nachgetragene Liebe | 38 (Bd. 14) |
| Grimsson, Stefán Hördur | |
| Abends..... | 128 (Bd. 8) |
| Der Stein | 130 (Bd. 8) |
| Erinnerung vertan..... | 129 (Bd. 8) |
| Wintertag..... | 128 (Bd. 8) |
| Grobe, Christoph | |
| Der Schnee | 103 (Bd. 20) |
| Gröhler, Harald | |
| Homo sapiens | 190 (Bd. 1) |
| Vorbeifahrer | 19 (Bd. 1) |
| Gruber, Thomas | |
| abspann..... | 29 (Bd. 11) |
| Inwendig Venedig, auswendig | 126 (Bd. 24) |
| Konzert für öffentliche Hände | 21 (Bd. 9) |
| Leichtes Spiel für Langfinger | 22 (Bd. 9) |
| Grünbein, Durs | |
| Arabia felix..... | 59 (Bd. 19) |
| Denkmal für einen Fuß | 68 (Bd. 15) |
| Falten und Fallen..... | 46 (Bd. 14) |
| Fragment | 22 (Bd. 13) |
| Kosmopolit | 128 (Bd. 17) |
| Nach dem letzten der hiesigen Kriege..... | 84 (Bd. 18) |
| Schädelbasislektionen..... | 46 (Bd. 14) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| September-Elegien 1..... | 30 (Bd. 20), 296 (Bd. 25) |
| September-Elegien 2..... | 44 (Bd. 20) |
| Grünzweig, Dorothea | |
| Die Hörgrenze gesenkt..... | 90 (Bd. 23) |
| mein abermals..... | 28 (Bd. 24) |
| mutters haar schlägt ein jungmädchenräddchen..... | 116 (Bd. 26) |
| Guenther, Johann Christian | |
| Trost-Aria..... | 74 (Bd. 10) |
| Guhde, Christel | |
| Wo war ich da in der Tiefe?..... | 124 (Bd. 1) |
| Gulden, Alfred | |
| Die Decke weiß..... | 39 (Bd. 18) |
| Gumz, Alexander | |
| das wundverzeichnis bruder..... | 136 (Bd. 27) |
| schiff im wald | 181 (Bd. 26) |
| später besuch | 112 (Bd. 27) |
| Gustafsson, Lars | |
| Sonett vom Anfang und Ende | 14 (Bd. 13) |
| Guttenbrunner, Michael | |
| Claudels Gebet..... | 113 (Bd. 8) |
| Der Verwundete | 37 (Bd. 4) |
| Exemplarisch | 168 (Bd. 1) |
| Gänseflug | 19 (Bd. 2) |
| Nach vierzig Jahren | 65 (Bd. 2) |
| Nike | 190 (Bd. 1), 13 (Bd. 25) |
| Gutzschhahn, Uwe-Michael | |
| Einer wie Charlie Chaplin | 123 (Bd. 1) |
| Figur | 57 (Bd. 6) |
| Freiballon | 39 (Bd. 3) |
| Gedicht mit roter Katz | 78 (Bd. 7) |
| So wie Rungholt..... | 50 (Bd. 8) |
| Unbrauchbar die Reste..... | 87 (Bd. 5) |
| Weiße Zeitung | 23 (Bd. 1) |
| Winterbild | 47 (Bd. 10) |
| H | |
| Haeseling, Dorothée | |
| : Daß man lieben könnte | 74 (Bd. 7), 99 (Bd. 25) |
| Calisson D'Aix | 75 (Bd. 12) |
| Daß man dir | 83 (Bd. 11) |
| Ein Gespräch | 51 (Bd. 3) |
| Eine Frau..... | 49 (Bd. 3) |
| Jetzt sitzen die schönen Fasane | 46 (Bd. 12) |
| Klagende Weiber! | 39 (Bd. 8) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| langsam bewegen wir..... | 42 (Bd. 7) |
| Niederrheinischer Himmel | 112 (Bd. 9) |
| Symposion..... | 28 (Bd. 10) |
| Häfner, Eberhard | |
| Anschauliche Reste junger Kulturen..... | 111 (Bd. 27) |
| bäume | 102 (Bd. 6) |
| Christenlich de Babest lacht | 145 (Bd. 26) |
| die erprobung des körpers & des landes..... | 54 (Bd. 9) |
| nackte tatsachen für kaffee & kuchen | 55 (Bd. 9) |
| Ohne Traute keine Flaute – alles Lüge..... | 44 (Bd. 12) |
| refugium der macht..... | 35 (Bd. 7) |
| Verzeichnis Nr. 23..... | 66 (Bd. 19) |
| Zwischen Präfix & Sufix die literarische Wichse..... | 45 (Bd. 11) |
| Hafner, Fabjan | |
| Aus der Geschichte des Lauschens..... | 49 (Bd. 27) |
| Hahn, Ulla | |
| Elegie auf einen Dichter..... | 203 (Bd. 27) |
| Hahs, Heinz G. | |
| Bezahlt in Öl und Essig | 21 (Bd. 14), 202 (Bd. 25) |
| Blutschwätzte..... | 22 (Bd. 14) |
| das niedre Gelübde des Hantierers | 47 (Bd. 15) |
| Hainzinger, Michael | |
| försterliesel | 23 (Bd. 22), 326 (Bd. 25) |
| Hamann, René | |
| emmerich 's-heerenberger straße | 158 (Bd. 27) |
| in speed | 99 (Bd. 17) |
| rambla | 61 (Bd. 19) |
| Hamburger, Michael | |
| Aging | 79 (Bd. 17) |
| Altern..... | 80 (Bd. 17) |
| Im Vorübergehen | 15 (Bd. 19) |
| Indivisible..... | 81 (Bd. 17), 242 (Bd. 25) |
| Leben und Kunst XVIII | 28 (Bd. 18) |
| Überflüssige Grabschriften..... | 120 (Bd. 22) |
| Untrennbar..... | 82 (Bd. 17) |
| Hamelink, Jacques | |
| Apocalypse now | 118 (Bd. 5) |
| Hamm, Peter | |
| Auf den Knien, Kindheit | 13 (Bd. 14), 201 (Bd. 25) |
| Geburt des Dichters | 13 (Bd. 14) |
| Hammer , Joachim Gunter | |
| Audiotaktile Thermovision oder Multimediapolis 2 | 79 (Bd. 15) |
| Made in Austria..... | 44 (Bd. 10) |
| Wir sind ein High-Tech-Unternehmen..... | 58 (Bd. 12) |

Lyrikregister 1979–2009

Hammerschmitt, Marcus

| | |
|------------------|--------------|
| Herbstlärm..... | 123 (Bd. 26) |
| Schwanfahn | 21 (Bd. 27) |

Handke, Peter

| | |
|----------------------------------|-------------|
| An die Henker..... | 92 (Bd. 14) |
| Ausgeburten der Geschichte | 92 (Bd. 14) |

Hanna, Stephan

| | |
|----------------------|------------|
| Der Eine Mensch..... | 69 (Bd. 6) |
|----------------------|------------|

Hannsmann, Margarete

| | |
|---------------------|-------------|
| 3 x Friederike..... | 183 (Bd. 1) |
| Wurzeln..... | 51 (Bd. 3) |

Happel, Lioba

| | |
|--|-------------|
| am abend | 122 (Bd. 4) |
| hölderlin aber | 122 (Bd. 4) |
| Sweeney's..... | 121 (Bd. 4) |
| Widerstand und die Literatur des Exils | 123 (Bd. 4) |

Harig, Ludwig

| | |
|--|----------------------------|
| Achtelfinale | 112 (Bd. 17) |
| Arbeitssieg..... | 111 (Bd. 17) |
| Auftakt..... | 109 (Bd. 17) |
| Das Spiel an sich | 118 (Bd. 21), 311 (Bd. 25) |
| Derrick | 17 (Bd. 16) |
| Deutscher Fußball | 117 (Bd. 21) |
| Die Luft..... | 149 (Bd. 26) |
| Ein bißchen Licht | 68 (Bd. 20) |
| Ein Wörtermarathon | 196 (Bd. 27) |
| Feilnbacher Purgatorium | 21 (Bd. 16) |
| Großes Gruppenbild | 110 (Bd. 17), 243 (Bd. 25) |
| Halbfinale | 114 (Bd. 17) |
| I Ein Hoch dem Düdellütt! | 145 (Bd. 18) |
| Im Auge des Orkans | 53 (Bd. 15), 216 (Bd. 25) |
| Ins Nichts | 113 (Bd. 17) |
| Johannes Kühn auf Irrwegen in Mexiko | 116 (Bd. 22), 39 (Bd. 23) |
| Kräfte der Askese | 110 (Bd. 17) |
| Letztes Fest | 16 (Bd. 20) |
| Sind alle Köpfe frei?..... | 154 (Bd. 24) |
| Und wieder tönt das Düdellütt | 270 (Bd. 25) |
| Viertelfinale | 113 (Bd. 17) |
| Wilhelm Heinse am Rheinfall von Schaffhausen | 116 (Bd. 22), 38 (Bd. 23) |

Harter, Sonja

| | |
|------------------------|-------------|
| die bewohner | 68 (Bd. 24) |
| während ich, taumelnd, | 96 (Bd. 26) |

Hartge, Caroline

| | |
|---------------------|--------------|
| ein auto hält | 114 (Bd. 27) |
|---------------------|--------------|

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| wie ich dichte..... | 195 (Bd. 27) |
| Härtling, Peter | |
| Abendlicher Entwurf..... | 74 (Bd. 8) |
| Inbild | 92 (Bd. 8) |
| Nachts..... | 43 (Bd. 18) |
| Hartmann, Petra | |
| An ein Gebäude | 49 (Bd. 23) |
| Hartung, Harald | |
| Besuch bei Fornarina..... | 114 (Bd. 8) |
| Brief..... | 23 (Bd. 25) |
| Brief des ersten Mitherausgebers Harald Hartung..... | 105 (Bd. 2) |
| Bukolische Notiz..... | 57 (Bd. 24) |
| Der Fuchs | 48 (Bd. 10) |
| Die heiße Ofenplatte..... | 159 (Bd. 27) |
| Die vergessene Zeile..... | 176 (Bd. 24), 362 (Bd. 25) |
| Fern-hin | 10 (Bd. 20) |
| Gestern der Anruf..... | 82 (Bd. 21) |
| Ghasel..... | 9 (Bd. 20), 297 (Bd. 25) |
| Ich weiß noch: Mai 45. Das Polizeiauto..... | 41 (Bd. 26) |
| Londoner Rundfunk..... | 12 (Bd. 21) |
| Man fragt dich..... | 57 (Bd. 2) |
| Mobilat..... | 45 (Bd. 18) |
| Onkel Arthur..... | 93 (Bd. 22) |
| Phanopoeia Melopoeia..... | 91 (Bd. 13) |
| Projektion..... | 60 (Bd. 4) |
| Provisorische Schlüsse | 45 (Bd. 19), 280 (Bd. 25) |
| Reden ist Menschheit..... | 95 (Bd. 9) |
| Satura..... | 46 (Bd. 18), 260 (Bd. 25) |
| Sütterlinschrift | 114 (Bd. 6) |
| Tipperary..... | 12 (Bd. 21) |
| Wann lasen Sie den Plato Mr. Hopper | 69 (Bd. 5) |
| Weihnachten 1946..... | 93 (Bd. 22) |
| Wer sagt..... | 40 (Bd. 23) |
| Wie eine Korrektur..... | 41 (Bd. 7) |
| Hartung / Buchwald, Harald / Christoph | |
| Nachwort..... | 197 (Bd. 1) |
| Hass, Robert | |
| Rusia en 1931 | 87 (Bd. 13) |
| Hassinger, Sabine | |
| die Stille ins Kreuz geschickt..... | 92 (Bd. 8) |
| Es wäre eine Himmelsbestattung geworden..... | 75 (Bd. 9) |
| Von Fingern bröselts..... | 17 (Bd. 7) |
| Haufs, Rolf | |
| Alti e bassi..... | 119 (Bd. 14) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| Arktisch | 109 (Bd. 21), 314 (Bd. 25) |
| Auf dem Oberböckeberg oder Die Verfußballung des Landes..... | 156 (Bd. 24) |
| Auf einem Bein | 57 (Bd. 17) |
| Augustfeuer | 120 (Bd. 14) |
| Befund | 78 (Bd. 11) |
| Birke..... | 47 (Bd. 5) |
| Bistro | 25 (Bd. 27) |
| Blick in den Sommerpark..... | 117 (Bd. 27) |
| Deiche..... | 21 (Bd. 6) |
| Die Koffer des Riesen..... | 111 (Bd. 3) |
| Die Natur trickst uns alle aus | 121 (Bd. 14) |
| Du bist mein | 39 (Bd. 16) |
| Ein für allemal | 95 (Bd. 22) |
| Ein Jahr fast um | 62 (Bd. 11), 157 (Bd. 25) |
| Ein kurzes Wort noch | 159 (Bd. 9) |
| Einer soll kommen..... | 30 (Bd. 7) |
| Epiphanien..... | 140 (Bd. 23) |
| Festlicher Tag | 56 (Bd. 15) |
| Frühes Leid..... | 69 (Bd. 27) |
| Geschichte im Mai..... | 21 (Bd. 12) |
| Holunder | 15 (Bd. 4), 56 (Bd. 25) |
| Kleine Feuer | 32 (Bd. 7) |
| Kurzundbündigbrief..... | 133 (Bd. 4) |
| Loreley..... | 114 (Bd. 26) |
| Maul und Blitz | 174 (Bd. 26) |
| Metamorphose | 110 (Bd. 21) |
| Nähe Nordsee | 121 (Bd. 26) |
| Neues Märchen | 56 (Bd. 17) |
| Niederfahrt | 67 (Bd. 4) |
| Niederrheinischer Garten | 84 (Bd. 16) |
| Portrait Herr Eminönü | 121 (Bd. 1), 14 (Bd. 25) |
| Puppentanzen..... | 99 (Bd. 24) |
| Sätze an Schnurre | 122 (Bd. 14) |
| Sechs Gedichte..... | 10 (Bd. 6) |
| Soll & Haben | 104 (Bd. 16) |
| Stadt..... | 64 (Bd. 12) |
| Tag im März | 66 (Bd. 4) |
| Tamtam & Ahoi | 79 (Bd. 20) |
| Umbrien | 122 (Bd. 14) |
| Unsinniger Tag | 26 (Bd. 20) |
| Verwechslung | 89 (Bd. 7) |
| Warten | 11 (Bd. 2), 30 (Bd. 25) |
| Wintersturm | 31 (Bd. 7), 100 (Bd. 25) |
| Zeit | 65 (Bd. 5) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| Zu spät | 75 (Bd. 12) |
| Zwei Nachbemerkungen | 52 (Bd. 25) |
| Hausemer, Georges | |
| Landunter, Fragment..... | 94 (Bd. 5) |
| realistisches gedicht..... | 54 (Bd. 2) |
| Hausmann, Raoul | |
| Humanismus..... | 124 (Bd. 22), 328 (Bd. 25) |
| Heaney, Seamus | |
| Vertraute Welt | 80 (Bd. 18) |
| Heer, Roland | |
| der abschied..... | 131 (Bd. 16) |
| inhaltsübersicht..... | 119 (Bd. 16) |
| Hefter, Martina | |
| Aber daheim | 167 (Bd. 27) |
| Aber die Eschen | 85 (Bd. 27) |
| dort ist neuschwanstein | 55 (Bd. 21) |
| es soll Apparate geben | 132 (Bd. 24) |
| Hasensagen..... | 30 (Bd. 27) |
| hier vielleicht | 20 (Bd. 23) |
| In dieser Epoche bemühter Versuche ist Unbekümmertheit gut und (Marianne)..... | 118 (Bd. 26) |
| Heim, Uta-Maria | |
| drüber ein dach..... | 18 (Bd. 7) |
| Ein paar Takte..... | 86 (Bd. 11) |
| steighäusleweg..... | 52 (Bd. 8) |
| Unter Wasser | 74 (Bd. 9) |
| Was für ein Tag..... | 75 (Bd. 9) |
| Hein, Manfred Peter | |
| Antigone..... | 95 (Bd. 6) |
| Buch der Unruhe | 74 (Bd. 11) |
| Durchs Jahr abwesend älter älter Sprache | 95 (Bd. 7) |
| Ettersberg, Steinbruch..... | 45 (Bd. 5) |
| Flammenriß | 76 (Bd. 14) |
| Fluchtquartiere | 25 (Bd. 2) |
| Für Eberhard B..... | 34 (Bd. 3) |
| In Schwarz gehüllt..... | 77 (Bd. 14) |
| Lappland | 25 (Bd. 2) |
| Schneefall..... | 48 (Bd. 8) |
| Spiegelkehre | 89 (Bd. 13) |
| Traktat..... | 77 (Bd. 9) |
| Überlandleitung | 111 (Bd. 8) |
| ZEIT Fleischerhaken und jeder Traum..... | 49 (Bd. 4) |
| Heinse, Wilhelm | |
| Sappho-Übertragung (Fragment)..... | 69 (Bd. 10) |
| Heise, Hans-Jürgen | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|----------------------------------|--------------------------|
| Am Ohridsee..... | 190 (Bd. 1) |
| Ein ganzer Bus voll Frauen..... | 34 (Bd. 1) |
| Indianerreservation..... | 49 (Bd. 1) |
| Katalonien, vom Zug aus..... | 43 (Bd. 1), 16 (Bd. 25) |
| Nichts los im Hafen | 43 (Bd. 1) |
| Heisig, Wolfgang | |
| Intervallau | 68 (Bd. 22) |
| Helmich, Hans-Joachim | |
| stunde des wolfs..... | 166 (Bd. 1) |
| Hemau, Gisela | |
| Es ist der Kopf | 105 (Bd. 5) |
| Hengel, Oliver | |
| Hallo | 170 (Bd. 24) |
| Hennig, Martin | |
| fall ohne gesetz | 150 (Bd. 1) |
| Henniger, Gerd | |
| Ineinander..... | 90 (Bd. 4) |
| Henninger, Gerd | |
| Handel und Wandel | 32 (Bd. 1) |
| Schrottplatz..... | 32 (Bd. 1) |
| Hensel, Kerstin | |
| Abkehr des Odysseus..... | 55 (Bd. 22) |
| Atzungen..... | 60 (Bd. 23) |
| Bewegte Zeit..... | 58 (Bd. 10) |
| Erbe | 33 (Bd. 22) |
| Fieberkurve | 66 (Bd. 9), 126 (Bd. 25) |
| Hoch die Besoffenheit! | 115 (Bd. 10) |
| Meine Welt..... | 110 (Bd. 26) |
| Warnung..... | 83 (Bd. 24) |
| Weihnachtmarkt | 113 (Bd. 21) |
| Henß, Dietlind | |
| heute tanz ich | 75 (Bd. 1) |
| Und es gab Tage..... | 30 (Bd. 1) |
| Herbeck, Ernst | |
| Die Qual der Auswärtigkeit | 50 (Bd. 14) |
| Heimweh | 50 (Bd. 14) |
| Herburger, Günter | |
| Aus Buch Markus..... | 85 (Bd. 5) |
| Der Fels, er rollt | 42 (Bd. 26) |
| Der Schmerz | 73 (Bd. 9) |
| Die Grete | 50 (Bd. 17) |
| Die Kriegerwitwe | 123 (Bd. 15) |
| Die Wiese | 46 (Bd. 12) |
| Die Wolkenspringer..... | 54 (Bd. 18) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Eigens | 18 (Bd. 6) |
| Fiúme Tigris | 37 (Bd. 21) |
| Frisur | 88 (Bd. 8) |
| Gras und Gestein | 70 (Bd. 23) |
| Habibi | 99 (Bd. 16) |
| Heimkehr..... | 37 (Bd. 15) |
| München | 42 (Bd. 20) |
| Paradieszeit..... | 148 (Bd. 27) |
| Saurüssele..... | 131 (Bd. 24) |
| Scherenschnitte | 15 (Bd. 21) |
| Spielzeit | 19 (Bd. 27) |
| Unendliche Reisen..... | 64 (Bd. 14) |
| Widmung..... | 96 (Bd. 22) |
| Wo die Seelen sind | 63 (Bd. 14), 196 (Bd. 25) |
| Hermann, Wolfgang | |
| Auf meinem Marsch | 67 (Bd. 8) |
| Aufsteigende Möwe..... | 74 (Bd. 16) |
| Die Vögel | 76 (Bd. 8) |
| Ein Baum am Wegrand | 67 (Bd. 8) |
| Überall Fährten, meine Schwester..... | 107 (Bd. 9) |
| Hermlin, Stephan | |
| Shakespeare-Übertragung; 66. Sonett | 71 (Bd. 10) |
| Herms, Uwe | |
| Das Gewicht der Welt | 64 (Bd. 3), 46 (Bd. 25) |
| Die du nach Feierabend..... | 45 (Bd. 2) |
| Gastfreundschaft | 64 (Bd. 3) |
| Herzberg, Judith | |
| Bestimmen..... | 92 (Bd. 13) |
| Soria Moria..... | 112 (Bd. 5) |
| Zwischen Eiszeiten | 112 (Bd. 5) |
| Hess, Rita | |
| Briefe, Notizen..... | 120 (Bd. 5) |
| Hesse, Günter | |
| Warnung..... | 115 (Bd. 1) |
| Heubner, Christoph | |
| Alter jüdischer Friedhof in Kassel..... | 137 (Bd. 1) |
| Ausblick | 85 (Bd. 2) |
| Høruphavn..... | 82 (Bd. 2) |
| Landleben | 83 (Bd. 2) |
| Rückfahrt..... | 50 (Bd. 1) |
| Sommerspiele | 84 (Bd. 2) |
| Sterbenswörtchen | 83 (Bd. 2) |
| Zu Besuch | 85 (Bd. 2) |
| Zuspruch | 84 (Bd. 2) |

Heynicke, Kurt

Die Ballade vom unsterblichen Sterben 39 (Bd. 2)

Hilbig, Wolfgang

| | |
|---------------------------------|--|
| abwesenheit..... | 13 (Bd. 2), 35 (Bd. 14), 31 (Bd. 25), 203 (Bd. 25) |
| der fußgänger..... | 81 (Bd. 10) |
| die spaltung | 74 (Bd. 5) |
| ende der biografie..... | 79 (Bd. 10) |
| monolog vier..... | 102 (Bd. 5) |
| prosa meiner heimatstraße..... | 52 (Bd. 11) |
| Sehnsucht nach Anwesenheit..... | 35 (Bd. 14) |

Hindringer, Herbert

ich wollte mich nicht 78 (Bd. 27)

Hinterberger, Norbert

| | |
|------------------------------|-------------------------|
| Eure blöden Hoffnungen | 59 (Bd. 2), 32 (Bd. 25) |
| UG..... | 75 (Bd. 3) |

Hirschfelder, Hans Ulrich

Familienalbum 60 (Bd. 22)

Hirth, Simone

| | |
|-------------------------------|--------------|
| Grüne Gespräche..... | 13 (Bd. 26) |
| Gustav..... | 12 (Bd. 26) |
| Hier..... | 183 (Bd. 27) |
| Vor und nach der Physik | 120 (Bd. 27) |

Hjartarson, Snorri

| | |
|--------------------|-------------|
| Auf Erden | 137 (Bd. 8) |
| Herbstbilder | 136 (Bd. 8) |

Höcker, Katharina

| | |
|---|--------------|
| an old raincoat won't ever let you down | 138 (Bd. 23) |
| Dies ist mein Zimmer | 98 (Bd. 20) |
| hoch, höher, ins rißlicht..... | 65 (Bd. 21) |

Hoffbauer, Jochen

Aus dem Leben eines Taugenichts 28 (Bd. 2)

Hoffmann, Jürgen

| | |
|----------------------------------|------------|
| darf es ein tänzchen sein? | 73 (Bd. 5) |
| Goldener Löwe | 23 (Bd. 2) |

Hohmann, Jens-Erik

Nach der Beichte

67 (Bd. 15)

Højholt, Per

So und so viele Lerchen

120 (Bd. 7)

Hölderlin, Friedrich

* * * * *

71 (Bd. 10)

Höllerer, Walter

»Macbeth wird nie besiegt«.....

81 (Bd. 3)

»Wacht auf, es nahet gen den Tag!«

81 (Bd. 3)

Der Schneider von Ulm.....

82 (Bd. 3)

Holub, Miroslav

Was sonst 11 (Bd. 13), 184 (Bd. 25)

Honigmann, Barbara

Auszug aus Ägypten 82 (Bd. 7)

Hübner, Uwe

Einblick 43 (Bd. 6)

Eine Anwandlung 75 (Bd. 17)

Heimat 71 (Bd. 8)

Schlechter Tag 27 (Bd. 16)

Stummgrau 78 (Bd. 6), 82 (Bd. 25)

Hückstädt, Hauke

Benefizkonzert für Ivan Blatny 103 (Bd. 26)

Lacrimosa 95 (Bd. 20)

Seepferdchen, Hotel Seestern 96 (Bd. 20)

Thema über eine Variation 60 (Bd. 17), 244 (Bd. 25)

Hüge, Bernd-Dieter

Carezza oder 54 (Bd. 10)

Denk ich 36 (Bd. 7)

Die Entreprise 59 (Bd. 6)

Fort war ich 70 (Bd. 8)

Herbstbildnis für Steffen 84 (Bd. 5)

Deutschland meine Schauer: 112 (Bd. 6)

Hughes, Ted

Ara 105 (Bd. 11)

Hymne für die todgeweihte Jugend 107 (Bd. 11)

Kleines Lied vom Wal 106 (Bd. 11)

Hummelt, Norbert

»fascho-report« (pick-up) 20 (Bd. 10)

»teenage rampage« (pick up) 20 (Bd. 10)

Aus einem Brief 355 (Bd. 25)

das glück bei eichendorff 127 (Bd. 21), 315 (Bd. 25)

der geist von spiez 33 (Bd. 22)

der letzte sittich 85 (Bd. 16)

der nachtmahr 107 (Bd. 26)

deutscher herbst 96 (Bd. 27)

die eibe 30 (Bd. 16)

die fernen donner 127 (Bd. 21)

die zeichen im schnee 98 (Bd. 17)

ferne 33 (Bd. 19)

hungrig u. wach 97 (Bd. 17)

I. Notlagen, Ambivalenzen 185 (Bd. 23)

im vierten sommer 17 (Bd. 20)

jenseits 26 (Bd. 21)

linksrheinische installation 29 (Bd. 15)

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| margueriten | 32 (Bd. 19), 279 (Bd. 25) |
| nocturne | 73 (Bd. 20) |
| pans stunde | 108 (Bd. 26) |
| schollen | 34 (Bd. 22) |
| selbstbildnis als jüngling mit kirschen | 40 (Bd. 18) |
| totentanz | 62 (Bd. 24), 363 (Bd. 25) |
| vitzliputzli | 30 (Bd. 24) |
| vorfrühling | 116 (Bd. 27) |
| Zu den Quellen | 176 (Bd. 23) |
| Hutten, Katrine von | |
| Kopfüber | 91 (Bd. 4) |
| Preislieder | 81 (Bd. 7) |
| Hutter, David | |
| Meier und Müller | 97 (Bd. 11) |
| Schlaflos..... | 43 (Bd. 12) |
| I | |
| Igel, Bernd | |
| | 42 (Bd. 5) |
| | 85 (Bd. 6) |
| Die Lebenden und die Toten – Neue Folge | 87 (Bd. 20) |
| drift durch den forst | 38 (Bd. 27) |
| eine heimkehrlegende | 35 (Bd. 16) |
| Gegen eine Wand gesprochen..... | 93 (Bd. 8) |
| Heimkehr – eine Endlose Reise – | 41 (Bd. 5) |
| Herbstkehrlein..... | 43 (Bd. 5) |
| manche trinken..... | 47 (Bd. 7) |
| Spiele..... | 64 (Bd. 5), 72 (Bd. 25) |
| ungesellig sind die bierholenden knaben..... | 84 (Bd. 6) |
| Imgrund, Jan | |
| Mondnacht..... | 34 (Bd. 27) |
| Ingold, Felix Philipp | |
| Fremdsprache..... | 114 (Bd. 4) |
| Gedichte..... | 80 (Bd. 7) |
| Gespiegelt..... | 51 (Bd. 9) |
| Mit Feuer das Restrisiko | 84 (Bd. 8) |
| Porträt | 76 (Bd. 12) |
| Wer..... | 85 (Bd. 8) |
| Worten | 18 (Bd. 13) |
| J | |
| Jacobs, Steffen | |
| Bei Betrachtung des Haares..... | 57 (Bd. 17) |
| Dichter, Leser und Gedicht..... | 52 (Bd. 16) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| Einem Gerüstbauer | 50 (Bd. 22) |
| Einem Klassizisten zu Lebzeiten | 60 (Bd. 26) |
| Flackern, Fließen | 122 (Bd. 20) |
| Hausapotheke | 43 (Bd. 21) |
| Letzte Partie | 45 (Bd. 23) |
| Nichts gegen Ghaselen | 51 (Bd. 19) |
| Übung im Konjunktiv | 106 (Bd. 15) |
| Was war, was wird | 117 (Bd. 19) |
| Wie sie den Tag schiffbar machten | 111 (Bd. 15), 215 (Bd. 25) |
| Jandl, Ernst | |
| augenzeug | 89 (Bd. 9) |
| das blutende kind | 28 (Bd. 5), 73 (Bd. 25) |
| das ungebaute haus | 87 (Bd. 11) |
| der wahre Vogel | 24 (Bd. 4) |
| die daumen | 44 (Bd. 2) |
| die scheißmaschine | 98 (Bd. 14) |
| doktorgedichte | 41 (Bd. 8) |
| Es stinkt der Mensch | 98 (Bd. 14) |
| gegen abend | 42 (Bd. 8) |
| keine enttäuschung, bloß eine berichtigung | 116 (Bd. 1) |
| minor poet | 79 (Bd. 8) |
| nachwort 1978 | 170 (Bd. 1) |
| noch eins | 124 (Bd. 1) |
| prater: schweizerhaus | 31 (Bd. 5) |
| staubfederchen | 35 (Bd. 6), 83 (Bd. 25) |
| victory | 89 (Bd. 9), 125 (Bd. 25) |
| von zählkunst | 85 (Bd. 1) |
| von ziegen | 86 (Bd. 1), 17 (Bd. 25) |
| zwei erscheinungen | 58 (Bd. 6) |
| Jankowski, Martin | |
| neue songs | 153 (Bd. 27) |
| Janz, Angelika | |
| Die Versuchsanordnung | 124 (Bd. 23) |
| Jendryschik, Manfred | |
| An Bruno S., Veteran | 65 (Bd. 9) |
| April | 39 (Bd. 24) |
| Bruno | 48 (Bd. 10) |
| Deutschland, zum Beispiel: Ein Standort | 16 (Bd. 23) |
| Fahrt | 14 (Bd. 23) |
| Hymne | 34 (Bd. 10) |
| Idyll | 36 (Bd. 27) |
| Jetzt | 18 (Bd. 26) |
| Lage:Bericht | 75 (Bd. 24) |
| Schicht | 53 (Bd. 10) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|--------------|
| Sirenisch..... | 22 (Bd. 18) |
| Tages Meldung, beliebig | 19 (Bd. 16) |
| Vorm Bahnhof | 61 (Bd. 17) |
| Jentzsch, Bernd | |
| Poetik..... | 114 (Bd. 4) |
| Jeschke, Mathias | |
| Siebzig | 61 (Bd. 23) |
| Späte Hebung..... | 76 (Bd. 21) |
| Jetze / Struzyk / Erb, Franz Christoph / Brigitte / | |
| Ob und in welchem Falle die seichte Beackerung des Bodens der tiefen oder | 38 (Bd. 5) |
| Juarroz, Roberto | |
| Dreizehnte Vertikale Poesie (63)..... | 131 (Bd. 14) |
| Vertikales Triptychon II 1-3 | 130 (Bd. 14) |
| Vom Grund des Traums | 61 (Bd. 13) |
| Juliane, Liebert | |
| nikolai | 190 (Bd. 27) |
| Juritz, Hanne F. | |
| das ende | 69 (Bd. 2) |
| die nacht des trommlers | 107 (Bd. 1) |
| die Worte du meinst..... | 129 (Bd. 1) |
| was ich mochte..... | 108 (Bd. 1) |
| K | |
| Kaas, Harald | |
| München | 82 (Bd. 5) |
| Kalbhenn, Marlies | |
| Als ich die Nachricht vom Tod Robert Gernhardts erhielt | 186 (Bd. 26) |
| Kalinke, Viktor | |
| Chemnitz gebucht..... | 20 (Bd. 24) |
| Frankfurt | 19 (Bd. 22) |
| Kaminski, Astrid | |
| zwischen orten | 163 (Bd. 26) |
| Karschnia, Alexander | |
| Shalom Yerushalayim..... | 81 (Bd. 24) |
| Karsunke, Yaak | |
| auf messers schneide..... | 41 (Bd. 4) |
| geschliffener auftakt | 81 (Bd. 12) |
| landschaft mit veteranen..... | 44 (Bd. 5) |
| lange danach | 119 (Bd. 6) |
| metier | 107 (Bd. 7) |
| musik für mich | 59 (Bd. 4) |
| nur gutes über die toten..... | 45 (Bd. 8) |
| Kasnitz, Adrian | |
| Räderkuchen..... | 179 (Bd. 27) |

Kattner, Heinz

| | |
|-------------------------------------|--------------|
| Abend hinter Schreyahn | 92 (Bd. 11) |
| Abgewandt | 86 (Bd. 8) |
| Ausgestellt | 119 (Bd. 8) |
| Besuch in einem alten Gebäude | 96 (Bd. 9) |
| Bloßgelegt | 27 (Bd. 20) |
| Casa Baldi | 30 (Bd. 15) |
| Der Erde zugewandt | 67 (Bd. 18) |
| Der gute Hirt | 107 (Bd. 10) |
| Kraniche | 76 (Bd. 17) |
| Übergang | 74 (Bd. 12) |

Kehle, Matthias

| | |
|--------------------------|--------------|
| Du erzählst | 17 (Bd. 24) |
| Im Herbst | 71 (Bd. 17) |
| Nichts weiß ich | 128 (Bd. 27) |
| Von kleiner Statur | 102 (Bd. 10) |

Kelter, Jochen

| | |
|--|-------------|
| Der See, das Dorf | 20 (Bd. 2) |
| Kleine abwärts weisende Bewegung | 139 (Bd. 1) |
| Winterreise | 44 (Bd. 1) |

Kemény, István

| | |
|------------|-------------|
| Fort | 33 (Bd. 17) |
|------------|-------------|

Kempf, Joseph

| | |
|----------------------------|--------------|
| Gedicht im Fahrstuhl | 142 (Bd. 18) |
| Kunststück | 131 (Bd. 1) |
| Spät im August | 25 (Bd. 1) |

Kempff, Diana

| | |
|----------------------|------------|
| Aber bei Nacht | 90 (Bd. 5) |
|----------------------|------------|

Kempker, Birgit

| | |
|----------------------------|--------------|
| Übungen im Ertrinken | 120 (Bd. 16) |
|----------------------------|--------------|

Kessler, Elisabeth

| | |
|--------------|------------|
| Hiemet | 74 (Bd. 6) |
|--------------|------------|

Kielar, Marzanna B.

| | |
|----------------------|--------------|
| * * * | 99 (Bd. 18) |
| * * * | 100 (Bd. 18) |
| * * * | 101 (Bd. 18) |
| Beim Frühstück | 98 (Bd. 18) |

Kilic, Ilse

| | |
|--------------|-------------|
| herzel | 83 (Bd. 11) |
|--------------|-------------|

Killert, Gabriele H.

| | |
|-------------------------|-------------|
| Die jagende Löwin | 97 (Bd. 20) |
|-------------------------|-------------|

Kirsch, Rainer

| | |
|---|--------------|
| Analyst Sir *. wirft zwei Klimmer von der Verandatreppe | 26 (Bd. 18) |
| Befinden | 104 (Bd. 22) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| Blaue Wolken | 25 (Bd. 19) |
| Chiropteren | 95 (Bd. 5), 39 (Bd. 7) |
| Claudine oder Die Weltläufe | 56 (Bd. 6) |
| Der Frühling | 69 (Bd. 8) |
| Die Tangentialen | 29 (Bd. 7) |
| Die Zwei Götter im Ochsen | 124 (Bd. 19) |
| Ende der Geschichte | 46 (Bd. 19), 97 (Bd. 21) |
| Erdenliebe | 89 (Bd. 11) |
| Etüde..... | 100 (Bd. 4) |
| Fährte..... | 24 (Bd. 15) |
| Freyas Katzen | 79 (Bd. 7) |
| Getrennt | 63 (Bd. 1) |
| Glückliche Fügung | 22 (Bd. 6) |
| Ich-Soll 1991 | 165 (Bd. 11), 165 (Bd. 25) |
| Im Maß Petrarcas | 101 (Bd. 4) |
| Im Winter | 68 (Bd. 8) |
| Italienische Amseln | 43 (Bd. 1) |
| Krähengeschwätz | 91 (Bd. 8) |
| Kunst in Mark Brandenburg | 102 (Bd. 4) |
| Kürzester Monat..... | 104 (Bd. 22) |
| Luft und Wasser | 60 (Bd. 7) |
| Mainacht | 17 (Bd. 6) |
| Mathematisch..... | 101 (Bd. 4) |
| Mauer..... | 85 (Bd. 11) |
| Nacht | 77 (Bd. 16) |
| Nothelfer im Gebirge | 88 (Bd. 11) |
| Osymandias. Shelley-Übertragung | 70 (Bd. 10) |
| Petrarca auf dem Weg ins Exil | 33 (Bd. 15) |
| Petrarca nördlich versetzt | 72 (Bd. 7) |
| Petrarca, auf dem Weg über die Alpen, bedenkt seinen Husten..... | 33 (Bd. 15), 218 (Bd. 25) |
| Pflanzenleben..... | 96 (Bd. 5) |
| Schwarzer Spiegel | 120 (Bd. 6) |
| Seht..... | 51 (Bd. 17) |
| Stimmen | 110 (Bd. 10) |
| Treibsand..... | 24 (Bd. 15) |
| Überfahrt | 95 (Bd. 5) |
| Verstohlen geht wieder der Mond auf | 69 (Bd. 8), 113 (Bd. 25) |
| Was ich in Norwegen lernte..... | 109 (Bd. 10) |
| Wasserspiegel | 95 (Bd. 5) |
| Watt | 109 (Bd. 10) |
| Winterlich..... | 25 (Bd. 15) |
| Zigarren..... | 47 (Bd. 19) |
| Zugfahrt | 77 (Bd. 16) |

Kirsten, Wulf

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| auf dem boden der tatsachen..... | 23 (Bd. 12) |
| das große randseil..... | 66 (Bd. 18) |
| das sonnige | 43 (Bd. 15) |
| Der Dinge Gedächtnis..... | 27 (Bd. 14) |
| essig und senf..... | 100 (Bd. 21) |
| märchenhafte geschichte | 78 (Bd. 11) |
| nachruf..... | 59 (Bd. 26) |
| nur eins nicht | 39 (Bd. 15) |
| standort | 14 (Bd. 19) |
| stimmenschotter | 26 (Bd. 14) |
| vorübergefahren | 53 (Bd. 20) |
| Kittler, Hartwig | |
| der bürgerkrieg..... | 55 (Bd. 10) |
| Kiwus, Karin | |
| Das Gesicht der Welt | 110 (Bd. 10), 140 (Bd. 25) |
| Incarnation. Revisited | 74 (Bd. 22) |
| Kizer, Carolyn | |
| The Oration | 134 (Bd. 19) |
| Kling, Thomas | |
| anmutige gegend, zertrümmerter mai | 15 (Bd. 14) |
| Beschädigte Idylle | 15 (Bd. 14) |
| die mütze..... | 32 (Bd. 5), 74 (Bd. 25) |
| erster findling: haarwust..... | 95 (Bd. 16) |
| gemähter mund | 56 (Bd. 7) |
| letzte kartographie | 97 (Bd. 16), 228 (Bd. 25) |
| Menhirreihen | 70 (Bd. 19), 282 (Bd. 25) |
| obst und gemüse-marterl | 52 (Bd. 6), 84 (Bd. 25) |
| tattoos | 59 (Bd. 5) |
| wasserstandsbericht | 89 (Bd. 5) |
| winterkrieg; survival storalånggatan | 111 (Bd. 8), 114 (Bd. 25) |
| Klink, Dieter | |
| Narrenfoto | 78 (Bd. 3) |
| Klooß, Barbara Maria | |
| ein jäger ein schatten | 83 (Bd. 23) |
| jandls feldpost..... | 185 (Bd. 26) |
| so lange wie möglich | 38 (Bd. 24) |
| Was ich träumte, als Peter Rühmkorf starb..... | 197 (Bd. 27) |
| Klopstock, Friedrich Gottlieb | |
| Der Messias | 61 (Bd. 10) |
| Klüninger, Lothar | |
| Flankierende Maßnahmen | 109 (Bd. 19) |
| Kähne..... | 48 (Bd. 19) |
| Seenkette | 74 (Bd. 21) |
| Klüssendorf, Angelika | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Mein Geliebter lebt auf der Straße..... | 40 (Bd. 9) |
| Kneip, Matthias | |
| gedichte..... | 137 (Bd. 24) |
| Schach matt, und weiter | 44 (Bd. 23) |
| Kobus, Nicolai | |
| bildgebendes verfahren | 178 (Bd. 27) |
| das wespennest | 80 (Bd. 23), 349 (Bd. 25) |
| der dichter | 132 (Bd. 21) |
| jimi plays monterey | 47 (Bd. 21) |
| selbstportrait, tagesnotiz..... | 29 (Bd. 21) |
| sie aber, namenlos | 28 (Bd. 21), 316 (Bd. 25) |
| Koch, Ulrich | |
| Fort, während (Generation) | 52 (Bd. 10) |
| Wohin, die Pumpe | 51 (Bd. 10) |
| Koepsell, Kornelia | |
| Am Ende ist es immer kalt | 61 (Bd. 22) |
| Der Fußballplatz..... | 158 (Bd. 24) |
| Flame of the Abend | 46 (Bd. 23) |
| Kleine Dinge..... | 146 (Bd. 27) |
| Mittag im Zimmer | 175 (Bd. 27) |
| Unter der Dusche..... | 109 (Bd. 26) |
| Kofler, Gerhard | |
| die vorletzte Minute | 62 (Bd. 26) |
| Klage zur rechten Zeit..... | 77 (Bd. 17) |
| lamento al momento giusto..... | 76 (Bd. 17) |
| Ode an Gerhard Manley Hopkins | 98 (Bd. 19) |
| unbekannte Brille | 92 (Bd. 19) |
| Köhler, Barbara | |
| Blue box | 61 (Bd. 11) |
| Cheshire Card «Lewis Carroll's Birthplace Parking»..... | 97 (Bd. 19) |
| Nelken..... | 128 (Bd. 23) |
| noch ein mal | 69 (Bd. 16) |
| nullmorphem..... | 120 (Bd. 19) |
| Rondeau allemagne | 112 (Bd. 9) |
| Schön ist gut und gut ist schön..... | 17 (Bd. 15) |
| vision | 185 (Bd. 27) |
| Kohlus, Claudia | |
| nüscht..... | 60 (Bd. 27) |
| Köhn, Monika | |
| Cézanne ist verschwunden | 19 (Bd. 7), 101 (Bd. 25) |
| da strich der Schnee | 25 (Bd. 15) |
| Luchterhand-Reihung | 54 (Bd. 9) |
| sackfarben | 118 (Bd. 8) |
| schneit es erneut | 18 (Bd. 7) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|-------------------------|
| was ist denn so | 79 (Bd. 9) |
| Kolbe, Uwe | |
| Advocatus diaboli..... | 137 (Bd. 18) |
| Auf ein Reinheitsgebot..... | 20 (Bd. 15) |
| Brief..... | 143 (Bd. 8) |
| Das wirkliche Grün,..... | 80 (Bd. 5) |
| Dem Platz,..... | 23 (Bd. 8) |
| Der erste Schnee..... | 23 (Bd. 8) |
| Des Deutschen Fantasie Lateinamerika..... | 44 (Bd. 4) |
| Die Tiere im Lager | 36 (Bd. 5) |
| Die unerwartet große Welt | 22 (Bd. 8) |
| Ein schönes Gedicht | 16 (Bd. 5) |
| Gelber Spruch | 47 (Bd. 11) |
| Hamburger Frischfisch..... | 109 (Bd. 9) |
| In der Romanzeit | 105 (Bd. 7) |
| Letztmalig zur Biografie | 25 (Bd. 8) |
| Obligat | 68 (Bd. 7) |
| Was hab ich noch nachzuholen | 63 (Bd. 15) |
| Worpsweder Kunststück | 24 (Bd. 8) |
| Zu leben | 55 (Bd. 4) |
| Kolleritsch, Alfred | |
| »Auch ihr? So wahr diese Erde,« | 106 (Bd. 4) |
| »Du wolltest eine Welt«..... | 34 (Bd. 6), 86 (Bd. 25) |
| Das Zimmer der Malerin | 106 (Bd. 5) |
| Daß uns der Tag | 105 (Bd. 5) |
| Die Furche entlang | 95 (Bd. 17) |
| Die Hände der Toten..... | 71 (Bd. 14) |
| Entstehung des Bildes | 106 (Bd. 5) |
| Es weitersagen | 91 (Bd. 19) |
| Ihre Wunden | 70 (Bd. 14) |
| Lobgesang nach René Char | 77 (Bd. 4) |
| Um der Welt willen | 96 (Bd. 6) |
| Unser Land | 14 (Bd. 4) |
| Vorsatz | 39 (Bd. 4), 62 (Bd. 25) |
| Komunyakaa, Yusef | |
| Facing It | 113 (Bd. 18) |
| Koneffke, Jan | |
| Dachreiter schleifen..... | 120 (Bd. 4) |
| Dies ist die Zeit | 62 (Bd. 5) |
| Heut fliegt uns Sturm zu..... | 118 (Bd. 4) |
| In den Wolken wird Zement gemischt | 53 (Bd. 7) |
| Kaum waren Schneepflüge fort..... | 29 (Bd. 6) |
| Komm über Plötzensee Rehberg | 119 (Bd. 4) |
| Siehst du wen toll auf der Nabe..... | 119 (Bd. 4) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Welche Freude | 62 (Bd. 5) |
| Wochenlang hatten wir Tanz auf dem Dach | 118 (Bd. 4) |
| Kopland, Rutger | |
| I Cavalli di Leonardo | 115 (Bd. 5) |
| Kouwenaar, Gerrit | |
| Drei Jungfrauen wiedergekehrt | 15 (Bd. 13), 185 (Bd. 25) |
| Kovadloff, Santiago | |
| Es dämmert..... | 136 (Bd. 14) |
| Nackt | 137 (Bd. 14) |
| Pilze..... | 137 (Bd. 14) |
| Koziol, Andreas | |
| Meisenwerk | 140 (Bd. 26) |
| Schneegefechte | 18 (Bd. 19) |
| wie entkommen so begonnen..... | 20 (Bd. 7) |
| Wiegenlied für ein Erdbeben | 28 (Bd. 19) |
| Kraft, Gisela | |
| Gegenfrage zu Mittagedicht auf Schloß Gümse von Aras Ören | 155 (Bd. 1) |
| Keramik | 30 (Bd. 2) |
| Reisen zu zweit | 81 (Bd. 1) |
| Krämer, Thorsten | |
| wie | 50 (Bd. 16) |
| Kraus, Dagmara | |
| im Blattspelz..... | 43 (Bd. 27) |
| Krause, Dieter | |
| Kein Vergleich..... | 147 (Bd. 24) |
| Ungeschlacht los –..... | 122 (Bd. 16) |
| wo sind sie hin | 100 (Bd. 20) |
| Krauß, Angela | |
| Kleine Mädchen | 50 (Bd. 18) |
| Krausser, Helmut | |
| musik | 24 (Bd. 24) |
| Reigen aus unreinen Reimen | 143 (Bd. 18) |
| Krechel, Ursula | |
| Am Reißbrett mit dem Mund gemalt | 48 (Bd. 6) |
| Artmann, Artista (1921-2000)..... | 116 (Bd. 20) |
| Die Frau mit dem grausamen Mund | 58 (Bd. 4) |
| Ein Rittergut in Trümmern | 44 (Bd. 6) |
| Ein trockener Wasserstandsbericht aus dem Jahr 1985 | 77 (Bd. 25) |
| Eine schmierige Geschichte – Montage | 126 (Bd. 5) |
| Geschichte, rückwärts gelesen | 61 (Bd. 8) |
| Kantilene, Abschiedsszene | 189 (Bd. 26) |
| Meine Krankheit ist für Engländer nicht geeignet | 119 (Bd. 15) |
| Narkose eines blaugehimmelten Septembertages | 11 (Bd. 19) |
| Negev..... | 83 (Bd. 22) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Stimmen aus dem harten Kern | 68 (Bd. 23) |
| Tisch im Grünen..... | 56 (Bd. 18) |
| Weiß wie | 40 (Bd. 26) |
| Wo geht sie hin..... | 38 (Bd. 3), 47 (Bd. 25) |
| Krechel / Buchwald, Ursula / Christoph | |
| Abschließende Notizen | 128 (Bd. 5) |
| Kreidl, Margret | |
| Der Mann steckt bis zum Hals in Liebe | 77 (Bd. 12) |
| Krese, Maruša | |
| Braune Schuhe | 141 (Bd. 27) |
| Krier, Jean | |
| Alles hingeschmissen..... | 47 (Bd. 17) |
| Beckett: too rich | 77 (Bd. 22) |
| Der Raum fließt..... | 59 (Bd. 18) |
| Gemäldegalerie | 174 (Bd. 27) |
| Ile de la Cité | 86 (Bd. 21) |
| Nichts sei uns heilig..... | 177 (Bd. 24) |
| Quodlibet..... | 43 (Bd. 26) |
| Tableaux VII..... | 13 (Bd. 19) |
| Krolow, Karl | |
| Am Leben bleiben | 49 (Bd. 5) |
| Bei gleichbleibenden Vornamen | 46 (Bd. 2) |
| Damals war das so | 68 (Bd. 1) |
| Einzelfälle | 69 (Bd. 4) |
| Geschichtlich | 46 (Bd. 11) |
| Konversationsgedicht..... | 73 (Bd. 1), 18 (Bd. 25) |
| Manches | 40 (Bd. 7) |
| Männliche Ausstattung | 43 (Bd. 9) |
| Nichts weiter..... | 86 (Bd. 9) |
| Nie genug | 45 (Bd. 1) |
| Norddeutsch..... | 32 (Bd. 8) |
| Norddeutsch III | 33 (Bd. 8) |
| Park | 55 (Bd. 3) |
| Schlaf ein wenig..... | 67 (Bd. 6) |
| Sterblich | 47 (Bd. 2), 33 (Bd. 25) |
| Warten | 94 (Bd. 4) |
| Was tu ich? | 87 (Bd. 8), 116 (Bd. 25) |
| Wer wird aus Schaden klug | 42 (Bd. 9) |
| Krüger, Michael | |
| An M., im Jahr | 82 (Bd. 4) |
| Analogie | 34 (Bd. 6), 87 (Bd. 25) |
| Aus dem Tagebuch | 99 (Bd. 8) |
| Brief..... | 68 (Bd. 14), 195 (Bd. 25) |
| Cellosuite | 30 (Bd. 16) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Chinesisches | 39 (Bd. 10) |
| Der Schlüssel | 33 (Bd. 5) |
| Die lange Nacht | 143 (Bd. 23) |
| Ein Bild entsteht | 103 (Bd. 4) |
| Ein Naturforscher | 78 (Bd. 4) |
| Elegie I..... | 70 (Bd. 9) |
| Elegie II | 71 (Bd. 9), 128 (Bd. 25) |
| Elegie III | 72 (Bd. 9) |
| Geschichte der Malerei | 45 (Bd. 16) |
| Gnostische Übung, Korsika | 136 (Bd. 26) |
| Herzklopfen..... | 21 (Bd. 5) |
| In den Schweizer Bergen..... | 95 (Bd. 23) |
| Landgasthof..... | 25 (Bd. 20) |
| Meditationen unter freiem Himmel | 111 (Bd. 24) |
| Nachtflug | 65 (Bd. 20), 298 (Bd. 25) |
| Poetik, September 1998 | 44 (Bd. 17), 246 (Bd. 25) |
| Provinzmuseum..... | 16 (Bd. 4) |
| Rede des Philosophen | 21 (Bd. 16) |
| Revision der Heilsgeschichte | 20 (Bd. 27) |
| Rustschuk/Donau | 78 (Bd. 19) |
| Sabas Ziege | 16 (Bd. 27) |
| Schriftstellerkongreß..... | 77 (Bd. 13) |
| Spaziergang mit einem Philosophen | 111 (Bd. 6) |
| Unerwartet helles Licht | 68 (Bd. 14) |
| Unverhofftes Wiedersehen | 114 (Bd. 20) |
| Verlangsamung | 148 (Bd. 21) |
| Zum ewigen Frieden..... | 76 (Bd. 22) |
| Krynicki, Ryszard | |
| Ein Geständnis – kein Gedicht | 59 (Bd. 13) |
| Kubin, Wolfgang | |
| Eine Apfelliube | 59 (Bd. 21) |
| Küchenmeister, Nadja | |
| gespiegelt | 74 (Bd. 24) |
| nebel | 31 (Bd. 24) |
| oben und unten | 27 (Bd. 23) |
| staub | 64 (Bd. 26) |
| vögel im winter | 21 (Bd. 23) |
| waschung | 31 (Bd. 23), 350 (Bd. 25) |
| Küchler, Sabine | |
| Du warst schon lange fort..... | 101 (Bd. 17) |
| Einmal..... | 96 (Bd. 14) |
| Grillstube, Pfingsten | 31 (Bd. 22) |
| Im Winter | 37 (Bd. 16) |
| Plunder, der singt | 96 (Bd. 14) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Seetiere | 115 (Bd. 15) |
| So viel | 82 (Bd. 20) |
| Kugel, Marco | |
| der bauernhof verkauft milch, ich geh sie holen..... | 106 (Bd. 23) |
| Kuhlbrodt, Jan | |
| Spüre ein Leben als ob ich vom Tod nichts wüßte | 26 (Bd. 23) |
| Stötzer in der Stadt Chemnitz | 88 (Bd. 27) |
| Was wir alles | 58 (Bd. 22) |
| Kuhligk, Björn | |
| 160 Beats per Minute | 56 (Bd. 19), 283 (Bd. 25) |
| Amrumer Wetterdaten | 18 (Bd. 22) |
| Auf Baader Holst..... | 187 (Bd. 26) |
| Demo | 12 (Bd. 20) |
| Die Liebe in den Zeiten der EU | 125 (Bd. 23) |
| Die Schwäne im Urbanhafen | 22 (Bd. 27) |
| Man hört diese überflüssige Chormusik..... | 106 (Bd. 24) |
| Ohne Kragen und wenn wirs denken würden..... | 108 (Bd. 21) |
| Zahara de los Atunes | 9 (Bd. 26) |
| Kuhn, Leokadia | |
| Falladas Carwitz..... | 19 (Bd. 23) |
| Sommerende | 12 (Bd. 24) |
| Kühn, Johannes | |
| Am Radio | 67 (Bd. 12) |
| Ballerina..... | 23 (Bd. 24) |
| Bescheidung | 104 (Bd. 26) |
| Bett | 31 (Bd. 21), 317 (Bd. 25) |
| Bucht | 99 (Bd. 22) |
| Das Hausschwein | 57 (Bd. 20) |
| Das unglückliche Bewußtsein | 104 (Bd. 14) |
| Der Baum | 40 (Bd. 12), 112 (Bd. 14) |
| Der Chevalier von Geldern..... | 93 (Bd. 16) |
| Der Fuchs | 70 (Bd. 11) |
| Der Keiler..... | 56 (Bd. 20) |
| Der Preisträger | 114 (Bd. 14) |
| Der Stuhl | 56 (Bd. 21) |
| Dichterruhm..... | 101 (Bd. 15) |
| Dichterverse..... | 131 (Bd. 18) |
| Ein Schäfer | 14 (Bd. 15) |
| Eine Flamme..... | 137 (Bd. 26) |
| Fußtritt | 121 (Bd. 17) |
| Gesundheit..... | 36 (Bd. 18), 262 (Bd. 25) |
| Glückshaut..... | 103 (Bd. 14) |
| Hochhaus..... | 28 (Bd. 20) |
| Ich Alter habe mich verirrt | 118 (Bd. 27) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|--------------------------|
| Ich alter Mann mit freiem Willen | 116 (Bd. 14) |
| Lerche | 69 (Bd. 11) |
| Männer | 66 (Bd. 20) |
| Mir gelingen die Sprüche nicht mehr | 115 (Bd. 14) |
| Mittagsläuten im Feld | 75 (Bd. 18) |
| Morgenröte | 26 (Bd. 19) |
| Neuigkeit | 11 (Bd. 12) |
| Saarländische Landschaft | 13 (Bd. 15) |
| Schleichen | 119 (Bd. 27) |
| Seufzer | 161 (Bd. 24) |
| Später Nachmittag | 27 (Bd. 16) |
| Steuern | 123 (Bd. 21) |
| Stiefelklang | 55 (Bd. 15) |
| Tag | 112 (Bd. 23) |
| Tiefe Mittagsruh | 54 (Bd. 24) |
| Vermutung | 47 (Bd. 18) |
| Vor Jahren | 68 (Bd. 21) |
| Vorübergang | 64 (Bd. 23) |
| Warum meiden Sie den Mann? | 98 (Bd. 22) |
| Weltschau | 122 (Bd. 17) |
| Wintergespräch | 113 (Bd. 14) |
| Kuhnert, Clemens | |
| weltraumschrott | 46 (Bd. 22) |
| Kukorelly, Endre | |
| Rahmen und Spiegel | 34 (Bd. 17) |
| Kulessa, Hanne | |
| Armanis Waschfrau | 98 (Bd. 9) |
| Kunert, Günter | |
| Alltag | 65 (Bd. 3) |
| Am Abgrund | 91 (Bd. 23) |
| Atlantis | 87 (Bd. 7) |
| Aus dem Steinreich | 94 (Bd. 8) |
| Aus meinem Lesebuch | 123 (Bd. 17) |
| Ausschau halten | 112 (Bd. 19) |
| Barockes Gedicht | 71 (Bd. 2) |
| Blasphemia | 39 (Bd. 8), 129 (Bd. 25) |
| Der Gimpel | 70 (Bd. 18) |
| Die Legende vom Golem | 35 (Bd. 10) |
| Einleuchtende Erklärung | 35 (Bd. 5) |
| Eintagsfliegen | 47 (Bd. 8) |
| Fernweh | 37 (Bd. 7) |
| Finnländische Saga | 30 (Bd. 12) |
| Gutenberg | 81 (Bd. 11) |
| Heimkehr | 119 (Bd. 22) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|----------------------------|
| Hyperbel..... | 56 (Bd. 15) |
| Im Unwetter..... | 76 (Bd. 4) |
| In Dunkelheit..... | 105 (Bd. 24) |
| Nach ausgiebiger Lektüre..... | 155 (Bd. 27) |
| Paläontologie | 47 (Bd. 9) |
| Pegasus | 178 (Bd. 26) |
| Sankt Pauli transzental..... | 89 (Bd. 4) |
| Shakespeare entsprechend..... | 111 (Bd. 21) |
| Statt der Speisekarte nur Folianten und Pandekten..... | 75 (Bd. 20) |
| Tatsächliche Rückkehr nach Ithaka | 35 (Bd. 10) |
| Von Herden | 55 (Bd. 15) |
| Wind..... | 92 (Bd. 23) |
| Kunst, Thomas | |
| Und was machen die, die ohne Gagarin und Milchdienst in ihren Gedichten | 129 (Bd. 21) |
| Kunz, Marco | |
| Hauspflege..... | 15 (Bd. 22) |
| Was es braucht..... | 90 (Bd. 24) |
| Kusters, Wiel | |
| Ein Federbusch | 16 (Bd. 13) |
| Kusz, Fitzgerald | |
| du bisds | 22 (Bd. 24) |
| flaiß fluß..... | 43 (Bd. 20) |
| gedenkstein..... | 136 (Bd. 23) |
| Gegengedicht zu Brechts »Radwechsel«..... | 121 (Bd. 20), 299 (Bd. 25) |
| in memoriam rainer malkowski..... | 191 (Bd. 26) |
| kalchreuth..... | 93 (Bd. 27) |
| muggn..... | 163 (Bd. 24) |
| never-ending-blues | 87 (Bd. 22) |
| ungschríeme gedichde..... | 206 (Bd. 27) |
| uns gähids goud: ein lamento..... | 119 (Bd. 21) |
| Kutsch, Axel | |
| Anleitung..... | 180 (Bd. 26) |
| Der FC Bayern München und die Luchterhand-Jahrbücher..... | 130 (Bd. 12) |
| Klang eines Jagdhorns | 19 (Bd. 7) |
| Kleine Gedichtlehre | 207 (Bd. 27) |
| Kleine Ringschlacht..... | 217 (Bd. 27) |
| Was uns fehlt | 81 (Bd. 12) |
| L | |
| Lange, Norbert | |
| Eine Razzia..... | 23 (Bd. 23) |
| Meldung erstattet (vom Rhein) | 17 (Bd. 23) |
| Ode an die Freude | 20 (Bd. 26) |
| Lange-Müller, Katja | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|--|
| Akt mit Träne..... | 81 (Bd. 15) |
| Den Pluralen von Vogel und Beere | 116 (Bd. 15) |
| Selbstbildnis mit Stadt | 21 (Bd. 7) |
| Langer, Christine | |
| Die Strommasten..... | 132 (Bd. 26) |
| Heiterer Tag im Frühling..... | 110 (Bd. 1) |
| Nachtschläfer..... | 69 (Bd. 1) |
| Vorstellungen..... | 34 (Bd. 2) |
| Langstein-Jäger, Elke | |
| Küchenpolka..... | 55 (Bd. 12) |
| Lanzendörfer, Frank | |
| a & fau | 125 (Bd. 6) |
| bella donna | 124 (Bd. 6) |
| splitterkuchen..... | 124 (Bd. 6) |
| u-ground..... | 125 (Bd. 6) |
| Lappert, Rolf | |
| Einfache Frage | 11 (Bd. 12) |
| Weit draußen | 86 (Bd. 8) |
| Zurück..... | 21 (Bd. 12) |
| Larsen, Marianne | |
| sie betrachten | 111 (Bd. 7) |
| Laschen, Gregor | |
| »Hier oben, Torazza.«..... | 67 (Bd. 7) |
| »Tod in Padua«, Blaupause. Literatur | 56 (Bd. 2) |
| Apnoen..... | 76 (Bd. 26) |
| Das Gehöft | 16 (Bd. 6) |
| Der Märchenbäume horizontale Sehnsucht | 57 (Bd. 14), 204 (Bd. 25) |
| Der Text des Vogels | 91 (Bd. 11), 19 (Bd. 13), 186 (Bd. 25) |
| Deutscher Probe-Lauf..... | 145 (Bd. 1) |
| Die Kugeln von Kandestederne..... | 96 (Bd. 5) |
| Die rote Wolke..... | 91 (Bd. 5) |
| Die Schatten der großen Wörter | 57 (Bd. 14) |
| Drei Anmerkungen | 64 (Bd. 25) |
| In Abständen..... | 92 (Bd. 11) |
| Kurzundbündigbrief..... | 129 (Bd. 6) |
| Letzte Berliner Miniatur..... | 26 (Bd. 3) |
| MeerUndLand..... | 82 (Bd. 26) |
| Rosalkas Wald | 24 (Bd. 20) |
| Sphinx, Grün..... | 66 (Bd. 7) |
| Sprachrohr. (»Revolte.«) | 95 (Bd. 7) |
| Taggedicht..... | 22 (Bd. 1) |
| Treffen in Rolandseck, 1968..... | 17 (Bd. 10) |
| Uckermark, weiter hinten | 24 (Bd. 3), 48 (Bd. 25) |
| Vogelscheuchen | 97 (Bd. 5) |

Laschen / Buchwald, Gregor / Christoph

Abschließende Notizen 134 (Bd. 4)

Laubscher, Werner

Stolopolopern 48 (Bd. 14)

Wortflecht und Lautbeiß 49 (Bd. 14)

Ledebur, Benedikt

was hemmt das bein als arm anzubieten sich? 138 (Bd. 26)

Lehman, David

May 26 in Rotterdam 96 (Bd. 19)

The Best of the Best 105 (Bd. 18)

Leithardt, Jutta

Immer im Wald 78 (Bd. 5)

Schwetzingen 97 (Bd. 6)

Lentz, Michael

»Anschauen, ein Ausland« 65 (Bd. 26)

aber dem wetterverleger gerecht als landkarte 48 (Bd. 11)

Das ist der Stand der Dinge 113 (Bd. 16)

der herbst bricht ein 111 (Bd. 26)

die flamme 16 (Bd. 24)

die wege leer und wir 110 (Bd. 23), 351 (Bd. 25)

du bist die 116 (Bd. 23)

ein gleiches 39 (Bd. 19)

ein weltbewußtsein 117 (Bd. 21)

Fast unverändert 121 (Bd. 20)

gar sein und gar nichts 60 (Bd. 12)

gelsenkirchen 50 (Bd. 18)

Genau genommen – 10 Thesen zur Poesie 167 (Bd. 23)

liebe 73 (Bd. 27)

ob wir das 95 (Bd. 24)

rätsel, kreuz, prozeß 87 (Bd. 15), 219 (Bd. 25)

Werden die Ventile undicht? 139 (Bd. 22)

wir lieben uns. dahinter 93 (Bd. 26)

wo das hinführt. wenn. eine diskussionsrunde 27 (Bd. 10), 142 (Bd. 25)

zum beispiel über das abhanden kommen 108 (Bd. 17)

Lenz, Hermann

Den Lehrlingen 66 (Bd. 14)

Der Abschitssteher 66 (Bd. 14)

Meeresluft 23 (Bd. 15)

Zu den Fischen 18 (Bd. 15)

Leupold, Dagmar

Alte Frau 75 (Bd. 5)

Café Hennerdreck 41 (Bd. 20)

Des Bäckers Witwe 69 (Bd. 6)

Die vergessene Königin 33 (Bd. 7)

| | |
|--|---------------------------|
| Dolce nemica | 67 (Bd. 22) |
| Friedrichs Feigen in Sanssouci..... | 86 (Bd. 20) |
| Gestern war Friede..... | 53 (Bd. 10), 143 (Bd. 25) |
| Goethes Briefe an Christiane | 73 (Bd. 6) |
| Luftpiraten..... | 122 (Bd. 15) |
| Mundarten | 51 (Bd. 16) |
| Noto, Palazzo Nicolaci..... | 157 (Bd. 27) |
| Seide und Nebel | 39 (Bd. 9) |
| Wunderhorn..... | 123 (Bd. 18) |
| Lewejoehann, Sünje | |
| Fellerhye | 33 (Bd. 27) |
| Lian, Yang | |
| Alte Geschichten | 121 (Bd. 10) |
| Der Ruhepunkt des Meeres..... | 84 (Bd. 13) |
| Lieckfeld, Claus-Peter | |
| Letzter Akt | 31 (Bd. 1) |
| Neulich..... | 132 (Bd. 1) |
| Linthicum, John | |
| Lebensweisen..... | 113 (Bd. 9) |
| Lippert, Maik | |
| bunkererfahrung..... | 45 (Bd. 22) |
| die liebsten orte..... | 101 (Bd. 24) |
| mein vater..... | 132 (Bd. 27) |
| Lojo, María Rosa | |
| 5 Uhr-Tee | 140 (Bd. 14) |
| Ähnlichkeiten..... | 140 (Bd. 14) |
| Lorenc, Kito | |
| Am Winterfenster..... | 23 (Bd. 18) |
| Danke der Nachfrage | 86 (Bd. 16) |
| Der gehobene Kalauer..... | 102 (Bd. 19) |
| Die Lösung der Frau mit den Fädcchen mit den Knötchen | 43 (Bd. 4) |
| Die Stimme gibt Empfehlungen zum Überleben bei Atomkrieg | 50 (Bd. 6) |
| die unerheblichkeit berlins..... | 41 (Bd. 11) |
| Ein Beitrag zum dialektischen Parallelismus | 28 (Bd. 20) |
| ein hofbericht..... | 40 (Bd. 12) |
| Großes Zeichen | 138 (Bd. 21) |
| Guckloch..... | 99 (Bd. 22) |
| Hör die Nachtigall trapsen..... | 81 (Bd. 20) |
| ich lese vom vesuv und vom tod | 29 (Bd. 12) |
| Lamento am Totensonntag | 42 (Bd. 4) |
| Mittagsschlaf | 119 (Bd. 23) |
| Schöner Tag..... | 56 (Bd. 24) |
| Späte Erklärung..... | 100 (Bd. 22) |
| Totenschmaus · Regenzauber · Lyrik 2000 | 94 (Bd. 19), 286 (Bd. 25) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Wegbeschreibung durch ein Waldstück | 122 (Bd. 26) |
| wer weiß wie schwarz..... | 49 (Bd. 11) |
| Loschütz, Gert | |
| Aus: Reisen | 106 (Bd. 6) |
| Gehirnerschüttung | 23 (Bd. 1) |
| Im Hafenbecken wo..... | 63 (Bd. 4) |
| Schallmauer | 98 (Bd. 1) |
| Schönes Wochenende | 68 (Bd. 5) |
| Lucke, Carsten | |
| Department | 87 (Bd. 8) |
| Lückoff, Dietrich | |
| Anselm seinerzeit | 43 (Bd. 3) |
| Lugmeier, Ludwig | |
| verruf | 51 (Bd. 8) |
| zusprache..... | 21 (Bd. 7) |
| Luidl, Philipp | |
| Das Fenster | 22 (Bd. 7) |
| Der Schmerz | 94 (Bd. 8) |
| Der schmerz | 69 (Bd. 23) |
| Es regnet | 105 (Bd. 22) |
| Nachtflug..... | 55 (Bd. 24) |
| Nimm fort den herbst..... | 52 (Bd. 21) |
| Notre Dame de Paris..... | 84 (Bd. 21) |
| Schreibmeister | 73 (Bd. 17) |
| Zeig deine hand..... | 68 (Bd. 18) |
| Lusheng, Guo | |
| Der tollwütige Hund | 134 (Bd. 10) |
| Hoffnung | 135 (Bd. 10) |
| M | |
| MacBeth, Georg | |
| Eule | 103 (Bd. 11) |
| Maintz, Christian | |
| Aus Goethes Gesprächen | 36 (Bd. 23) |
| Bollmann und Hagen | 179 (Bd. 24) |
| Makoto, Ōoka | |
| Was ist Poesie? | 39 (Bd. 13) |
| Malinowski, Ivan | |
| Impllosion: Letzte Phase | 112 (Bd. 7) |
| Kritik des Schweigens..... | 112 (Bd. 7) |
| Malkowski, Rainer | |
| Am Schreibtisch..... | 107 (Bd. 7), 102 (Bd. 25) |
| Amsterdam, van Gogh-Museum | 107 (Bd. 4) |
| Bald | 107 (Bd. 9) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|--------------------------|
| Vielleicht, wenn ich alt bin | 78 (Bd. 7) |
| Mall, Sepp | |
| Fluchtpunkte | 74 (Bd. 17) |
| Ich habe ein Pappgebirge gebaut | 58 (Bd. 18) |
| Im Wörterbuch | 36 (Bd. 19) |
| Lichtwechsel | 34 (Bd. 21) |
| Später, irgendwann | 54 (Bd. 18) |
| T-Raum 1 | 89 (Bd. 15) |
| T-Raum 2 | 89 (Bd. 15) |
| T-Raum 4 | 90 (Bd. 15) |
| T-Raum 6 | 90 (Bd. 15) |
| Was uns gehört | 59 (Bd. 23) |
| Marquardt, Axel | |
| Fragen des Standpunkts | 67 (Bd. 4) |
| Rede an den altbösen Feind | 87 (Bd. 9) |
| Und trotzdem | 22 (Bd. 9), 130 (Bd. 25) |
| Martens, Klaus | |
| Eine Fähre | 31 (Bd. 12) |
| Marti, Kurt | |
| Bachkiesel | 68 (Bd. 11) |
| Martin, Thomas | |
| Petrus zu Fuß | 27 (Bd. 18) |
| Poetischer Aufzug, oder: Heute will ich ein Dichter sein | 138 (Bd. 18) |
| Preußischer Herbst | 110 (Bd. 16) |
| Sehzwang | 67 (Bd. 16) |
| Marx, Rainer | |
| Alles nichts Neues | 40 (Bd. 15) |
| Materni, Undine | |
| Regen. Blau. | 40 (Bd. 24) |
| Matheis, Jörg | |
| Subwoover | 53 (Bd. 19) |
| Mathiess, Frank-Wolf | |
| Briefe, Notizen | 120 (Bd. 5) |
| Mautz, Kurt | |
| Die Schlauen im Lande | 85 (Bd. 15) |
| Mayer König, Wolfgang | |
| ein hocker geschmeidig für fabio vasquez | 88 (Bd. 2) |
| hierher fauno mit gelispel (gejagt von flammenwerfern) | 87 (Bd. 2) |
| kukerukukukukerukuku | 89 (Bd. 2) |
| los lös den winkelsteher ab | 86 (Bd. 2) |
| perfekte gedichte bleiben wir schuldig | 90 (Bd. 2) |
| sparsam mit salben umgehen | 88 (Bd. 2) |
| weil die besten gedanken im stoffwechsel kommen | 89 (Bd. 2) |
| Wo die Übung der Wahrheit vergeblich blieb..... | 65 (Bd. 3) |

Mayer-König, Wolfgang

imstande sein das feld der leiden auszuzählen 163 (Bd. 1)

Mayröcker , Friederike

(«when thou liest howling») 144 (Bd. 21)

«die mit dem Bluthstock der Sprache ...» 78 (Bd. 18), 261 (Bd. 25)

»jeder Zimmergast kam mir ungelegen«. Scardanelli 119 (Bd. 20)

»und dasz die Vögel sich schlafen legen« (Raoul Schrott) 70 (Bd. 20), 300 (Bd. 25)

ach grüner flor 127 (Bd. 24)

Altaussee mit breiten Blicken 73 (Bd. 16), 230 (Bd. 25)

an einen Knaben mit Laubgewand 126 (Bd. 15)

ausgewürgtes Herz 57 (Bd. 4)

blaugelber Junitag 112 (Bd. 10)

bloody Mary 30 (Bd. 13), 187 (Bd. 25)

dann, dort, das Seelchen unbeschuhlt, 111 (Bd. 23)

Das schwarz behaarte Tischtuch 88 (Bd. 14)

déjà-vu 31 (Bd. 8)

die Bächlein kommen geflochten: wenn das Geflecht der Bächlein 41 (Bd. 21)

die Verwüstung der Sinne im verwitterten Kopf 66 (Bd. 26)

diese Bienenstöcke 127 (Bd. 26)

dieses Kind diese Parze dieser Ligusterhain 77 (Bd. 18)

eine der grössten Gaben von oben 55 (Bd. 7)

eine Postkarte aus Treviso 102 (Bd. 8)

fein und Medium 30 (Bd. 8)

flennendes Wunder, oder Traum, oder flennender Winter 32 (Bd. 16)

für C.W., im beseligenden November 87 (Bd. 14)

Graffiti 80 (Bd. 3)

habe die Hände (von) Melancholie 117 (Bd. 22), 327 (Bd. 25)

Hyazinthus 42 (Bd. 27)

korrigierte Version 37 (Bd. 24)

Mimosen im Glas 21 (Bd. 19)

mit Baumnotizen 18 (Bd. 12)

Phantasie KAMPFZIMMER oder 1. August 1997, für EJ 26 (Bd. 17), 245 (Bd. 25)

Prasselzustand 1, für Maria Gruber 35 (Bd. 16)

Pupille des Einsamseins, Traum 26 (Bd. 17)

rebus 171 (Bd. 27)

Salzburg Pachermadonna Franziskanerkirche 104 (Bd. 8)

Umnacht, Schafgarbe, etliche Reiser 32 (Bd. 2)

verschlungene Arme 98 (Bd. 4)

von Lebens Tatzen 45 (Bd. 7)

von überall äugelt die Blume die Sonne 19 (Bd. 19)

wie Hase bewegtes Uralt 81 (Bd. 9)

Winterelegie 71 (Bd. 11)

Winterglück 81 (Bd. 5)

Meckel, Christoph

| | |
|--|---------------------------|
| Abschließende Notizen II | 112 (Bd. 2) |
| Allergien | 104 (Bd. 21) |
| An der Straße | 81 (Bd. 14), 198 (Bd. 25) |
| Barbanera | 77 (Bd. 19) |
| Bei Kerzenlicht, nachts | 84 (Bd. 4) |
| Brief des zweiten Mitherausgebers Christoph Meckel | 100 (Bd. 3) |
| Cythère | 72 (Bd. 18), 264 (Bd. 25) |
| Elfenbeinbunker | 96 (Bd. 22) |
| Erschöpft von Furcht und Schweiß | 23 (Bd. 5) |
| Für Peter Huchel | 22 (Bd. 3) |
| Go on | 48 (Bd. 26) |
| Immer wieder hat man ihn fotografiert | 56 (Bd. 4) |
| In der Vorhölle | 82 (Bd. 14) |
| Mistfuhrer | 59 (Bd. 15) |
| Nichts ist von Bedeutung | 65 (Bd. 1) |
| u.A.w.g. | 51 (Bd. 6) |
| Vom Goliath | 49 (Bd. 15) |
| Welcher Witz | 84 (Bd. 4), 57 (Bd. 25) |
| Wovon die Rede ist | 66 (Bd. 1) |
| Zur Geschichte der Kunst | 111 (Bd. 20) |
| Mehring, Walter | |
| Die Ballade von der Lehrerin Elly Maldaque | 135 (Bd. 1) |
| Elegy of the Alien Soldier | 133 (Bd. 1) |
| Meister, Ernst | |
| Drei Gedichte aus dem Nachlaß | 10 (Bd. 4), 58 (Bd. 25) |
| Merten, Katrin Marie | |
| Wohin wir uns sehnen im Schlaf | 177 (Bd. 27) |
| Mertens, Christel | |
| Abgesang | 23 (Bd. 11) |
| Alles offen | 81 (Bd. 11) |
| die bäume | 75 (Bd. 17) |
| draußen | 48 (Bd. 20) |
| Kreisbewegung | 51 (Bd. 11) |
| und dann dieses Bild | 89 (Bd. 21) |
| Merz, Klaus | |
| East End, 28.1 | 46 (Bd. 17) |
| Einschluß. Vier Gespräche von selbst | 38 (Bd. 20) |
| Sehstück | 127 (Bd. 16) |
| Stilleben | 126 (Bd. 16) |
| Weißer Fleck | 88 (Bd. 21) |
| Wiepersdorf später | 88 (Bd. 19) |
| Meyer, Detlev | |
| Auf den nächsten Tuntenball | 53 (Bd. 2) |
| Brief | 102 (Bd. 3) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|----------------------------|
| Der große Durchbruch | 103 (Bd. 3) |
| Lob der Form | 102 (Bd. 3) |
| Sorge um Salomé | 53 (Bd. 2) |
| Michel, Sascha | |
| Don't worry, be happy..... | 61 (Bd. 14) |
| Pizzeria..... | 56 (Bd. 12), 61 (Bd. 14) |
| Mickel, Karl | |
| An H. | 13 (Bd. 5) |
| Der Wald..... | 12 (Bd. 5) |
| Die Jahre..... | 58 (Bd. 4), 60 (Bd. 25) |
| Drei Fabeln..... | 49 (Bd. 11) |
| Frauenkirche..... | 19 (Bd. 5) |
| Frauenkirche, 2 | 51 (Bd. 4) |
| Fünfte Ode..... | 90 (Bd. 6) |
| Grabung | 24 (Bd. 18) |
| Kleines lineares Labyrinth..... | 59 (Bd. 4) |
| Paragraph Aids..... | 31 (Bd. 9) |
| Soziologie..... | 13 (Bd. 5) |
| Vortrag des Zahnarztes S. aus D. | 16 (Bd. 13) |
| Micovich, Jo | |
| im jahr 78 | 146 (Bd. 1) |
| richtet das fest | 132 (Bd. 1) |
| Middleton, Christopher | |
| Den Bogen spannen auf gut Glück | 56 (Bd. 13) |
| Mitchell, Susan | |
| Lost Parrot..... | 135 (Bd. 19) |
| Modick, Klaus | |
| Neujahrsamnesie | 88 (Bd. 15) |
| Modoi, Juliana | |
| Hindernis..... | 27 (Bd. 6) |
| Mon, Franz | |
| abermals ahnte adams attrappe..... | 113 (Bd. 22) |
| bitte baden gehen..... | 57 (Bd. 18) |
| ein achtel zwischen anfang und ende | 162 (Bd. 27) |
| gewitzt wie der widder im gips | 115 (Bd. 22), 330 (Bd. 25) |
| konterkariert | 86 (Bd. 15) |
| lachte dann | 77 (Bd. 26) |
| lauwarne wolle | 85 (Bd. 15), 220 (Bd. 25) |
| linksherum..... | 135 (Bd. 17) |
| rarstes restrisiko | 114 (Bd. 22) |
| sozusagen | 50 (Bd. 19) |
| war kopfhaut dran..... | 49 (Bd. 19) |
| zwar | 31 (Bd. 26) |
| Monhardt, Stefan | |

| | |
|---|---------------------------|
| würde ein gegenstand | 149 (Bd. 23) |
| Moosmann, Elisabeth | |
| Sich leerträumen | 31 (Bd. 2) |
| Mörike, Eduard | |
| Erinna an Sappho | 63 (Bd. 10) |
| Morshäuser, Bodo | |
| Ankunft Ferra Nova..... | 39 (Bd. 3) |
| Antennen..... | 149 (Bd. 1) |
| Die Väter sind tot | 36 (Bd. 4) |
| Ein Foto im Stadtpark..... | 39 (Bd. 1) |
| Entwicklung..... | 108 (Bd. 1) |
| Unglückliche Gewinner | 50 (Bd. 2) |
| Mosebach, Martin | |
| Vigilien für kleine Mädchen von Abbé X..... | 97 (Bd. 12) |
| Mühlichen, Marianne | |
| akt I | 79 (Bd. 27) |
| Müller, Herta | |
| Also ich soll..... | 67 (Bd. 26) |
| das dümmste ist seit Stunden läuft das Gras | 45 (Bd. 24) |
| der eine Nachbar starb | 11 (Bd. 21) |
| Der Gerichtsmediziner | 69 (Bd. 26) |
| der Wind schnitt | 11 (Bd. 21) |
| Die meisten Leute..... | 27 (Bd. 27) |
| Es gibt Tage..... | 66 (Bd. 26) |
| gut gemischt | 95 (Bd. 1) |
| ich kenn die Bauteile der Windhunddame | 42 (Bd. 24), 364 (Bd. 25) |
| in den Straßen | 26 (Bd. 27) |
| in meine Schläfen | 66 (Bd. 22) |
| kam der kahlgeschorene | 127 (Bd. 27) |
| Lass das sagt der Hüter | 72 (Bd. 24) |
| Lirum, Larum..... | 66 (Bd. 3) |
| Mutter wohnt dort..... | 27 (Bd. 20) |
| Nachts, hier..... | 99 (Bd. 1) |
| Vokalisch | 70 (Bd. 1) |
| Zur Mittagsstunde kam dieser Kunde | 67 (Bd. 20) |
| Mungenast, Romedius | |
| Jenische Reminiszenzen..... | 85 (Bd. 17), 248 (Bd. 25) |
| Zinken Zeichensprache der Wandernden | 84 (Bd. 17) |
| Münzner, Andreas | |
| Wir saßen, später gingen | 66 (Bd. 27) |
| Müssle, Hans Peter | |
| schuldlos | 134 (Bd. 18) |
| Unglaublich | 26 (Bd. 16) |

N**Nadja , Küchenmeister**

linoleum 107 (Bd. 27)

Naef, Sabina

Toilette eines Cafés 32 (Bd. 21)

Nagy, Lajos Parti

Sodareiterei (Auszug) 39 (Bd. 17)

Nakitsch, Marian

Dunkelheit 85 (Bd. 14)

Wir Söhne Kains 86 (Bd. 14)

Naum, Gellu

Der phosphoreszierende Tiger 21 (Bd. 18)

Der Reißverschluß 20 (Bd. 18)

Es war ein Zeitalter 19 (Bd. 18)

Nehmer, Joachim

Das Flußpferd 67 (Bd. 21), 318 (Bd. 25)

Nendza, Jürgen

Das Tageslicht 84 (Bd. 26)

Dein Kopfbaum 157 (Bd. 23)

Fließbewegung 77 (Bd. 24)

Wie ein Luftschiff 41 (Bd. 22)

Neuffer, Susanne

Berliner Salon 86 (Bd. 19)

Daß Sommer ist 65 (Bd. 22)

To the Lighthouse/St. Yves 142 (Bd. 24)

Neugebauer, Jörg

buch und banane 140 (Bd. 24)

im wald sein 148 (Bd. 26)

so sad about us 46 (Bd. 21)

That's the way 84 (Bd. 22)

Wo ist der Grund? 126 (Bd. 21)

Nichols, Grace

Der hingelagerte Leib 119 (Bd. 11)

Fett 119 (Bd. 11)

Nieke, Gert

Die Traumfrau 72 (Bd. 1)

Im ersten Schnee 34 (Bd. 21)

Niemiec, Maciej

Du Tröpfchen 89 (Bd. 18)

Flogny, an jenem Tag und an jenem Morgen 90 (Bd. 18)

Noon, Alistair

Scription I 69 (Bd. 17)

Scription II 70 (Bd. 17)

Nooteboom, Cees

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| Dichter von vierzig | 73 (Bd. 13) |
| Nordbrandt, Henrik | |
| Euphrat | 121 (Bd. 7) |
| Wenn ein Mensch stirbt | 122 (Bd. 7) |
| Nordhaus, Jean | |
| Aunt Lily and Frederick the Great | 137 (Bd. 19) |
| Novak, Helga M. | |
| April | 37 (Bd. 4), 61 (Bd. 25) |
| auf dich habe ich gerade gewartet | 115 (Bd. 15) |
| Essen fassen | 94 (Bd. 24) |
| gefedorf gefiedert | 61 (Bd. 5) |
| Ich bin die Menschenartige | 79 (Bd. 14) |
| Lichtgestalten | 82 (Bd. 24) |
| Likör | 31 (Bd. 2) |
| Märkische Nekropole | 58 (Bd. 8) |
| Stadtzentrum | 36 (Bd. 4) |
| vieles wächst | 26 (Bd. 15) |
| wegstehlen will ich mich | 60 (Bd. 5) |
| Wo dauernd gebrechliche Urnen | 79 (Bd. 14), 205 (Bd. 25) |
| Nowack, Nicolas | |
| Alle meine Entchen | 141 (Bd. 17) |
| Am Brunnen vor dem Tore | 42 (Bd. 19) |
| Erröte | 134 (Bd. 18) |
| Hänschen Klein | 136 (Bd. 18) |
| Schlafe, mein Kindchen, schlaf ein | 57 (Bd. 22) |
| O | |
| Oberhollenzer, Josef | |
| heimat, sonett mit kühn | 67 (Bd. 17) |
| sister sister, sonett mit kühn | 55 (Bd. 20) |
| sonett mit schafen | 67 (Bd. 17), 141 (Bd. 18) |
| Oberländer, Harry | |
| Anmerkung zur Poetik | 211 (Bd. 27) |
| Das Achtundsechziger-Sonett | 23 (Bd. 7) |
| Das Babylon-Lied | 22 (Bd. 7) |
| Transit | 83 (Bd. 9) |
| Variationen | 82 (Bd. 9) |
| Ochs, Gerhard | |
| Es fahren Quellgeister | 31 (Bd. 1) |
| Schwarz ist das Licht | 133 (Bd. 1) |
| Spielbein | 78 (Bd. 1) |
| Wenn der Wind aufkommt | 136 (Bd. 1) |
| Oleschinski, Brigitte | |
| Aus der leergeredeten Nacht | 89 (Bd. 13) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| Blinkt doch im Schotter, der noch immer..... | 105 (Bd. 10) |
| Brief | 142 (Bd. 8), 158 (Bd. 9) |
| Das stumpf-..... | 16 (Bd. 8), 117 (Bd. 25) |
| Der bläßliche Ärmel | 17 (Bd. 8) |
| Etwas Leeres, etwas Stilles bleibt zurück | 23 (Bd. 7) |
| Nachts die Arena..... | 57 (Bd. 9) |
| Über der tauben..... | 57 (Bd. 9) |
| Über einen Zusammenhang | 123 (Bd. 7) |
| Weglos..... | 17 (Bd. 8) |
| Weiter und weiter hinaus..... | 24 (Bd. 7), 103 (Bd. 25) |
| Wie..... | 16 (Bd. 8) |
| wie oben die milchigen | 35 (Bd. 11) |
| Opitz, Hellmuth | |
| Charlotte Rampling | 31 (Bd. 11), 160 (Bd. 25) |
| Herunter Kommen..... | 148 (Bd. 24) |
| Licht & Lüge | 63 (Bd. 12) |
| Liste kleiner Traurigkeiten | 12 (Bd. 19) |
| Neuntes Glas von irgendwas..... | 15 (Bd. 20) |
| Preußische Lautverschiebung | 162 (Bd. 24) |
| Rasche Handbewegung..... | 64 (Bd. 27) |
| Roterwerb..... | 129 (Bd. 18) |
| Tussis..... | 63 (Bd. 22) |
| VierMinutenMai..... | 130 (Bd. 18) |
| Orozco, Olga | |
| Ein Blitz, beinahe | 135 (Bd. 14) |
| Oskar, Pastior | |
| Trapez | 30 (Bd. 5) |
| Ostermeier, Albert | |
| die inquisition belehrt herrn galilei..... | 129 (Bd. 17) |
| Oteroño, Rafael Felipe | |
| Schiffbrüchiger | 139 (Bd. 14) |
| Zu welchen Häfen?..... | 138 (Bd. 14) |
| Over, Jutta | |
| Brachvogel vor Einsatz des Regens | 141 (Bd. 26) |
| Ó | |
| Óskar, Jón | |
| Du der du horchst | 131 (Bd. 8) |
| Mädchen..... | 132 (Bd. 8) |
| Ö | |
| Ören, Aras | |
| Eine Selbstdarstellung des Mannes mit der Schildpattbrille | 34 (Bd. 2) |
| Grausamer Sultan, nach Rosen duftend..... | 122 (Bd. 1) |

| | |
|--|------------|
| Phantasie | 82 (Bd. 3) |
| Wie du es auch ansiehst: Ich liebe | 84 (Bd. 1) |
| Zwiebelfisch | 77 (Bd. 3) |

P

Paepcke, Lotte

| | |
|-----------------|-------------|
| Abschied | 39 (Bd. 1) |
| Darüber | 49 (Bd. 2) |
| Ende..... | 79 (Bd. 5) |
| Gewalt..... | 109 (Bd. 6) |
| In Israel | 47 (Bd. 1) |
| Schluß..... | 49 (Bd. 2) |
| Wohin?..... | 69 (Bd. 1) |

Palmer, Michael

| | |
|----------------|--------------|
| I Do Not | 138 (Bd. 19) |
| Sonne | 31 (Bd. 13) |

Papenfuß, Bernd

| | |
|--|--------------|
| abschaum sei rahmbewegung..... | 87 (Bd. 3) |
| als selbstferteidiger form hohen gericht der geheimlichen gegensaetzer | 88 (Bd. 3) |
| friedemann bruder gesetzlos | 87 (Bd. 3) |
| KOPP..... | 169 (Bd. 26) |
| muspilli spezial | 113 (Bd. 19) |
| na du ehntju kakadei | 90 (Bd. 3) |
| NATT | 170 (Bd. 26) |
| vormärz | 111 (Bd. 16) |
| Zu Bert Papenfußens «muspilli-spezial» | 149 (Bd. 19) |

Papenfuß-Gorek, Bert

| | |
|--|-------------------------|
| der stand der dinge zur stunde..... | 105 (Bd. 7) |
| die entstehung des prenzlauer bergs aus feuchtem kehricht..... | 110 (Bd. 9) |
| die lichtscheuen scheiche versunkener reiche | 33 (Bd. 11) |
| grelles impromptu in prussifizierten pop-tones | 64 (Bd. 6) |
| ich bin das paradies | 56 (Bd. 6), 88 (Bd. 25) |
| mein credit..... | 40 (Bd. 6) |
| ohrenbetäubende scheiße..... | 49 (Bd. 9) |
| schreiben, der sogenannte liebesakt..... | 97 (Bd. 7) |
| todfug..... | 32 (Bd. 11) |
| totem..... | 57 (Bd. 6) |

Pasternak, Boris

| | |
|-----------------------------|-------------|
| Definition der Poesie | 50 (Bd. 13) |
|-----------------------------|-------------|

Pastior, Oskar

| | |
|--|--------------|
| – wie grüner pfeffer, sagst du..... | 110 (Bd. 22) |
| »Gehbehinderter Brief« (Zeichnung)..... | 17 (Bd. 2) |
| »Interpretation mit Nackenstütze« (Zeichnung)..... | 97 (Bd. 2) |
| »Metronom (sliding)« (Zeichnung) | 61 (Bd. 2) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|----------------------------|
| »Tortur-Vorschlag« (Zeichnung)..... | 77 (Bd. 2) |
| Am Rande, denkst du..... | 15 (Bd. 2) |
| Antiphlox | 73 (Bd. 4), 63 (Bd. 25) |
| Armaturkandare | 120 (Bd. 20) |
| Auf der grünen Wiese | 187 (Bd. 1) |
| Ausfall | 93 (Bd. 7) |
| bonus ginger | 173 (Bd. 24) |
| Brösel im Menetekel..... | 188 (Bd. 1) |
| büffelmilchzentrifuge..... | 154 (Bd. 23) |
| das denken des zufalls | 89 (Bd. 10), 144 (Bd. 25) |
| der falsche halbschuh..... | 137 (Bd. 17) |
| doch rasch flockt | 63 (Bd. 6), 89 (Bd. 25) |
| drei gimpelstifte | 38 (Bd. 11) |
| Durchhacker | 43 (Bd. 2) |
| Ein höchst merkwürdiges Stück | 61 (Bd. 12) |
| ein seidel alidgeil..... | 13 (Bd. 21) |
| Eine Handlung | 58 (Bd. 5) |
| erneuerung und amortisation..... | 127 (Bd. 23) |
| feiggehege | 87 (Bd. 10) |
| frühgeburt..... | 136 (Bd. 17) |
| Gebären und Begehren..... | 69 (Bd. 20) |
| gimpel | 56 (Bd. 9) |
| grünbchen | 48 (Bd. 9), 132 (Bd. 25) |
| horoskop des gemästeten donauknies oder brosamens einer | 112 (Bd. 22), 331 (Bd. 25) |
| immer | 27 (Bd. 13), 188 (Bd. 25) |
| jo ulf kai | 47 (Bd. 9) |
| kaustikumulus / der wolkenkeiler spricht | 111 (Bd. 22) |
| Klumpatsch..... | 17 (Bd. 3) |
| Knabberlam | 47 (Bd. 4) |
| Kniefrei 43 | 40 (Bd. 5), 75 (Bd. 25) |
| Krezel und Trapez | 97 (Bd. 4) |
| marschiertor-anatom abstrakt..... | 14 (Bd. 21) |
| nasnblut o tangosontag..... | 174 (Bd. 24) |
| negatives listengedicht..... | 84 (Bd. 10) |
| ohne Titel (Zeichnung)..... | 9 (Bd. 2) |
| pantum barbar | 49 (Bd. 16) |
| pantum bichrom | 84 (Bd. 16) |
| rosident | 28 (Bd. 6) |
| Seeblick | 24 (Bd. 6) |
| sestine mit interview | 28 (Bd. 12), 173 (Bd. 25) |
| Sonett-Theorie | 110 (Bd. 5) |
| Stöße im Dunstglas..... | 40 (Bd. 3) |
| tacho eschnapur..... | 85 (Bd. 10) |
| tanner | 93 (Bd. 7) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| teilverband ißt wirtshaus | 51 (Bd. 9) |
| ton-verbindungen | 43 (Bd. 19) |
| Training für kleinere Bauten | 45 (Bd. 4) |
| Trassenführung mit Abendrot | 79 (Bd. 3) |
| Über meinen Schlaf | 42 (Bd. 2) |
| überflieger | 44 (Bd. 19) |
| villanella mit bugwelle..... | 95 (Bd. 15) |
| villanella mit sarkophag | 97 (Bd. 15) |
| villanella rauchverschnitt | 96 (Bd. 15) |
| waldnasen..... | 137 (Bd. 17) |
| Was ich noch sagen wollte | 23 (Bd. 4) |
| Peinemann, Steve B. | |
| Mond in Skandinavien | 27 (Bd. 2) |
| Tod eines dicken Mannes | 144 (Bd. 1) |
| Petersdorff, Dirk von | |
| Bereden | 26 (Bd. 10), 146 (Bd. 25) |
| Ich habe keinen Namen | 84 (Bd. 12) |
| Im Museum der Geschichte | 106 (Bd. 16) |
| In den Alpen | 51 (Bd. 23) |
| Mehr ist Mehr | 13 (Bd. 10) |
| Parzival | 20 (Bd. 11) |
| Raucherecke | 37 (Bd. 22) |
| Stocknacht..... | 24 (Bd. 9) |
| Über Berlin | 78 (Bd. 18) |
| Und vollern Pokal! | 19 (Bd. 11) |
| Petas, Ole | |
| Abendlied | 89 (Bd. 24) |
| Das Fenster zum Off..... | 84 (Bd. 24) |
| Nichts geht mehr | 45 (Bd. 26) |
| Petri, György | |
| Anmerkung zu einer Zusendung von Gedichten | 49 (Bd. 13), 189 (Bd. 25) |
| Traumbild im Wachen mit Maya und Kind | 28 (Bd. 17) |
| Petschner, Raimund | |
| Zwei Zentner milde Verse | 101 (Bd. 2) |
| Pétursson, Hannes | |
| Zuhause am Meer | 133 (Bd. 8) |
| Picker, Marion | |
| Rheinfahrt..... | 134 (Bd. 23) |
| RWF | 161 (Bd. 23) |
| Pietraß, Richard | |
| An den Vater | 59 (Bd. 1), 19 (Bd. 25) |
| Brief..... | 103 (Bd. 3) |
| Das Abendmahl..... | 56 (Bd. 5) |
| Das Wälddchen..... | 84 (Bd. 5) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Die ferne Flut..... | 76 (Bd. 21) |
| Die frühen Gräber..... | 20 (Bd. 20) |
| Die Schattenalge | 75 (Bd. 4) |
| Die Tapeten | 76 (Bd. 9) |
| Die Wiederwahl | 82 (Bd. 22) |
| Liegewagen | 15 (Bd. 16) |
| Mein Waterloo | 43 (Bd. 23) |
| Meine Mutter | 60 (Bd. 1) |
| Morgendliche Rede | 78 (Bd. 21) |
| Naturgefühl..... | 77 (Bd. 9) |
| Planspiel..... | 54 (Bd. 6) |
| Proletarisches Porträt | 96 (Bd. 1) |
| Randlage | 13 (Bd. 12) |
| Retourkutsche | 51 (Bd. 7) |
| Ring der Kosmonauten..... | 53 (Bd. 6) |
| Schatten..... | 91 (Bd. 1) |
| Weichbild..... | 66 (Bd. 7) |
| Pinsky, Robert | |
| Samurai Song..... | 141 (Bd. 19) |
| Piontek, Peter | |
| Auf einen Tisch | 54 (Bd. 22), 332 (Bd. 25) |
| Zusehen wie Spaghetti | 151 (Bd. 23) |
| Pizarnik, Alejandra | |
| Die kleinen Gesänge..... | 60 (Bd. 13) |
| Zeit | 129 (Bd. 14) |
| Plepelić, Zvonko | |
| Brief..... | 104 (Bd. 3) |
| direkt vom Bahnhof..... | 93 (Bd. 2) |
| Entstehungsgeschichte | 94 (Bd. 2) |
| ich kauf mir | 92 (Bd. 2) |
| Jugoslawen auf dem Kurfürstendamm | 93 (Bd. 2) |
| nur | 138 (Bd. 1) |
| siehe da | 91 (Bd. 2) |
| Variation auf ein Thema..... | 90 (Bd. 2) |
| wann lerne ich dazu | 94 (Bd. 2) |
| weder | 168 (Bd. 1) |
| Plessen, Elisabeth | |
| Das Gesetz der Wiederkehr | 54 (Bd. 8) |
| Frag mich nicht | 46 (Bd. 3) |
| Harem Scheißegal | 30 (Bd. 9) |
| Königreich..... | 47 (Bd. 3) |
| Pinsel | 112 (Bd. 10) |
| Verwandlungen..... | 91 (Bd. 4) |
| Warten auf Herrn Saja | 61 (Bd. 7) |

| | |
|--|--------------------------|
| Poehler, Jennifer | |
| Blende des Nebelriffs..... | 83 (Bd. 16) |
| Pohl, Ronald | |
| hochkant..... | 134 (Bd. 17) |
| seneca-reprise (palmolive)..... | 56 (Bd. 26) |
| Politycki, Matthias | |
| Αυφ ειν Βιλδ Εβερμ Τρεσεν: Ητ♣ Ηοι | 64 (Bd. 17) |
| Am siebten Tag | 26 (Bd. 16) |
| B: Geselliges Dichten – ein Erfahrungsbericht | 138 (Bd. 15) |
| Des Teufels Amulett..... | 32 (Bd. 24) |
| Des Teufels Amulett (Rückseite) | 33 (Bd. 24) |
| Die Mitternachtsnegerin..... | 69 (Bd. 12) |
| Die Schule der Geläufigkeit..... | 19 (Bd. 8) |
| Dritte Einlassung: Scham bei Betrachtung schlecht strippender Dichter..... | 165 (Bd. 22) |
| Ein Gedicht übers Gedichte-Dichten | 37 (Bd. 13) |
| Hymne auf den wilden Osten..... | 121 (Bd. 18) |
| Nr. 3049 oder Wenn Du zum Dichten gehst, vergiss die Feile nicht..... | 147 (Bd. 9) |
| Rondo | 21 (Bd. 8) |
| Schrecklich schöner Tag | 80 (Bd. 19) |
| Triadischer Halbschlaf: Abendgedicht | 18 (Bd. 8) |
| Und ein Flirren darin | 20 (Bd. 8), 118 (Bd. 25) |
| Verschiedene Formen von Liebe soll's geben | 78 (Bd. 12) |
| Zu zwei Zeilen von A | 141 (Bd. 15) |
| Zwei Tankas aus »Taifun über Kyoto« | 47 (Bd. 10) |
| Popp, Steffen | |
| Auratische Flurkunde III | 101 (Bd. 26) |
| Bukolische Postkarten..... | 105 (Bd. 23) |
| Nutzen der Munddusche II: Über den poetischen Ton | 193 (Bd. 27) |
| Wiederbesuch: Jardin des Plantes, Paris..... | 13 (Bd. 27) |
| Porchia, Antonio | |
| Stimmen | 129 (Bd. 14) |
| Poschmann, Marion | |
| Hinweise zur Erderwärmung | 28 (Bd. 27) |
| Industrieschnee | 102 (Bd. 27) |
| Pratz, Fritz | |
| Kopfstehen | 106 (Bd. 1) |
| Skifliegen | 120 (Bd. 1) |
| Praunheim, Rosa von | |
| Christian..... | 74 (Bd. 6) |
| Die Krankheit | 59 (Bd. 6) |
| R | |
| Raiser, Martin | |
| Wer mir | 12 (Bd. 22) |

| | |
|--|--------------|
| Rakovszky, Zsuzsa | |
| Die alte Frau | 29 (Bd. 17) |
| Rakusa, Ilma | |
| Dieser Wunsch..... | 21 (Bd. 13) |
| Rathenow, Lutz | |
| Am Abend | 45 (Bd. 2) |
| Brief..... | 102 (Bd. 2) |
| Erster Liebesbrief..... | 74 (Bd. 3) |
| Generäle im Schneegestöber..... | 44 (Bd. 5) |
| Nr. 3048 | 57 (Bd. 8) |
| Rila Kloster | 69 (Bd. 3) |
| Zärtlich kreist die Faust..... | 77 (Bd. 7) |
| Rautenberg, Arne | |
| die vogeluhr. sonnenaufgang 4.30. mitte mai..... | 75 (Bd. 23) |
| Ravikovitch, Dahlia | |
| Cinderella in der Küche | 140 (Bd. 9) |
| Ein Baby tötet man nicht zweimal..... | 142 (Bd. 9) |
| Ray, Regina | |
| Text der warmen Finger | 76 (Bd. 24) |
| Reading, Peter | |
| Ausbleichen..... | 113 (Bd. 11) |
| Real, Anna | |
| 1 Hertz | 72 (Bd. 22) |
| Angerichtet | 31 (Bd. 19) |
| Auf dem Dorotheenstädtischen Friedhof..... | 41 (Bd. 24) |
| Dicker Engel I..... | 98 (Bd. 24) |
| Die Große Maschine..... | 35 (Bd. 20) |
| Montafoner Barock..... | 120 (Bd. 24) |
| Wenn ich den Hörer immer beim ersten..... | 17 (Bd. 19) |
| Reber, Sabine | |
| Abendnachrichten..... | 57 (Bd. 19) |
| Schafschädel | 58 (Bd. 19) |
| Reese, Lothar | |
| Briefe, Notizen..... | 120 (Bd. 5) |
| Reetz, Bärbel | |
| blume für kurt | 99 (Bd. 19) |
| montag im mai | 41 (Bd. 17) |
| montag im mai (2) | 41 (Bd. 17) |
| zufällige begegnung..... | 42 (Bd. 17) |
| Reich, Asher | |
| Erinnerungsfoto..... | 143 (Bd. 9) |
| Und alles andere steht geschrieben..... | 143 (Bd. 9) |
| Reimann, Andreas | |
| Der garten d'annunzios..... | 32 (Bd. 21) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Der wandel | 114 (Bd. 21) |
| Rangsдорfer elegie..... | 51 (Bd. 21) |
| Reimert, Karla | |
| Auffanglager..... | 98 (Bd. 27) |
| Reinecke, Bertram | |
| Das deutsche Literaturinstitut | 55 (Bd. 26) |
| Reinfrank, Arno | |
| Verbesserter Ochsenziemer | 74 (Bd. 3) |
| Reinshagen, Gerlind | |
| 1955..... | 48 (Bd. 5) |
| Ausblick durch Tralilljen..... | 52 (Bd. 1) |
| Der Buchhalter am Montagmorgen im Büro..... | 114 (Bd. 1) |
| Die Obermieter | 112 (Bd. 1) |
| Erinnerung | 56 (Bd. 8) |
| La Copla..... | 164 (Bd. 1) |
| Nikolajewska | 75 (Bd. 1) |
| Rosinski II Der Sonntagsausflug..... | 83 (Bd. 5) |
| Reisner, Stefan | |
| Auf alten Karten..... | 169 (Bd. 1) |
| Ein Apostel in meinem Laden..... | 140 (Bd. 1) |
| Tragen..... | 114 (Bd. 1) |
| Und Gott | 80 (Bd. 1) |
| Reyer, Lars | |
| Kartographie | 147 (Bd. 27) |
| Sektorenpсалм..... | 117 (Bd. 24) |
| Vor Zeiten | 11 (Bd. 23), 352 (Bd. 25) |
| Reynolds, Oliver | |
| Album..... | 121 (Bd. 11) |
| Bitte recht freundlich!..... | 122 (Bd. 11) |
| Rheinsberg, Anna | |
| Ach, so sorglos..... | 96 (Bd. 7) |
| also ver/sprach er..... | 103 (Bd. 6) |
| An Marina | 25 (Bd. 9) |
| Glienicker Brücke | 67 (Bd. 5) |
| Lichter/Felde Stern | 84 (Bd. 9) |
| Nikolskoe | 16 (Bd. 10) |
| Wind sanfte | 90 (Bd. 8) |
| Richter, Nikola | |
| hinterhof..... | 104 (Bd. 24) |
| hopserei..... | 209 (Bd. 27) |
| Riechelmann, Hartwig | |
| Der Trick..... | 76 (Bd. 3) |
| Im Geiste der Bastille | 72 (Bd. 2) |
| Riedl, Josef Anton | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---|
| Akustisches Lautgedicht | 134 (Bd. 22), 136 (Bd. 22) |
| Gedicht mit den Lauten des Namens Carlfriedrich Claus (C = k) | 52 (Bd. 27) |
| Ohne Titel | 68 (Bd. 16) |
| Optisches Lautgedicht..... | 133 (Bd. 22), 135 (Bd. 22), 334 (Bd. 25), |
| Rifbjerg, Klaus | |
| Der Baum | 20 (Bd. 13) |
| Soviel Arten Regen..... | 116 (Bd. 7) |
| Stunde Null..... | 114 (Bd. 7) |
| Riha, Karl | |
| biographisches statement..... | 58 (Bd. 16) |
| sonett (liegend) | 92 (Bd. 15) |
| Rinck, Monika | |
| der gute bassist..... | 55 (Bd. 27) |
| Hossa - du sollst an der verkraftung stehn | 117 (Bd. 26) |
| um was es sich handelt..... | 79 (Bd. 23) |
| Ritter, Roman | |
| Das Geknatter | 57 (Bd. 7) |
| Das Lächeln der | 28 (Bd. 10) |
| Flieder..... | 27 (Bd. 9) |
| Kälteeinbruch..... | 49 (Bd. 6) |
| Revolution No .9 | 65 (Bd. 6) |
| Rotenberg | 34 (Bd. 8) |
| Sommerende | 58 (Bd. 7) |
| Um der Onkel zu werden..... | 79 (Bd. 9) |
| Robayna, Andrés Sánchez | |
| Das Haus | 116 (Bd. 12) |
| Phasen I-IV | 115 (Bd. 12) |
| Weißes Feuer | 116 (Bd. 12) |
| Roda, Roda | |
| Bauernlied | 65 (Bd. 10) |
| Röhler, Andreas | |
| Diesmal kommt Kolumbus nicht zurück | 60 (Bd. 9) |
| So sollte eben..... | 32 (Bd. 6) |
| Röhnert, Jan Volker | |
| Berlin im Rücken | 72 (Bd. 21) |
| Buchweizentoast | 71 (Bd. 21) |
| Das Fahrrad von Blaise Cendrars | 94 (Bd. 20) |
| Ein Augenblick der reinen Poesie..... | 149 (Bd. 24) |
| Roloff, Marcus | |
| Fragezeichen..... | 147 (Bd. 23) |
| Roos, Peter | |
| Liebesgedicht an den Himmel und seine Wolken..... | 85 (Bd. 1) |
| Rosei, Peter | |
| Atemholen | 73 (Bd. 16) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|-------------------------------------|--------------------------|
| Auf dem Hof..... | 48 (Bd. 7) |
| Der Trotzige | 48 (Bd. 7) |
| Drei Kugeln..... | 53 (Bd. 8) |
| Drei Liebesgedichte..... | 99 (Bd. 4) |
| Drüben stand das Haus..... | 22 (Bd. 2) |
| Eine Welt sagt..... | 111 (Bd. 19) |
| Fest..... | 86 (Bd. 11) |
| Im Strauch saßen die Sperlinge..... | 22 (Bd. 2) |
| Ingrimm und Verdächtigung..... | 48 (Bd. 7) |
| Löwenzähne in der Wiese | 17 (Bd. 19) |
| Nachts | 114 (Bd. 20) |
| Risse im Asphalt | 151 (Bd. 26) |
| Rund war der Kopf..... | 21 (Bd. 2) |
| Unterwegs | 69 (Bd. 11) |
| Von der Ferne hör ich rufen..... | 43 (Bd. 12) |
| Rosenau, Christian | |
| Funde..... | 67 (Bd. 27) |
| Rosenlöcher, Thomas | |
| Anrede | 15 (Bd. 8) |
| Brief | 128 (Bd. 11) |
| Das Holz der Rede | 12 (Bd. 8), 120 (Bd. 25) |
| Der Garten | 17 (Bd. 5) |
| Der Kicherengel..... | 32 (Bd. 6) |
| Der Mensch..... | 52 (Bd. 7) |
| Der stille Grund | 80 (Bd. 9), 133 (Bd. 25) |
| Der Wald..... | 58 (Bd. 7) |
| Die Erleuchtung | 93 (Bd. 5) |
| Die Horazlektüre | 52 (Bd. 19) |
| Die Mondbetrachtung | 125 (Bd. 18) |
| Die Neonikone | 29 (Bd. 9) |
| Die Zwillingsschlote | 13 (Bd. 8) |
| In wirrer Nacht | 14 (Bd. 8) |
| Schneebier | 57 (Bd. 5), 76 (Bd. 25) |
| Wiepersdorf | 102 (Bd. 19) |
| Rosenthal, Rüdiger | |
| Elkes Freizeit | 63 (Bd. 2) |
| Herbst auf Hiddensee..... | 92 (Bd. 5) |
| Museum der modernen Poesie | 62 (Bd. 3) |
| Puppenspiel | 63 (Bd. 2) |
| Traum A..... | 114 (Bd. 6) |
| Wanderung im Herbst..... | 56 (Bd. 7) |
| Rost, Hendrik | |
| 1969..... | 38 (Bd. 26) |
| Aufruhr in den Zimmern | 112 (Bd. 21) |

| | |
|--|-------------------------------------|
| Das Fakten-Märchen..... | 19 (Bd. 19) |
| Imago..... | 122 (Bd. 20) |
| Osmose | 15 (Bd. 24) |
| Roth, Dieter | |
| Auf nun, Sonettengeist..... | 119 (Bd. 16), 231 (Bd. 25) |
| Die russische Puppe..... | 179 (Bd. 1) |
| Ehe | 63 (Bd. 1), 11 (Bd. 3), 20 (Bd. 25) |
| Freier Fall | 48 (Bd. 2), 34 (Bd. 25) |
| Geist | 177 (Bd. 1) |
| LEBEN LIEBE TOD und zurück | 112 (Bd. 26) |
| Sag Venedig | 93 (Bd. 4) |
| Rothemann, Sabine | |
| Plötzlich ist nichts mehr | 120 (Bd. 15) |
| Rothmann, Ralf | |
| »Plotin Tours« | 33 (Bd. 18) |
| Das Sakko, die Jahre..... | 32 (Bd. 18) |
| Die Firma dankt | 90 (Bd. 3) |
| Einschreiben | 91 (Bd. 3) |
| Reklamation 2000 | 34 (Bd. 18) |
| Variation | 92 (Bd. 3), 50 (Bd. 25) |
| Verstreute Kirschen | 93 (Bd. 3) |
| Wasser | 92 (Bd. 3) |
| Rübner, Tuvia | |
| Das letzte Abendmal..... | 146 (Bd. 9) |
| Wüstenginster | 145 (Bd. 9) |
| Rückert, Friedrich | |
| Grammatische Deutschheit..... | 69 (Bd. 10) |
| Rudolph, Andre | |
| nach Jahren der lohnarbeit an der schmetterlingssäge | 110 (Bd. 27) |
| Rühm, Gerhard | |
| ein neuerlicher justizirrtum gottes | 21 (Bd. 17) |
| getümmel..... | 115 (Bd. 27) |
| lied..... | 18 (Bd. 17) |
| raucherliedchen..... | 19 (Bd. 17) |
| seelsorge..... | 22 (Bd. 17) |
| todmüde | 112 (Bd. 15) |
| virtuelle Gymnastik | 88 (Bd. 26) |
| wolken | 112 (Bd. 15), 221 (Bd. 25) |
| Rühmkorf, Peter | |
| Abendstück con Musica nebst Schnauzeda | 11 (Bd. 18) |
| Aufsteigerlied | 13 (Bd. 16) |
| Aufwachen und wiederfinden..... | 28 (Bd. 8), 119 (Bd. 25) |
| Botschaft an Kundschaft | 9 (Bd. 27) |
| Botschaft an Kundschaft und retour | 54 (Bd. 23) |

| | |
|---|---------------------------|
| Der Fliederbusch, der Krüppel | 19 (Bd. 9) |
| Durch dauernde Gedanken an dich | 21 (Bd. 5) |
| Ein kleiner Ländler | 145 (Bd. 19) |
| Einheitslied zum Fertigsingen | 57 (Bd. 15) |
| Fast pastörlich | 41 (Bd. 16) |
| Früher, als wir die großen Ströme noch | 21 (Bd. 11), 158 (Bd. 25) |
| Gesang vom Ohnemich | 117 (Bd. 17) |
| Lynkeus der Türmer | 47 (Bd. 23) |
| Rückblickend mein eigenes Leben | 34 (Bd. 18), 266 (Bd. 25) |
| Schnellimbiß | 95 (Bd. 8) |
| So müde, matt, kapude | 28 (Bd. 7) |
| Soziale Säuberung | 12 (Bd. 18) |
| Stilleben – bei Anruf Mord! | 116 (Bd. 17) |
| Überraschendes Wiedersehen | 40 (Bd. 10), 148 (Bd. 25) |
| Von mir – zu euch – für uns | 12 (Bd. 2), 36 (Bd. 25) |
| Wollte nur mal fragen | 42 (Bd. 16) |
| Ruth , Johanna Benrath | |
| Selbstbildnis | 58 (Bd. 27) |
| S | |
| Saalberg, Christian | |
| Die Toten kriechen unter den Steinen hervor | 70 (Bd. 24) |
| Sag mir nicht | 122 (Bd. 21) |
| Sabal, Jorge García | |
| Naht (32) | 140 (Bd. 14) |
| Rede des Alten | 139 (Bd. 14) |
| Sadlon, Magdalena | |
| Tongesichter muß ich machen | 93 (Bd. 8) |
| Was soll ich dein Betragen ruegen? | 64 (Bd. 5) |
| SAID, | |
| der fisch | 114 (Bd. 20) |
| Sakowski, Rolf | |
| Leserzuschrift | 105 (Bd. 3) |
| Salomon, Peter | |
| Das Grab meiner Kindheit | 136 (Bd. 24) |
| Der Glanz alter Kostüme | 141 (Bd. 1) |
| Epigramm | 130 (Bd. 1) |
| Frühlingsgedicht | 23 (Bd. 1) |
| Für meine Fans | 175 (Bd. 26) |
| Gedicht aus dem Wintergarten. Ein Stimmungsbild | 115 (Bd. 21) |
| Salzinger, Helmut | |
| Manchmal, im Garten | 72 (Bd. 14) |
| Poesie der Erde | 73 (Bd. 14) |
| Samson, Horst | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| Pünktlicher Lebenslauf | 133 (Bd. 27) |
| Regengedicht für Edda..... | 25 (Bd. 7) |
| Rosarotes Gedicht 79/80 | 34 (Bd. 3) |
| Sandig, Ulrike A. | |
| basalt das salz und die weißere gischt..... | 128 (Bd. 24) |
| Tier | 29 (Bd. 27) |
| Sanjosé, Axel | |
| Alte Pinakothek..... | 173 (Bd. 27) |
| Die Lemmings | 56 (Bd. 22) |
| In memoriam Peter Huchel..... | 172 (Bd. 24) |
| Rätsel | 54 (Bd. 19) |
| Südliches Sonett..... | 87 (Bd. 21) |
| Udine | 28 (Bd. 15) |
| Wer | 84 (Bd. 20) |
| Zum Abschied..... | 85 (Bd. 26) |
| Sartorius, Joachim | |
| Albiguttatus I - VII | 127 (Bd. 18) |
| Auf dem Weg zum Grabmal des Kleobulos (Auszug) | 125 (Bd. 17), 251 (Bd. 25) |
| Die erste Nacht..... | 78 (Bd. 20) |
| Die Nacht vor dem PC | 169 (Bd. 24) |
| Die Poetik der Poesie oder Vom Schauder der Berührung des Apfels mit dem | 97 (Bd. 13) |
| Ein Korb Gläser (1644)..... | 54 (Bd. 26) |
| Ice Memory | 63 (Bd. 21) |
| Lichterloh | 102 (Bd. 16) |
| Lilia Brik mit Majakovskij in Samarkand | 141 (Bd. 21) |
| Sauernheimer, Peter | |
| Unsere Zeiss-Ikon-Welt | 147 (Bd. 1) |
| Sayer, Walle | |
| Blende..... | 72 (Bd. 26) |
| Bummelzug, Horb-Hausach..... | 76 (Bd. 19) |
| Ein Bettelbrief..... | 38 (Bd. 12) |
| Eingrenzung..... | 116 (Bd. 21) |
| Feineinstellung..... | 63 (Bd. 23) |
| Flugfahrradkonstruktion..... | 39 (Bd. 15) |
| Kleine Studie | 52 (Bd. 21) |
| Motiv | 37 (Bd. 22) |
| Nachtgebet | 76 (Bd. 11), 161 (Bd. 25) |
| Onkelhymne | 61 (Bd. 17) |
| Skizze | 59 (Bd. 20) |
| Staubschicht..... | 86 (Bd. 12) |
| Verlorene Söhne..... | 76 (Bd. 11) |
| Wolfsblick | 15 (Bd. 15) |
| Wurfcede | 102 (Bd. 24) |
| Schaarschmidt, Siegfried | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| Am Rande der Flut | 119 (Bd. 14) |
| Bedrohliche Überfahrt | 42 (Bd. 18) |
| Der Grund | 118 (Bd. 14) |
| Herbstmond | 117 (Bd. 14) |
| Im alten Dorf | 15 (Bd. 12) |
| Inmitten | 110 (Bd. 15) |
| Mit Trotz | 31 (Bd. 16) |
| November-Koppel | 117 (Bd. 14) |
| Was schreckte | 37 (Bd. 16) |
| Wie die Dinge liegen | 118 (Bd. 14) |
| Zum Gehäuse | 110 (Bd. 15) |
| Schaefer, Oda | |
| Meine Generation | 154 (Bd. 1) |
| Schäfer, Hans Dieter | |
| Anhalter und Potsdamer Güterbahnhof | 34 (Bd. 4) |
| Das letzte Mal | 48 (Bd. 3) |
| Fête des Invalides | 119 (Bd. 1) |
| Miniaturartig | 110 (Bd. 1) |
| So lange ich döse | 52 (Bd. 2) |
| Wehrlos nackt | 51 (Bd. 2) |
| Schappert, Roland | |
| Seine Ohrclips waren lang | 100 (Bd. 20) |
| Schedlinski, Rainer | |
| am morgen | 58 (Bd. 9) |
| atemzüge, flach | 85 (Bd. 11) |
| der aufwand der vorwand | 62 (Bd. 6) |
| ein stein vier | 110 (Bd. 6) |
| ich lief durch namenlose treppenhäuser | 33 (Bd. 14) |
| kindheit, verspielt | 63 (Bd. 7) |
| Nerven aus Draht | 33 (Bd. 14) |
| schleibnitz | 62 (Bd. 7) |
| von wasser vernarrt: | 44 (Bd. 6) |
| was weiß ich überhaupt von mir | 42 (Bd. 15) |
| wie eine öde jahreszeit kommt | 71 (Bd. 8) |
| Schenk, Johannes | |
| Enges Zimmer | 111 (Bd. 1) |
| Küstenstraße | 27 (Bd. 1) |
| Schernikau, Ronald M. | |
| bach | 41 (Bd. 6) |
| Scherstjanoï, Valeri | |
| Im Dunkeln scribentieren | 138 (Bd. 22) |
| lose laute – lautgeschirr | 137 (Bd. 22), 335 (Bd. 25) |
| Scribentische Rede | 93 (Bd. 15) |
| scribentische Zeichnung | 144 (Bd. 26) |

Schertenleib, Hansjörg

| | |
|-----------------------------|--------------|
| Dead horses | 125 (Bd. 16) |
| Der Andere | 48 (Bd. 8) |
| Es gab nicht | 64 (Bd. 11) |
| Frühling bis zum Hals | 72 (Bd. 7) |
| Gewitternacht..... | 69 (Bd. 7) |
| Gib mir dein Aug | 58 (Bd. 6) |
| Heroes..... | 56 (Bd. 12) |
| Himmelsstürmer..... | 49 (Bd. 8) |
| Lands End | 69 (Bd. 7) |
| Makellos..... | 71 (Bd. 12) |
| Schwesterherz | 103 (Bd. 9) |

Scheuermann, Silke

| | |
|--|---------------------------|
| Alice und die Trauer im Einmachglas..... | 21 (Bd. 22) |
| aus: Vogelflüge | 23 (Bd. 27) |
| Curriculum Vitae..... | 38 (Bd. 21) |
| Die Alpen werden geschlossen | 102 (Bd. 20) |
| Die Art wie Gedichte arbeiten..... | 369 (Bd. 25) |
| I. Stimmen | 183 (Bd. 24) |
| Nur die Nächte in Paris | 88 (Bd. 21), 319 (Bd. 25) |

Schieke, Jörg

| | |
|--|--------------|
| Die Unfallmeldestelle: blaue Augen | 40 (Bd. 22) |
| Ein Mineral erklingt..... | 107 (Bd. 21) |

Schiffer, Wolfgang

| | |
|---|--------------------------|
| Alter Hafen | 94 (Bd. 3), 51 (Bd. 25) |
| Bildbeschreibung | 99 (Bd. 6) |
| Gestern, ich sah zum Fenster hinaus | 60 (Bd. 7), 104 (Bd. 25) |
| jetzt und hier | 30 (Bd. 1) |
| Landschaft | 23 (Bd. 2) |
| Leben | 62 (Bd. 4) |
| Noch ist es Morgen..... | 95 (Bd. 3) |
| Novembergedanken..... | 96 (Bd. 3) |
| Seit ich meine Hände zählte..... | 96 (Bd. 3) |
| Warten, mein Freund?..... | 95 (Bd. 3) |
| Wieder heimatlos | 142 (Bd. 1) |

Schiffner, Sabine

| | |
|----------------------------|-------------|
| der hühnerstall | 32 (Bd. 22) |
| die heide..... | 76 (Bd. 23) |
| ostfriesland schwankt..... | 79 (Bd. 16) |
| reibung | 98 (Bd. 23) |

Schimmang, Jochen

| | |
|-----------------------|--------------|
| Der zweite Atem | 74 (Bd. 19) |
| Telefon..... | 105 (Bd. 21) |

Schindler-Wunderlich, Vera

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| Beweisführung zum schlechten Tag | 89 (Bd. 26) |
| Formatvorlage I..... | 199 (Bd. 27) |
| Schlag, Evelyn | |
| ars poetica | 194 (Bd. 27) |
| Bilanzakt | 54 (Bd. 17) |
| Fontanellato | 54 (Bd. 17) |
| Pelzchen.cam | 98 (Bd. 26) |
| sollbruchstelle | 108 (Bd. 27) |
| Schlageter, Kerstin Rose | |
| Auszug | 115 (Bd. 21) |
| Schleeh, Michael | |
| ohne Stimme, Ochsenzunge..... | 13 (Bd. 22) |
| Seismographischer Horizont..... | 62 (Bd. 23) |
| Schleinitz, Astrid | |
| vollmond, straße, haus | 114 (Bd. 24) |
| vorstadt | 71 (Bd. 24) |
| Schlesak, Dieter | |
| Ich leb | 85 (Bd. 9) |
| Siebenbürgen / Thüringen | 24 (Bd. 12) |
| Sixtina..... | 85 (Bd. 9) |
| Schlesinger, Peter | |
| Einsicht | 66 (Bd. 1) |
| Gropiusstadt..... | 33 (Bd. 1) |
| Schmatz, Ferdinand | |
| manu scriptum oder der hufeisengewinn | 108 (Bd. 20) |
| so gilt es | 138 (Bd. 17) |
| Schmelcke, Hans | |
| mare | 30 (Bd. 22) |
| Schmid, Nathalie | |
| heimwärts | 18 (Bd. 23) |
| vatersmutter | 24 (Bd. 23) |
| zucker | 96 (Bd. 24) |
| Schmidgall, Renate | |
| Vom Wir zum Ich – die polnische Lyrik des letzten Jahrzehnts..... | 88 (Bd. 18) |
| Schmidt, Kathrin | |
| ich hatte im mund ein bündel..... | 67 (Bd. 20) |
| landname | 71 (Bd. 26) |
| sprechendes rehtier | 134 (Bd. 26) |
| wir wußten, wir trugen polnische | 71 (Bd. 19) |
| Schmitter, Elke | |
| septembergruß..... | 19 (Bd. 11), 162 (Bd. 25) |
| tierchen | 117 (Bd. 15) |
| Schmitzer, Stefan | |
| karriereplanung, soundscape..... | 54 (Bd. 27) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|--------------|
| telekom 1: zauberkreis | 99 (Bd. 26) |
| Schneditz, Alf | |
| Herbst im Breisgau | 116 (Bd. 9) |
| Schneider, Peter | |
| Antwort an Petrarcas Freund | 83 (Bd. 6) |
| Scho, Sabine | |
| yellow | 147 (Bd. 26) |
| Schoch, Johann Georg | |
| An sein Vaterland, als er sich bei Candien befand..... | 72 (Bd. 10) |
| Schönecker, Tilmann | |
| Kraut / gelöscht | 14 (Bd. 22) |
| Schrott, Raoul | |
| Aubade | 52 (Bd. 22) |
| Bemerkung | 253 (Bd. 25) |
| Drei Fragen zur Poesie | 180 (Bd. 23) |
| Erste Einlassung: Verteidigung der Poesie | 145 (Bd. 22) |
| Galileo Galilei – Dialogo | 74 (Bd. 16) |
| Niels Bohr – Korrespondenzprinzip | 75 (Bd. 16) |
| Schrott / Buchwald, Raoul / Christoph | |
| Editorische Notiz..... | 149 (Bd. 17) |
| Schuemmer, Silke Andrea | |
| Kaperfahrt | 144 (Bd. 27) |
| Stirnbilder (organisches Portrait 10) | 103 (Bd. 17) |
| Schuldt, | |
| Dunkel | 109 (Bd. 5) |
| Jeder Wurf ein Ulan..... | 90 (Bd. 15) |
| Schulz, Christiane | |
| Der Geist der Mirabellen | 26 (Bd. 24) |
| Ich treibe die Hunde vor mir her | 20 (Bd. 22) |
| Münchner Freiheit | 178 (Bd. 24) |
| Schutting, Jutta | |
| Aufwachen | 74 (Bd. 7) |
| Hausaufgabe | 68 (Bd. 6) |
| Salerno | 63 (Bd. 5) |
| Worte, die nicht nur Worte gewesen wären | 107 (Bd. 8) |
| Schwarz, Christoph | |
| autobann: auf! finden süden! | 107 (Bd. 24) |
| Du und Ich..... | 105 (Bd. 9) |
| ei! neues Jahr! | 52 (Bd. 12) |
| Hil fee—! | 20 (Bd. 9) |
| im nachtwald | 126 (Bd. 9) |
| lärmens fürs leben!..... | 85 (Bd. 22) |
| nun also wieder(lich) | 28 (Bd. 11) |
| oktober-fest-zählt | 19 (Bd. 10) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|---------------------------|
| was i hab, des hobby | 51 (Bd. 12) |
| Schwarzenberger, Paul | |
| oa kloana tropfn | 35 (Bd. 26) |
| Wenn i wissad..... | 86 (Bd. 22) |
| Schwedes, Johanna | |
| Am Abend | 28 (Bd. 23) |
| Schlußkonvolut | 97 (Bd. 24) |
| Seel, Daniela | |
| es gab diese möglichkeit | 75 (Bd. 27) |
| Seemann, Karl | |
| Memorial..... | 20 (Bd. 20) |
| Rabenbaum..... | 110 (Bd. 6) |
| Unerbittlich..... | 88 (Bd. 5) |
| Seidlhofer, Waltraud | |
| sorgsam, dies alles..... | 102 (Bd. 17) |
| Seiler, Lutz | |
| (nosferatu) | 18 (Bd. 21) |
| abfahrt..... | 57 (Bd. 27) |
| Afrika..... | 65 (Bd. 19) |
| allgemeiner nachrichtendienst | 131 (Bd. 23) |
| am abend | 14 (Bd. 27) |
| aqua vitae | 16 (Bd. 21), 320 (Bd. 25) |
| bodmers tal | 27 (Bd. 22) |
| das neue reich | 132 (Bd. 23) |
| Der Erde Rede..... | 27 (Bd. 21) |
| Die Anrufung..... | 304 (Bd. 25) |
| Die Mutter des Lyrikers | 100 (Bd. 19) |
| hubertusweg..... | 84 (Bd. 19) |
| hypnotisierte moderne..... | 27 (Bd. 22) |
| im felderlatein | 76 (Bd. 18) |
| im jahre eins, das war | 49 (Bd. 21) |
| in den rohren..... | 157 (Bd. 26) |
| Modi morendi | 114 (Bd. 16) |
| Notiz | 125 (Bd. 20) |
| offenlassung..... | 156 (Bd. 26) |
| ortsteile gab es, orte | 155 (Bd. 26) |
| pech & blende | 45 (Bd. 15) |
| Revolte der Unschuld | 141 (Bd. 18) |
| Wandelnde Denkmäler..... | 54 (Bd. 20) |
| wir lagen vor madagaskar und hatten | 63 (Bd. 19), 284 (Bd. 25) |
| Sellwig, Franziska | |
| nach samoa | 24 (Bd. 2) |
| Sessner, Max | |
| Der tschechische Reiter..... | 29 (Bd. 21) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|----------------------------|
| Zwei Männer in Betrachtung des Mondes | 150 (Bd. 23) |
| Setz, Clemens | |
| An den Leser..... | 164 (Bd. 24) |
| Showghi, Farhad | |
| Aber die Straße | 156 (Bd. 23) |
| Da liegt die Wiese | 164 (Bd. 26) |
| Diesige, tätige Gegend | 90 (Bd. 20), 301 (Bd. 25) |
| Nicht wirklich kaspisch..... | 135 (Bd. 26) |
| Was auch geschieht | 89 (Bd. 20) |
| Sielaff, Volker | |
| Fliegen | 34 (Bd. 19) |
| Lokale Sauna | 103 (Bd. 24), 365 (Bd. 25) |
| Sigel, Kurt | |
| Kleine Schildbürgerbeschimpfung kurz vorm Weltuntergang | 73 (Bd. 2) |
| Mondliedchen | 86 (Bd. 1) |
| Nachtliedchen | 52 (Bd. 3) |
| Schmählied | 194 (Bd. 1) |
| Siles, Jaime | |
| Epitaph für Manuel Siles..... | 113 (Bd. 12) |
| Hin zur Zeit | 92 (Bd. 13) |
| Lied der gebildeten Spione im Augenblick des Alterns | 111 (Bd. 12) |
| Sprachsäulen..... | 114 (Bd. 12) |
| Silkin, Jon | |
| Ein Gänseblümchen..... | 102 (Bd. 11) |
| Löwenzahn | 103 (Bd. 11) |
| Simic, Charles | |
| Country Fair | 114 (Bd. 18) |
| Der Mord an den unschuldigen Kindern | 11 (Bd. 13) |
| Simon, Eva | |
| gelbe strähne..... | 111 (Bd. 21), 322 (Bd. 25) |
| Skudlarek, Jan | |
| couchkartoffeln / die zeit danach..... | 123 (Bd. 27) |
| Skwara, Erich Wolfgang | |
| Abendlied..... | 61 (Bd. 9) |
| dunkler rat | 53 (Bd. 1) |
| Versteckspielen..... | 36 (Bd. 9) |
| Soergel, Tabea | |
| ++381 | 80 (Bd. 24) |
| Der Fluch der Gewichtlosigkeit | 67 (Bd. 24) |
| Soik, Helmut Maria | |
| Impression of William Blake O! Why was I born | 191 (Bd. 1) |
| Sollberger, Adi | |
| Verschwörung..... | 57 (Bd. 12) |
| Söllner, Werner | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| Der Augenblick der Sprachmagie..... | 42 (Bd. 14) |
| Siebenbürgischer Heuweg | 42 (Bd. 14) |
| Sonne, Jørgen | |
| Shanty | 120 (Bd. 7) |
| The White Horse | 118 (Bd. 7) |
| Speier, Michael | |
| die musik ist nebenan..... | 129 (Bd. 1) |
| Strom | 26 (Bd. 1) |
| Stainer, Pauline | |
| Mrs. John Dowland | 124 (Bd. 11) |
| Piranesis Fieber..... | 125 (Bd. 11) |
| Stasiuk, Andrzej | |
| * * * | 94 (Bd. 18) |
| Steiert, Björn | |
| Jüdisches Ich..... | 65 (Bd. 23) |
| Steinbacher , Christian | |
| Auf dem Nebengelee (flambiert)..... | 130 (Bd. 26) |
| Auf der schönen neuen Hos..... | 48 (Bd. 22) |
| Belegte Brotzeit | 25 (Bd. 26) |
| Stephan, Susanne | |
| Textaufgabe | 167 (Bd. 24) |
| Stevens, Wallace | |
| Der Mann mit der blauen Gitarre | 37 (Bd. 13) |
| Stewart, Susan | |
| Wings..... | 142 (Bd. 19) |
| Stolterfoht, Ulf | |
| »Kenn«, raunzte er schrill..... | 47 (Bd. 19) |
| Appell an alle hoch armierten Böhmen | 18 (Bd. 18) |
| auch verb er böse genug | 13 (Bd. 10) |
| Aus: fachsprachen XIX | 24 (Bd. 22), 336 (Bd. 25) |
| Dichtung im Banne des Schwamms..... | 112 (Bd. 20) |
| ein treten ein in luft-luft | 107 (Bd. 19) |
| engere hängung | 181 (Bd. 27) |
| fleischiges beispiel für eine verleibung | 63 (Bd. 27) |
| freund-feind-kennung | 48 (Bd. 16) |
| götzenhammer..... | 131 (Bd. 17) |
| I. Kleiner Tätigkeitsbericht..... | 195 (Bd. 26) |
| materialwiderstand..... | 47 (Bd. 16), 234 (Bd. 25) |
| stand stramm..... | 132 (Bd. 17) |
| syntaktisch mächtig unter druck..... | 133 (Bd. 21) |
| wir beobachten unfrisches | 29 (Bd. 10) |
| Wörter und Sachen | 113 (Bd. 20) |
| Stoltz, Rainer | |
| Der Anzug | 43 (Bd. 19) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|----------------------------|
| Experimente..... | 57 (Bd. 26) |
| Strand, Mark | |
| Geschichte der Poesie | 12 (Bd. 13) |
| Reading in Place..... | 114 (Bd. 18) |
| Strasser, Johano | |
| Maria S..... | 42 (Bd. 3) |
| Strauß, Martin | |
| Einsendung an eine Zukunftswerkstatt | 122 (Bd. 19), 287 (Bd. 25) |
| Genau das..... | 31 (Bd. 18), 268 (Bd. 25) |
| Ich bin's..... | 59 (Bd. 22) |
| In der Vereinsgaststätte des Rudervereins Marbach | 37 (Bd. 26) |
| Vom Hörensagen..... | 14 (Bd. 20) |
| Streubel, Manfred | |
| Klopfzeichen eines Verschütteten | 101 (Bd. 14) |
| Krisis | 100 (Bd. 14) |
| Stroheker, Tina | |
| Dazwischen | 106 (Bd. 19) |
| Reise-Station..... | 53 (Bd. 18) |
| Ströhm, Arthur | |
| Bochum – Frankfurt am 21.6.92..... | 27 (Bd. 12) |
| Der Brecht..... | 82 (Bd. 12) |
| Halkyonische Streiktage..... | 62 (Bd. 12) |
| Mäusegedicht..... | 41 (Bd. 12) |
| Schweigen und Freude..... | 69 (Bd. 12) |
| Strunge, Michael | |
| Time | 117 (Bd. 7) |
| Struzyk, Brigitte | |
| Arcaden | 80 (Bd. 22) |
| Denkmuster | 31 (Bd. 6) |
| Der Abhang..... | 66 (Bd. 6), 90 (Bd. 25) |
| Der Nebel | 85 (Bd. 20) |
| Die Dirnen in der Kirche | 20 (Bd. 5) |
| Die Tochter des Sisyphos berichtet dem Vater..... | 52 (Bd. 7) |
| End Wickeln | 37 (Bd. 7) |
| Er trägt die Sätze vor | 88 (Bd. 7) |
| Mein eisenbereiftes Herz..... | 38 (Bd. 19) |
| Mitlaiikrise | 109 (Bd. 6) |
| Über der Fläche..... | 146 (Bd. 26) |
| Überfahrt | 60 (Bd. 6) |
| Zu Zeiten..... | 118 (Bd. 24) |
| Zwischen Peine und Hämelerwald | 102 (Bd. 23) |
| Struzyk / Jetze / Erb, Brigitte / Franz Christoph / | |
| Ob und in welchem Falle die seichte Beackerung des Bodens der tiefen oder | 38 (Bd. 5) |
| Surdum, Kundeyt | |

| | |
|--------------------------------------|------------|
| die hummer schmecken wunderbar | 51 (Bd. 6) |
| Ich kaufe Schmierseife..... | 53 (Bd. 5) |

Ś

Świetlicki, Marcin

| | |
|---------------|--------------|
| Polen..... | 101 (Bd. 18) |
| Polen 2 | 103 (Bd. 18) |

T

Tafdrup, Pia

| | |
|------------------------------------|-------------|
| Um uns nicht im Weg zu stehen..... | 109 (Bd. 7) |
|------------------------------------|-------------|

Tammen, Johann P.

| | |
|---|---------------------------|
| Ankommen mit einer Flugmaschine | 22 (Bd. 15) |
| Atemholen | 93 (Bd. 1) |
| Augenschein, Sorglosgebärde..... | 84 (Bd. 22) |
| Das Wasser, das kollabierende Eis | 98 (Bd. 9) |
| Die Nacht | 26 (Bd. 3) |
| Generös | 64 (Bd. 4) |
| Hortmachers Launen..... | 50 (Bd. 6) |
| Ich trage was davon | 66 (Bd. 20) |
| Im Abendlicht, Vaterbild..... | 114 (Bd. 10) |
| Lasterwege, ebenerdig | 34 (Bd. 7) |
| Notizen (5) | 32 (Bd. 11), 163 (Bd. 25) |
| Solitude | 86 (Bd. 5) |
| Tagtäglich..... | 61 (Bd. 3) |
| Tagwende | 36 (Bd. 21) |
| The last battle, heihō | 93 (Bd. 9) |
| Trost, dem Plan zuwider..... | 51 (Bd. 8) |
| Verwegen | 27 (Bd. 3) |

Tandori, Dezsö

| | |
|--------------------|-------------|
| Hier und dort..... | 35 (Bd. 17) |
|--------------------|-------------|

Tänzer, Gerhard

| | |
|------------------|------------|
| Juli..... | 25 (Bd. 1) |
| Nahverkehr | 35 (Bd. 1) |

Taschau, Hannelies

| | |
|---|-------------|
| Aids en Vogue | 31 (Bd. 9) |
| Das ist die wirkliche Enttäuschung..... | 66 (Bd. 12) |
| Die Kürbislauben die Birnengärten | 24 (Bd. 5) |
| Es wird nicht zugrunde gegangen..... | 81 (Bd. 6) |
| Für diese Nachricht..... | 65 (Bd. 12) |
| Gefährdung der Leidenschaft..... | 83 (Bd. 4) |
| Heimatkunde..... | 19 (Bd. 1) |
| Immer gab es etwas | 65 (Bd. 4) |
| Jetzt Er: | 45 (Bd. 9) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--------------------------------------|--------------------------------------|
| Nachruf | 75 (Bd. 8), 115 (Bd. 9) |
| Nicht vernichten nur jagen | 60 (Bd. 3) |
| Träume von Fischen | 14 (Bd. 2) |
| Unser Freund ist abgewandert..... | 105 (Bd. 1) |
| Tate, James | |
| Dream On..... | 116 (Bd. 18) |
| Techel, Sabine | |
| An Alice Ratcliffe in Zürich | 68 (Bd. 19) |
| Deutschland..... | 62 (Bd. 22) |
| Dichter für dann (III) | 118 (Bd. 15) |
| Ein starkes Stück..... | 84 (Bd. 9), 134 (Bd. 25) |
| Engelschmelze | 26 (Bd. 7) |
| Fasane | 117 (Bd. 9), 109 (Bd. 14) |
| Grau des Sommers..... | 45 (Bd. 12) |
| Gruß aus dem was nicht beginnt | 111 (Bd. 14) |
| Häwels Welt | 111 (Bd. 14) |
| Papenfuß zugeeignet..... | 95 (Bd. 19) |
| Signifikanter..... | 44 (Bd. 9) |
| Tulpe..... | 109 (Bd. 14) |
| Und Dieter singt..... | 110 (Bd. 14) |
| Teissl, Christian | |
| Verlustanzeige | 139 (Bd. 24) |
| Tellkamp, Uwe | |
| aus: Der Nautilus..... | 35 (Bd. 22), 129 (Bd. 23) |
| aus: Reise zur blauen Stadt..... | 164 (Bd. 27) |
| der spiegel | 101 (Bd. 21) |
| Merian-Tafel:..... | 175 (Bd. 24) |
| Thelen, Albert Vigoleis | |
| Arterhaltung..... | 87 (Bd. 1) |
| Dichter schöpfen | 193 (Bd. 1), 22 (Bd. 25) |
| Fünf Gedichte | 11 (Bd. 9) |
| Mein Abendlied | 135 (Bd. 25) |
| Wortgeplunder | 176 (Bd. 1), 58 (Bd. 2), 38 (Bd. 25) |
| Thenior, Ralf | |
| Adventsfenster Amsterdam | 66 (Bd. 6) |
| Auf der Schützenstraße | 106 (Bd. 10) |
| ein Anflug von etwas | 98 (Bd. 4) |
| Ins Stammelbuch..... | 103 (Bd. 5) |
| sprechender Apfel | 113 (Bd. 4) |
| Theobaldy, Jürgen | |
| Durch Hauptwil..... | 74 (Bd. 18) |
| Ein Orakel in der Nähe..... | 40 (Bd. 14) |
| Haiku aus dem Fahrradsattel..... | 67 (Bd. 19) |
| In Bernstein gefäßt | 50 (Bd. 14) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|--------------------------|
| Komposita | 90 (Bd. 13) |
| Multiple Sorgen | 99 (Bd. 21) |
| Queen of The Underground | 55 (Bd. 7) |
| Vor dem Brandenburger Tor | 33 (Bd. 4) |
| Zerzauste Feder | 49 (Bd. 7) |
| Thiel, Lothar | |
| einladung | 65 (Bd. 17) |
| gans wi du wilasd | 52 (Bd. 16) |
| traum von einem essen | 66 (Bd. 17) |
| Thiemt, Christine | |
| Das Kirchenkapitel | 48 (Bd. 22) |
| The Walking Tree | 9 (Bd. 24), 366 (Bd. 25) |
| Thill, Hans | |
| Atem! | 36 (Bd. 11) |
| Beherzt wie eine Briefmarke ging er seines Wegs | 176 (Bd. 27) |
| Blumenstraße | 84 (Bd. 23) |
| Das nächste Dorf | 60 (Bd. 22) |
| Der Schlesier des Schweigens | 26 (Bd. 12) |
| Die Lokomotive | 83 (Bd. 14) |
| Gelächter, Sirenen | 83 (Bd. 14) |
| Hälfte des Lebens | 33 (Bd. 16) |
| Hans Harfe patentiert die Schwerkraft | 80 (Bd. 20) |
| In der Eile | 58 (Bd. 17) |
| Manchmal lauerte | 108 (Bd. 9) |
| Nichts Niemand Nirgends Nie | 29 (Bd. 16) |
| Papier aus Stein | 73 (Bd. 19) |
| Randbemerkungen zu Ulf Stolterfoths Satz: "Das Verstehen in der Lyrik hat | 219 (Bd. 27) |
| Zweierlei Empfindungen | 36 (Bd. 9) |
| Zwölf Buchstaben | 190 (Bd. 26) |
| Thümler, Walter | |
| Sprache | 84 (Bd. 19) |
| Tietze, Oliver | |
| See in der Großstadt | 35 (Bd. 23) |
| Ting, Shu | |
| ... zwischen | 125 (Bd. 10) |
| Auferstehung | 124 (Bd. 10) |
| Tkaczyk, Wilhelm | |
| ***** | 61 (Bd. 10) |
| Toker, Elijah | |
| «Gesetz der Aussöhnung» | 131 (Bd. 14) |
| 18. Juli 1994 | 133 (Bd. 14) |
| Tolnai, Otto | |
| Ich der Stein | 37 (Bd. 17) |
| Toorn, Willem van | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|----------------------------|
| Pianta Monumentale della Cittá | 93 (Bd. 13) |
| Töppé, Frank | |
| Berliner Bureau | 21 (Bd. 10) |
| Wir rauchten oft gen Himmel | 22 (Bd. 10) |
| Törne, Volker von | |
| Ägäis 1978 | 47 (Bd. 1) |
| Anruf meines Engels..... | 11 (Bd. 3) |
| Totok, William | |
| Alltagsgedicht..... | 89 (Bd. 6) |
| Tragelehn, B. K. | |
| Das Urbild nach Bruno | 97 (Bd. 19) |
| Der letzte Versuch..... | 145 (Bd. 21) |
| Popularität | 143 (Bd. 18) |
| Trahms, Gisela | |
| Verstehen, sagt er | 221 (Bd. 27) |
| Traxler, Mathias | |
| Brig No. 13 | 97 (Bd. 27) |
| Treichel, Hans-Ulrich | |
| An mich selbst | 12 (Bd. 20) |
| Berliner Rätsel | 73 (Bd. 21) |
| Berliner Sommertag..... | 49 (Bd. 20) |
| Biographie..... | 49 (Bd. 17) |
| Fotoalbum | 37 (Bd. 6) |
| Grenzübergang..... | 35 (Bd. 4) |
| Heißer Sommer | 121 (Bd. 18) |
| Ich, das Erdentier | 29 (Bd. 2) |
| Im Schwimmbad | 120 (Bd. 18), 269 (Bd. 25) |
| Plagwitz | 48 (Bd. 17) |
| Schreibaufgabe | 168 (Bd. 24), 367 (Bd. 25) |
| Seit ich hier bin | 107 (Bd. 15) |
| Silver Tower | 64 (Bd. 22) |
| Stoßgebet..... | 36 (Bd. 19) |
| Trthewey, Natasha | |
| Limen..... | 144 (Bd. 19) |
| Tritschel, Tom | |
| Heimat | 14 (Bd. 12) |
| Seilschaft..... | 64 (Bd. 12) |
| Trojan, Sandra | |
| Hausszene..... | 10 (Bd. 24) |
| Ohne Titel | 44 (Bd. 24) |
| Tumler, Franz | |
| Andere Geschichten oder Als wär die Historie nicht | 62 (Bd. 8) |
| Ansichtskarte einer Stadt am Meer | 56 (Bd. 3) |
| Ausgezehrte Dimension | 77 (Bd. 5) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|----------------------------------|-------------|
| Das Himmelstor | 78 (Bd. 6) |
| Delos..... | 19 (Bd. 2) |
| Die Töll bei Meran | 57 (Bd. 3) |
| Überfahrt..... | 77 (Bd. 5) |
| Veränderung | 44 (Bd. 3) |
| Verkürzte Zeichnung am Nil | 123 (Bd. 9) |
| Vorgefühl | 57 (Bd. 4) |
| Wiedersehen mit OÖ | 70 (Bd. 7) |

U

Uetz, Christian

| | |
|-----------------------------|--------------|
| (Lalls Laffe:)..... | 120 (Bd. 16) |
| Liebe fühlst du nicht | 44 (Bd. 22) |
| Und ob wir uns lieben..... | 45 (Bd. 22) |

Uhlmann, Joachim

| | |
|----------------------------------|--------------|
| Die Leere des Spiegels..... | 186 (Bd. 27) |
| Installation..... | 112 (Bd. 19) |
| Komfortabel..... | 67 (Bd. 1) |
| Landschaft mit dem Vogel Y | 176 (Bd. 1) |
| Para hoy | 90 (Bd. 19) |
| Rentnerin..... | 43 (Bd. 3) |
| Schwalben | 22 (Bd. 1) |

Unger, Sebastian

| | |
|---------------------|-------------|
| Haltungen (IV)..... | 99 (Bd. 20) |
|---------------------|-------------|

Urweider, Raphael

| | |
|--------------|-------------|
| 26. Apr..... | 37 (Bd. 27) |
|--------------|-------------|

Utschick, Wolfgang

| | |
|------------------------|--------------|
| Endspiel 1954 | 82 (Bd. 8) |
| Stare..... | 139 (Bd. 26) |
| Vater unser Exil | 83 (Bd. 8) |

V

Valentin, Thomas

| | |
|------------------------------------|-------------|
| Lied des zweiten Totengräbers..... | 189 (Bd. 1) |
| Schichtwechsel..... | 157 (Bd. 1) |

Vallazza, Alma

| | |
|-----------------------------|-------------|
| Ode an die Aspangbahn | 90 (Bd. 20) |
|-----------------------------|-------------|

Valverde, Álvaro

| | |
|------------------------------|--------------|
| Die reglosen Seefahrer | 118 (Bd. 12) |
|------------------------------|--------------|

Vanderbeke, Birgit

| | |
|-----------------|------------|
| palimpsest..... | 24 (Bd. 9) |
|-----------------|------------|

Vesper, Guntram

| | |
|-----------------------------------|------------|
| Am Vorabend neuer Blutbäder | 63 (Bd. 3) |
| Brennglas | 47 (Bd. 5) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|--------------|
| Das leise Rauschen zusammenhängender Gedanken | 15 (Bd. 3) |
| Der Schrei der Eule | 30 (Bd. 3) |
| Galeriedanken..... | 153 (Bd. 1) |
| Heimweh | 49 (Bd. 1) |
| Neujahr in Schreyahn..... | 39 (Bd. 4) |
| Sklavenkarwane | 38 (Bd. 4) |
| Studie aus dem Landleben..... | 46 (Bd. 5) |
| Vinderman, Paulina | |
| P.S. | 138 (Bd. 14) |
| Voß, Florian | |
| Idyll 1847 | 36 (Bd. 26) |
| Lichtbilder / Schattenprojektor..... | 51 (Bd. 24) |
| Nachtstück | 100 (Bd. 27) |
| Wind | 87 (Bd. 23) |
| Vries, Wim de | |
| Der Ober (Kassel 1982) | 118 (Bd. 5) |
| W | |
| Wagner, Richard | |
| Ach so | 82 (Bd. 7) |
| Bahndamm. Juli | 108 (Bd. 6) |
| Der Herbst ist eine junge Firma | 31 (Bd. 19) |
| Der Kamm | 39 (Bd. 7) |
| der westen | 70 (Bd. 26) |
| dezember 1914..... | 42 (Bd. 23) |
| Die Liebenden..... | 77 (Bd. 20) |
| dung..... | 53 (Bd. 23) |
| eisfischen im felsengebirge..... | 101 (Bd. 20) |
| Feuer..... | 34 (Bd. 24) |
| genueser gemüsepastetchen | 92 (Bd. 24) |
| Geschichte | 103 (Bd. 9) |
| guerickes sperling..... | 16 (Bd. 22) |
| holunder | 46 (Bd. 26) |
| in wendisch-rietz | 17 (Bd. 22) |
| kleinstadtlegie | 101 (Bd. 20) |
| Landhühner..... | 91 (Bd. 8) |
| Lübars | 65 (Bd. 8) |
| quittenpastete | 93 (Bd. 24) |
| Raus..... | 33 (Bd. 10) |
| schleuse | 30 (Bd. 21) |
| smithfield market | 81 (Bd. 21) |
| starnberg, synonym..... | 160 (Bd. 26) |
| tarock | 160 (Bd. 27) |
| Waldhoff, Werner | |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|--|---------------------------|
| Friede auf Erden..... | 66 (Bd. 2) |
| Walser, Martin | |
| Das geschundene Tier (10) | 110 (Bd. 19) |
| Das geschundene Tier (6)..... | 109 (Bd. 19) |
| Walther, J. Monika | |
| Schweigen und wie..... | 27 (Bd. 3) |
| Stillsschweigen..... | 82 (Bd. 6) |
| unterwegs | 59 (Bd. 3) |
| Wandeler-Deck, Elisabeth | |
| oder ddd erb..... | 121 (Bd. 27) |
| Waterhouse, Peter | |
| An die ferne Geliebte..... | 86 (Bd. 6) |
| Das beste Publikum | 18 (Bd. 5) |
| Das sogenannte Richtungsei | 39 (Bd. 6) |
| Der Antwortende..... | 91 (Bd. 7), 105 (Bd. 25) |
| Die leichte Metapher des Eisenbahnzugs..... | 87 (Bd. 6), 91 (Bd. 25) |
| DNA?..... | 135 (Bd. 27) |
| Ins große Gefessel vor Wien..... | 39 (Bd. 20), 302 (Bd. 25) |
| Jauntal-Übersetzung (Auszug)..... | 87 (Bd. 16), 232 (Bd. 25) |
| Leibniz. Nacht. O (Auszug)..... | 79 (Bd. 8) |
| Metamorphosen des Leibnizapfels | 116 (Bd. 6) |
| Spaziergang als Himmelskunst | 80 (Bd. 6) |
| Trying to See the Flowers the Children the Schools | 40 (Bd. 20) |
| Überführte hymnische Reste..... | 101 (Bd. 6) |
| Weber, Martina | |
| das war das spiel | 100 (Bd. 26) |
| es waren nur pappschachteln | 137 (Bd. 27) |
| konzert im hinterzimmer | 50 (Bd. 24) |
| Sag einfach nochmal Flattertier..... | 44 (Bd. 22) |
| statt eines schlafs | 88 (Bd. 23) |
| Weinhals, Bruno | |
| Ein Gerede geht übers Papier..... | 95 (Bd. 11) |
| Wellbrock, Jürgen | |
| Alpin..... | 21 (Bd. 2) |
| Benennung und Beschwörung. Kleine Anmerkung zum Wesen der Poesie | 131 (Bd. 12) |
| Brief | 104 (Bd. 2), 107 (Bd. 3) |
| Hauch und Siegel | 64 (Bd. 11) |
| Lied aus dem Keller..... | 150 (Bd. 1) |
| Schnelle Schaffe..... | 36 (Bd. 3) |
| Schwalben unterm Gewölk..... | 74 (Bd. 4) |
| Sperrgebiet 3..... | 20 (Bd. 1) |
| Sperrgebiet 4..... | 20 (Bd. 1) |
| Wasseraugen..... | 65 (Bd. 21) |
| Wenzel, Christoph | |

| | |
|--|--------------|
| die frühlinge | 129 (Bd. 24) |
| schrauben im schlaf | 56 (Bd. 27) |
| Werf, Fritz | |
| Ode an Charles Bukowski | 151 (Bd. 1) |
| Wewerka, Michael | |
| Die braune Flasche | 51 (Bd. 1) |
| Weyrauch, Wolfgang | |
| $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ | 85 (Bd. 1) |
| aber wie | 125 (Bd. 1) |
| Kein Wolf | 61 (Bd. 1) |
| Wheeler, Susan | |
| Shanked on the Red Bed | 118 (Bd. 18) |
| Wichner, Ernest | |
| das deutschland | 56 (Bd. 10) |
| Die Lokomotive im Zoo zu Dessau | 94 (Bd. 7) |
| Erinnerung an Landschaftsbilder | 110 (Bd. 4) |
| Heimat | 62 (Bd. 7) |
| Im Nacken so müde | 34 (Bd. 16) |
| In die Ferne | 62 (Bd. 16) |
| Küste, Winter | 58 (Bd. 9) |
| Maden | 142 (Bd. 26) |
| manchmal wurde der himmel gelb | 59 (Bd. 15) |
| Wiebusch, Ruth | |
| ein bussard kreisend | 29 (Bd. 23) |
| Wilke, Udo | |
| du gehst zu dem punkt | 127 (Bd. 6) |
| hinter mir ist gar nichts | 126 (Bd. 6) |
| protokoll | 127 (Bd. 6) |
| tot | 126 (Bd. 6) |
| Williams, Hugo | |
| Der Metzger | 115 (Bd. 11) |
| Wenn ich mal groß bin | 114 (Bd. 11) |
| Wir lesen | 24 (Bd. 13) |
| Winkler, Katja | |
| Ansichtspostkarte | 58 (Bd. 26) |
| Winkler, Ron | |
| Anschauung to go | 116 (Bd. 24) |
| deutsche demokratische R. | 94 (Bd. 21) |
| dt. demokr. Relikt | 95 (Bd. 21) |
| geh weg, Heimat | 90 (Bd. 27) |
| höhere Gewalt ist auch keine Äsung | 47 (Bd. 26) |
| vor Insel 35 | 144 (Bd. 24) |
| Wißkirchen, Christa | |
| Blickfeld | 78 (Bd. 9) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|----------------------------|
| Comcom..... | 66 (Bd. 21) |
| Das untere Leben..... | 113 (Bd. 10) |
| Der Granit | 41 (Bd. 19) |
| Die Menschen! | 74 (Bd. 12) |
| Hymne an den Kreis | 50 (Bd. 11) |
| Kenner, aber ach | 38 (Bd. 9) |
| Ländlicher Anblick..... | 12 (Bd. 12) |
| Minute..... | 40 (Bd. 27) |
| Mörikes Bildschirmschoner..... | 119 (Bd. 24) |
| Porno | 129 (Bd. 18) |
| Risus paschalisi..... | 39 (Bd. 26) |
| Spät | 73 (Bd. 26) |
| Sprach-Verlagerung..... | 120 (Bd. 15) |
| Zeitraffer | 24 (Bd. 11) |
| Wohmann, Gabriele | |
| Appetit | 28 (Bd. 9) |
| Das könnte ich sein..... | 49 (Bd. 7) |
| Der Kleine von meiner Partei..... | 100 (Bd. 9) |
| Der Termin | 72 (Bd. 6) |
| Die Frau auf der Abbildung..... | 60 (Bd. 6) |
| Endgültige Freundschaft | 96 (Bd. 4) |
| Komm wieder | 101 (Bd. 10) |
| Nachgeholter Eifer | 71 (Bd. 5) |
| Schlaf bei Tageslicht..... | 43 (Bd. 8) |
| Wolf, Ror | |
| 3 Geburtstagsstrophen für ans Altenheim | 135 (Bd. 7) |
| Aus dem Norden | 90 (Bd. 9), 136 (Bd. 25) |
| Der Gung | 26 (Bd. 12) |
| hartmanns hinterzimmer..... | 55 (Bd. 5) |
| nachtrag an die kreisauer hunde | 135 (Bd. 24), 368 (Bd. 25) |
| Notiz..... | 222 (Bd. 25) |
| schönheit, schlichter dropsknoten | 167 (Bd. 26) |
| Vom Vermeiden Von Gedichten | 182 (Bd. 26) |
| Zwölf Monate später..... | 53 (Bd. 12), 175 (Bd. 25) |
| Wolff, Michael | |
| Drei Haikus | 25 (Bd. 21) |
| Wolfgramm, Torsten | |
| Der kleine Teich..... | 99 (Bd. 12) |
| Wühr, Paul | |
| Als | 108 (Bd. 15) |
| Bleibe..... | 26 (Bd. 7) |
| Buch | 38 (Bd. 8) |
| Es | 130 (Bd. 15) |
| Ist | 132 (Bd. 15) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|----------------------------|
| Mir | 109 (Bd. 15) |
| Ob..... | 132 (Bd. 15) |
| Sieben Gedichte | 129 (Bd. 15) |
| So | 131 (Bd. 15) |
| Über..... | 25 (Bd. 7) |
| Was | 129 (Bd. 15), 130 (Bd. 15) |
| Wer..... | 129 (Bd. 15) |
| Würtenberger, Ingrid | |
| Ein Name | 91 (Bd. 1) |
| Wüstefeld, Michael | |
| Rückspiegel | 39 (Bd. 18) |
| So sind die Zeiten..... | 56 (Bd. 9) |
| Y | |
| Yau, John | |
| 16. Postkarte von Trakl | 86 (Bd. 13) |
| Yawei, Li | |
| Eine Fischliebe..... | 130 (Bd. 10) |
| Mit achtzehn | 131 (Bd. 10) |
| Yongming, Zhai | |
| Beweis | 132 (Bd. 10) |
| Leben..... | 133 (Bd. 10) |
| Young, Edward | |
| Aus den Nachtgedanken..... | 66 (Bd. 10) |
| Z | |
| Zao, Zhang | |
| Kafka an Felice 5 / Kafka an Felice 6 | 85 (Bd. 13) |
| Zarnegin, Kathy | |
| Spricht der Herr tungusisch?..... | 50 (Bd. 16) |
| Zehntner, Christoph | |
| Lebenslauf | 77 (Bd. 11), 164 (Bd. 25) |
| Zeller, Eva Christina | |
| reibung..... | 74 (Bd. 26) |
| Ziebritzki, Henning | |
| Der Knoten | 84 (Bd. 20) |
| Provinzbild | 22 (Bd. 19) |
| Sicht auf Svevo | 152 (Bd. 23) |
| Zimmer, Dieter E. | |
| Oder auch so | 169 (Bd. 1) |
| Stellenteil | 117 (Bd. 1) |
| Unbestechlichkeit..... | 116 (Bd. 1) |
| Zingg, Martin | |
| Hinüber zu Faverey, Nachschrift | 94 (Bd. 23) |

Lyrikregister 1979–2009

| | |
|---|--------------|
| Klassische Sorgen | 30 (Bd. 19) |
| Zuguterletzt | 32 (Bd. 26) |
| Zornack, Annemarie | |
| ich mag das | 27 (Bd. 1) |
| niederandalusien, heimat des sherry | 46 (Bd. 1) |
| Zschorsch, Gerald | |
| Gier..... | 101 (Bd. 12) |
| Lesart..... | 100 (Bd. 12) |
| Mittag | 101 (Bd. 12) |
| Wandlung..... | 100 (Bd. 12) |